रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 06 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुल्क पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 8 ● वर्ष : 2, अंक : 149 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.3	26.0
जमशेदपुर	34.3	25.8
डालटनगंज	34.6	24.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

घरेलू क्रिकेट खेलना हमारे लिए..> पेज 10

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,200
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

तेलंगाना में मुठभेड़ छह नक्सली ढेर

हैदराबाद। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में गुरुवार को पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई. पुलिस ने मुठभेड़ में छह माओवादियों को ढेर कर दिया. बताया जा रहा है कि मारे गए लोगों में तेलंगाना के कुछ शीर्ष माओवादी नेता भी शामिल हैं. यह मुठभेड़ जंगल क्षेत्र में उस समय हुई जब पुलिस दल तलाशी अभियान में लगा हुआ था. हालांकि, मुठभेड़ के दौरान दो जवान भी गोली लगने से घायल हैं.

केजरीवाल की बेल पर फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार सीएम मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान सीबीआई और केजरीवाल ने अपनी-अपनी दलीलें रखीं. दोनों पक्षों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया. दरअसल, केजरीवाल को पहले ईडी ने अरेस्ट किया था, लेकिन जमानत मिलने के बाद सीबीआई ने उन्हें जेल से ही गिरफ्तार कर लिया था.

खाई में गिरी सेना की कार, 4 जवान शहीद

गंगटोक। सिक्किम के पाकयोंग जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां सेना के एक वाहन के गहरी खाई में गिरने से चार जवान शहीद हो गए. यह हादसा तब हुआ जब सेना का वाहन ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तेपर यात्रा कर रहा था. अधिकारियों ने बताया कि वाहन सड़क से फिसलकर से 800 फीट नीचे खाई में गिर गया. यह दुर्घटना रीनॉक रोंगली राज्य राजमार्ग पर दलोपचंद दारा के पास वर्टिकल वीर मेंहुई, जिसे सिल्क रूट के नाम सेभी जाना जाता है.

अगले माह सरकारी कर्मियों की भरेगी जेब

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार के एक करोड़ से अधिक कर्मियों और पेंशनरों को मिलने वाले महंगाई भत्ते/महंगाई राहत में अगले माह यानी अक्तूबर में दिवाली से पहले चार फीसदी वृद्धि होने की प्रबल संभावना है. अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में केंद्रीय कैबिनेट, महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की फाइल पर मुहर लगा सकती है. मौजूदा समय में डीए/डीआर की दर 50 फीसदी है. अगर इसमें 4 फीसदी की वृद्धि होती है तो ये दर 54 पर पहुंच जाएगी.

कार्यक्रम : सीएम हेमंत सोरेन के स्वर भाजपा को लेकर हुए तल्ख, कहा

आदिवासी सीएम बनने लगा तो इनके पेट में दर्द होने लगा

विशेष संवाददाता। रांची/गुमला

आपकी सरकार आपके द्वार

- गुमला में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से सीएम ने 22 हजार एकड़ जमीन का वनपट्टा प्रदान किया
- गुमला व लोहरदगा को 347 विकास योजनाओं का दिया तोहफा
- 1 लाख 62 हज़ार 769 लाभुकों के बीच 217 करोड़ 71 लाख 17 हजार रुपए की बांटी परिसंपत्तियां

सीएम हेंमत सोरेन ने गुरुवार को गुमला और लोहरदगा के लोगों को 22 हजार एकड़ जमीन का वन पट्टा वितरित किया. उन्होंने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत एक हजार 250 एकड़ जमीन का वितरण मंच से किया. सीएम ने कार्यक्रम में गुमला एवं लोहरदगा को कुल 1222 करोड़ 32 लाख 48 हजार रुपए की 347 योजनाओं का तोहफा एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया. इसमें गुमला की 636 करोड़ 74 लाख 57 हज़ार की 159 योजनाओं का उद्घाटन -शिलान्यास शामिल है, जबकि लोहरदगा की 367 करोड़ 86 लाख 28 हज़ार की 188 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास संपन्न हुआ. इन दोनों जिलों के 162769 लाभुकों के बीच 217 करोड़ 71 लाख 17 हजार की परिसंपत्तियां बांटी गई. इसमें गुमला 150678 लाभुकों के बीच 204 करोड़ 88 लाख 80 हजार एवं लोहरदगा के 12091 लाभुकों के बीच 12 करोड़ 82 लाख की परिसंपत्तियों का वितरण हुआ.

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि आपके हित में जितना काम करने की कोशिश करते हैं, इतना ये लोग हमको काटने दौड़ते हैं. 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लाया तो ये कोर्ट चले गए. अब मंईयां योजना लाया तो इसे लेकर भी कोर्ट चले गए. -शेष पेज 7 पर

गुमला में आयोजित वन पट्टा वितरण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का अभिवादन करते सीएम हेमंत सोरेन.

उत्पाद सिपाही दौड़ में नौजवानों की मौत बड़ी साजिश

सोरेन ने कहा कि उत्पाद सिपाही की दौड़ में कुछ नौजवानों की मौत हो गई है. इसके पीछे बहुत बड़ी साजिश सामने आ रही है. हमने जांच का आदेश दे दिया है. कोरोना काल में झारखंड के लोगों को जो इंजेक्शन लगा है, वो गलत इंजेक्शन लगा है. हल्का फुल्का सर्दी खांसी में लोगों की जान जा रही है. फर्जी दवा दिया गया है. फर्जी दवा बनाने वाली कंपनी से अरबों अरब रुपया चंदा वसूल लिया. पैसा वसूलने के लिए कौन सा दवा हमलोगों को लगा दिया है पता नहीं. हमको तो कोरोना हुआ भी नहीं इसके बाद भी इंजेक्शन लगा दिया. उत्पाद सिपाही की दौड़ में जिन बच्चों का देहांत हो रहा है, उनको कोरोना का इंजेक्शन लगाया था, ये उसी का प्रभाव पड़ा है.

जांच एजेंसियों से धमकी दिलाकर बनाते हैं सरकार

हेमंत सोरेन ने कहा कि चुनाव हारने और जनता द्वारा रिजेक्ट कर दिए जाने के बाद भी विधायक खरीदो, मंत्री खरीदों, ईडी सीबीआई से धमकी दिलवाओ. छापा पड़वाओ, जेल भेजो और सरकार बनाओ. अब इनके पास आम जनता का समर्थन नहीं है. इस लोकतंत्र में सरकार आप चुनते हैं. लेकिन इनको आपसे मतलब नहीं. अगर आपने किसी और की सरकार बनाई, तो ये सरकार को ही खरीद लेते हैं. हमारे पीछे भी दो साल से पड़ा हुआ है. हमारे विधायकों के पीछे पड़ा है. लेकिन हमलोग पैसे पर नहीं बिकते.

सरना धर्म कोड मिल जाता तो हमारी पहचान मिल जाती

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया का नियम है. बड़ा तालाब में बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती हैं. समाज में भी यही होता है. खासकर उनलोगों को जिनकी कोई पहचान समाज में नहीं है. आज देश की सूची में आदिवासियों की पहचान नहीं है. इसलिए झारखंड सरकार ने झारखंड के आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड पारित करके सरकार को भेजा है. लेकिन अब तक वह नहीं मिला है. अगर सरना धर्म कोड मिल जाए तो आदिवासी सुरक्षित हो जाएंगे. आज से नहीं अंग्रेजों के काल से आदिवासियों को इधर उधर मजदूरी के नाम पर भटकाते रहे हैं.

नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज की जमीन हमेशा के लिए गांव वालों को वापस कर दिया : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने नेतरहाट फायरिंग रेंज की जमीन हमेशा के लिए गांव वालों को वापस कर दिया गया. जो 60 साल तक ये लोग लड़ाई लड़ रहे थे. कितना आंदोलन हुआ कितना लोग मर गये. हमारे पिता शिबू सोरेन ने भी आंदोलन किया. लेकिन हमलोगों ने वो लड़ाई छोड़ी नहीं. आज जैसे ही मौका मिला वो फायरिंग रेंज का सारा जमीन ग्रामीणों को सौंपा गया.

उत्पाद सिपाही बहाली के लिए 10 से शुरू होगी दौड़

पलामू एयरपोर्ट पर नहीं होगी अब नियुक्ति प्रक्रिया

गुरुवार को एडीजी मुख्यालय जानकारी देते हुए.

प्रेस कॉन्फ्रेंस

संवाददाता। रांची

उत्पाद सिपाही बहाली के लिए दौड़ अब 10 सितंबर से शुरू होगी. पलामू के चियांकी एयरपोर्ट पर दौड़ नहीं होगी. पलामू में जिनकी दौड़ थी, उनकी दौड़ 19 और 20 सितंबर को अन्य 6 सेंटरों पर होगी. पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एडीजी मुख्यालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी. एडीजी ने कहा कि उत्पाद आरक्षी की रिक्ति को भरने के लिए 22 अगस्त से विभिन्न केंद्रों पर शारीरिक दक्षता परीक्षा प्रारम्भ हुई. यह प्रक्रिया दो सितंबर तक चली, इस दौरान 12 अभ्यर्थियों की मृत्यु हुई, जो काफी दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक है. राज्य सरकार ने चल रही परीक्षा की समीक्षा के लिए इसे तीन दिनों तक स्थगित करने का आदेश दिया था. पांच सितंबर को सीएम हेमंत सोरेन के द्वारा इस प्रक्रिया की समीक्षा की गयी.

एडीजी ने कहा कि शारीरिक दक्षता परीक्षा अब 10 सितंबर से प्रारम्भ होगी. पलामू छोड़ कर जिन छह केंद्रों पर जिन अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा तीन सितंबर 2024 से होनी थी, अब वो प्रतिदिन तीन-तीन हजार की दर से 10 से 11 सितंबर को होगी. उसी प्रकार इन छह केंद्रों पर जो शारीरिक दक्षता परीक्षा 04 सितंबर को होनी थी वो अब तीन-तीन हजार की दर से 12 और 13 सितंबर को होगी.

चयन पर्षद की पलामू में कोई शारीरिक दक्षता परीक्षा नहीं होगी. वहां के शेष बचे अभ्यर्थियों जिनकी परीक्षा तीन सितंबर से नौ सितंबर तक होनी थी, वो अब शेष छह चयन पर्षद में अलग-अलग स्थानों पर ली जाएगी. ये परीक्षा 19 और 20 सितंबर को संपन्न होगी.

मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं, जारी की गई गाइडलाइन

समीक्षा के दौरान यह बात स्पष्ट हुई कि अभी तक जिन अभ्यर्थियों की मृत्यु हुई है. उनकी मृत्यु का कारण स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है. पोस्टमार्टम के बाद आगे की जांच हो रही है. यह अनुमान लगाया गया कि जिनकी भी अचानक मृत्यु हुई, उसका कारण संभवतः हृदय गति का रुकना हो सकता है. इसलिए यह निर्णय लिया गया कि सभी प्रतिभागी जो आने वाले दिनों में शारीरिक दक्षता परीक्षण में शामिल होने वाले है, उन्हें निम्न परामर्श दिया जाता है.

भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहते हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिंगापुर के दो दिवसीय दौरे पर हैं. पीएम मोदी का सिंगापुर की संसद में भव्य स्वागत किया गया. उन्होंने गुरुवार को कहा कि हम भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहता है. दो देशों के बीच मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन सहयोग का प्रतीक बन गया है. सिंगापुर सिर्फ एक भागीदार देश नहीं है, बल्कि हर विकासशील देश के लिए एक प्रेरणा है. हम भारत में कई सिंगापुर भी बनाना चाहते हैं और इसके लिए मिल कर प्रयास कर रहे हैं. प्रधानमंत्री ने यह बात अपने सिंगापुर समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ बैठक में कही. इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी चर्चा की.

सिंगापुर के साथ हुए चार अहम समझौते

पीएम मोदी ने गुरुवार को पीएम लॉरेंस वोंग के साथ एक बैठक की. इस दौरान, दोनों नेता संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा, संबंधों में एक नया अध्यायः व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित हुई. पीएम मोदी और पीएम लॉरेंस वॉगएसटी ने सिंगापुर में एक सार्थक बैठक की. दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए.

जिसमें उन्नत विनिर्माण, कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा, कौशल विकास और स्थिरता के क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं की व्यापक समीक्षा की गई. भारत और सिंगापुर के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य सहयोग और कौशल विकास के क्षेत्र में प्रमुख समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए जो दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करेंगे.

भारत में हो तब तक चुप ही रहना हसीना

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही. अपने नागरिकों को बचाने के बजाय अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना को चुप रहने की सलाह दी है. उन्होंने कहा कि शेख हसीना भारत में बैठ कर जैसी टिप्पणी कर रही हैं, वह गलत है. यूनुस ने यह भी कहा कि जब तक ढाका उनके प्रत्यर्पण का अनुरोध नहीं करता, तब तक उन्हें चुप रहना चाहिए ताकि दोनों देशों के बीच संबंध असहज न हों. यूनुस ने इंटरव्यू में यह बात कही. यूनुस नेकहा, अगर भारत, बांग्लादेश द्वारा हसीना को वापस बुलाने तक उन्हें रखना चाहता है, तो शर्त यह होगी कि हसीना को चुप रहना होगा. यूनुस ने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ मजबूत संबंधों को महत्व देता है.

अग्निपथ योजना में कई बड़े बदलावों के आसार, बढ़ेगी सैलरी भी

बढ़ सकता है अग्निवीर का कोटा

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

अग्निपथ योजना

साल 2022 में सरकार ने अग्निपथ योजना का ऐलान किया था. योजना के तहत चार साल के लिए अग्निवीरों को तीनों सैन्य सेवाओं (जल, थल और वायु) में नियुक्ति की जानी थी. साल भर में कुल नियुक्ति के 25 फीसदी अग्निवीरों को स्थाई कमीशन मिलता था.

सेना में जाने की तैयारी कर रहे अग्निवीरों को जल्द ही सरकार बड़ा तोहफा दे सकती है. खबर है कि चार साल की अवधि के बाद सेना में अग्निवीरों को बरकरार रखने की सीमा बढ़ाई जा सकती है. मौजूदा नियमों के हिसाब से 25 फीसदी अग्निवीर सेवा में बने रहते हैं. हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है. इसके अलावा भी अग्निपथ योजना में कई बदलाव हो सकते हैं.

केंद्र सरकार ने साल 2022 में अग्निपथ योजना का ऐलान किया था. इंडिया टुडे की रिपोर्ट में रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सरकार अग्निपथ योजना में कुछ बदलावों की योजना बना रही है.इसके तहत ज्यादा अग्निवीर सेना में रिटेन किए जाएंगे. साथ ही उनकी सैलरी में भी बदलाव हो सकते हैं. फिलहाल, रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है. कहा जा रहा है कि योजनाओं के लाभ और व्यवस्था को बेहतर करने के लिए बदलाव किए जा सकते हैं. रिपोर्ट में रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि अग्निवीरों को सेवा में बनाए रखने की सीमा बढ़ाने को लेकर चर्चाएं जारी हैं.

इसके बाद चार साल की सेवा पूरी कर चुके ज्यादा अग्निवीर सेना का हिस्सा बने रह सकेंगे.

रोबोट भी इंसानों की तरह झूठ बोल सकते हैं और धोखा देते हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

500 प्रतिभागियों से रोबोट के धोखे के विभिन्न रूपों को रैंक करने और समझाने के लिए कहा गया

- **रोबोट मनुष्यों को तीन तरीके से धोखा दे सकते हैं –** एक्सटर्नल स्टेट डिसेप्शन, हिडन स्टेट डिसेप्शन और सुपरफिशियल स्टेट डिसेप्शन.

इंसानों की तरह रोबोट भी झूठ बोल सकते हैं और धोखा दे सकते हैं. गुरुवार को जारी एक अध्ययन से पता चलता है कि कैसे जेनरेटिव एआई जैसी उभरती तकनीक का इस्तेमाल यूजर्स के साथ हेरफेर करने के लिए किया जा सकता है. अमेरिका में जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी की टीम के शोध का उद्देश्य उभरती तकनीक और उनके डेवलपर्स के प्रति अविश्वास को समझने के लिए रोबोट नैतिकता के एक कम अध्ययन किये गये पहलू का पता लगाना था.

यह पता करने के लिए कि क्या लोग रोबोट का झूठ बर्दाश्त कर सकते हैं, टीम ने 500 प्रतिभागियों से रोबोट के धोखे के विभिन्न रूपों को रैंक करने और समझाने के लिए कहा. विवि में डॉक्टरेट कैंडिडेट एंड्रेस रोसेरो ने कहा, मुझे लगता है कि हमें किसी भी ऐसी तकनीक के बारे में चिंतित होना चाहिए जो क्षमताओं की वास्तविक प्रकृति को छिपाने में सक्षम है क्योंकि इससे यूजर्स के विचार को उस तकनीक द्वारा बदला जा सकता है जो यूजर्स का मूल उद्देश्य नहीं था. हमने पहले से ही वेब डिजाइन सिद्धांतों और एआई चैटबॉट्स का प्रयोग करने वाली कंपनियों को देखे हैं, जो यूजर्स को एक निश्चित काम में लिए हेरफेर करने के लिए डिजाइन किए गए हैं. हमें इन हानिकारक धोखे से खुद को बचाने के लिए विनियमन की जरूरत है.

त्यों त्यों प्यासेई रहत, ज्यों ज्यों पियत अघाई

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

हमारे पुरखे पुरनिया कह गये हैं कि पैर उतना ही फैलाना चाहिए जितनी लंबी चादर हो. दूसरे शब्दों में कहें तो औकात से बाहर जाने पर संकट पैदा होगा ही. आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया का सिलसिला कंगाल बनायेगा ही. लेकिन हमारे लोकतंत्र को बलवान बनाने की कसमें खाने वाले नेता इन सलाहितों को मानने-समझने के लिए तैयार नहीं हैं. वे चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की उत्साहपूर्ण घोषणाएं करने में तनिक भी संकोच नहीं करते हैं. इन दिनों राजनीतिक दलों में बस यही होड़ लगी है कि सरकारी खजाना लुटाने में कौन किससे आगे है. सही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोक कल्याण की योजनाएं चलनी ही चाहिए. लेकिन योजनाएं चलाने और रेवड़ियां बांटने में फर्क है. अच्छा शासन वह होता है, जो उम्दा राजनीति और उम्दा अर्थशास्त्र को साधते हुए व्यवस्था का सूत्र संचालन करता है. लेकिन दिक्कत तब पैदा होती है जब उम्दा राजनीति के लिए अर्थव्यवस्था चौपट कर दी जाती है. इसका परिणाम यह हुआ है कि हमारे अधिकतर राज्य कर्ज के भारी बोझ तले दबे छटपटा रहे हैं. उन्हें केंद्रीय सहायता के अतिरिक्त कोई उपाय नहीं सूझ रहा है. इस समय हमारे पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल, मेघालय, मणिपुर, नगालैंड आदि का कर्ज उनकी जीडीपी के 40 फीसदी के करीब पहुंच गया है. इस श्रेणी में पंजाब, हिमाचल प्रदेश भी पहुंच रहे हैं. कर्नाटक भी मुश्किल में है. वह सरक रहा है तो इसलिए कि उसके पास रेवेन्यू के संसाधन उपर्युक्त राज्यों से अधिक हैं. बावजूद इसके वहां की सरकार ने साफ कर दिया है कि विकास कार्यों और विधायक निधि के लिए पैसे नहीं हैं. इसका कारण है चुनाव जीतने के लिए घोषित की गयी पांच गारंटियों को लागू करना. इन गारंटियों के मकड़जाल में फंसी सरकार को जन सुविधाओं पर टैक्स बढ़ाना पड़ रहा है और जनाक्रोश मोल लेना पड़ रहा है. हिमाचल कर्ज के जाल में इस कदर फंस गया है कि उसके मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने दो महीने तक अपने वेतन और टीए-डीए मुल्तवी कर दिये हैं. लेकिन इससे होगा क्या ? यह पूरी राशि एक करोड़ के आस पास होगी. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की यह चाल भी मस्तानी है. वह जनता की सहानुभूति बटोरना चाहते हैं और ठीकरा केंद्र के मत्थे फोड़ना चाहते हैं. वह यह तथ्य छुपाना चाहते हैं कि यह बदहाली खटाखट की कव्वाली का नतीजा है. वहां के सरकारी कर्मचारियों को डीए और एरियर नहीं मिल रहा है. पेट्रोल-डीजल महंगा करने के बावजूद रेवन्यू कलेक्शन में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है.

कांग्रेस पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा कर चुनाव तो जीत गई, लेकिन अब वही गले की फांस बन गयी है. कांग्रेस मनमोहन सिंह और मोंटेक सिंह अहलूवालिया को कुशल अर्थशास्त्री तो मानती है, लेकिन सिर्फ चुनाव जीतने के चक्कर में उसने उनकी न्यू पेंशन स्कीम को ठेंगा दिखा दिया है. परिणाम यह हुआ है कि राज्य के खजाने का करीब तीन चैथाई हिस्सा वेतन, भत्ता-पेंशन और रोजमर्रा के कार्यों पर ही खर्च हो जा रहा है. पुरानी पेंशन का लोड 2029 में पड़ेगा. तब राज्य की आर्थिक हालत क्या होगी, इसका अनुमान मुश्किल नहीं है. लोकलुभावन रेवड़ियों की बंपर लॉटरी की शुरुआत अरविंद केजरीवाल ने की. उन्हें दिल्ली में तो कोई परेशानी नहीं हुई क्योंकि दिल्ली की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र संभालता है. अन्य दूसरे काम भी केंद्र देखता है. वहां का रेवेन्यू कलेक्शन भी अच्छा खासा है. लेकिन वही स्कीम पंजाब में लागू करने से पंजाब की हालत खस्ता हो गयी है. -शेष पेज 7 पर

चंपाई के बाद झामुमो के जिला अध्यक्षों पर भाजपा की नजर

- झामुमो की तरफ से दीपक बिरुआ और रामदास सोरेन ने संभाला मोर्चा
- पिछले चुनाव में कोल्हान की 14 में से एक भी सीट नहीं मिली थी भाजपा को

संवाददाता । रांची

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बाद भाजपा की नजर अब झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के तीनों जिला अध्यक्षों पर है. भाजपा की योजना कोल्हान प्रमंडल की विधानसभा सीटों को हर हाल में जीतने की है. इसी के तहत भाजपा ने चंपाई सोरेन को पार्टी में शामिल कराया है. लेकिन भाजपा के नेता यह बात अच्छी तरह से समझते हैं कि सिर्फ चंपाई सोरेन के पार्टी में आने से दो-तीन सीटों पर फायदा हो सकता है. लेकिन अगर कोल्हान में झामुमो को कमजोर करना है, तो पार्टी के जिला अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों को तोड़ना होगा. तभी जमीनी स्तर पर पार्टी को फायदा होगा. पार्टी के जिला स्तर के पदाधिकारियों को तोड़ने की जिम्मेदारी निभा रही भाजपा की टीम को चंपाई सोरेन का भी भरपूर साथ मिल रहा है.

कोल्हान के 14 विधानसभा क्षेत्र

सरायकेला	घाटशिला
खरसावां	बहरागोड़ा
ईचागढ़	चाईबासा
पूर्वी जमशेदपुर	चक्रधरपुर
प. जमशेदपुर	मनोहरपुर
जुगसलाई	जगन्नाथपुर
पोटका	मझगांव

इधर, झामुमो ने कोल्हान प्रमंडल में अपनी रणनीति पर काम शुरु कर दिया है. पार्टी ने सबसे पहले चंपाई सोरेन के स्थान पर रामदास सोरेन को मंत्री पद की शपथ दिलवायी. और अब मंत्री दीपक बिरूआ और रामदास सोरेन को कोल्हान का जिम्मा दिया गया है. दोनों ने मोर्चा संभाल लिया है. ना सिर्फ पार्टी पदाधिकारियों को सुरक्षित रखने पर काम चल रहा है, बल्कि चुनाव से पहले ही भाजपा को कोल्हान में तगड़ा झटका देने पर काम शुरु कर दिया है. इसे कोल्हान प्रमंडल के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की भी मदद ली जा रही है.

एक भी सीट नहीं मिली थी भाजपा को : वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को कोल्हान से एक भी सीट नहीं मिला था. यही कारण है कि भाजपा को राज्य में बड़ी पराजय का मुंह देखना पड़ा था. कोल्हान की 14 सीटों में से 13 सीटों पर झामुमो व कांग्रेस के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की थी. एक सीट पूर्वी जमशेदपुर पर सरयू राय निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में जीते थे. उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास को हराया था. भाजपा इसी स्थिति को बदलना चाहती है.

गोतनिया रे गोतनिया... सिंहाईन वर्सेज सिंहाईन और लाल बबुआ

संजय सिंह

चुनावी चकल्लस

अपने राज्य में कोयला नगरी की कथा-कहानी ही निराली है.यहां कोयले से खूब कमाई करते हैं धन व बाहुबल से मजबूत दंबग लोग. जब ढेरे कमाई कर लेते हैं, तो माफिया, डॉन भी कहाए लगते हैं. खूबे गौरवान्वित भी महसूस करते हैं. कमाई के लिए नेताजी लोग के भी सेट कईले रहते हैं. पहिले दबंग भाई लोग नेताजी लोगन के सेट करते थे, लेकिन फिर धीरे-धीरे खुदे नेतई करे लगते हैं. इहे कोयला नगरी में एगो हॉट सीट है. ई सीटवा को लेकर एके परिवार के लोग बंटत-बंटत दो देने हो गए. अब एगो शेर मेंशन हो गया, तो दूसरका कहे लगा असली रघु के कुल ऊहे लोग है. अब ईहे दुगो परिवार ई झारिया सीटवा पर ताकत देखाइले रहता है. ई सीटवा पर कब्जा जमाए लगी परिवारे के लोग एक-दूसरा पर भिड़ल रहते हैं. मारा-मारी करे में भी नहीं पिछुवाते हैं. पहिले ई सीटवा पर सासु मां का कब्जा हुआ. ऊ बेचारी के उम्र भईल, थाके लगली, तो पुतहू राजपाट संभाले ला अगुवाईली.लेकिन राग अलापेवाली पुतहू बेचैन बाड़ी कमल खिलावे ला. उनकर गोतनी पहिले ही ईहां से पंजा लड़ा देले बाड़ी. अब सीटवा ढेरे हॉट हो गईल बा... इहां के लोग गीत गइले हैं, गोतनिया रे गोतनिया. लोगों को खूब मजा भी आ रहिस है. कहे लगे हैं, इहीं सिंहाईन बनाम सिंहाईन का दंगल दिलचस्प होगा. अब देखिए न राजनीति अईसन लाइइलाज बेमारी है कि का कहा जाए. झरिया में जेने जाइए, लोग गोतनिया रे गोतनिया गाईले हैं. लोगों को खूबे मजा है. लोग कहे लगे हैं- लड्डु लड़े तो झिल्ली झडे.., हमलोगन को तो लड्डुए से मतलब है. इलाके में इन दिनों काफी दिलचस्प नजारा है. सिंहाईइन वर्सेज सिंहाईन की टक्कर में लोगों की चांदी है. कहीं कोई कार्यक्रम हो रहा है, एक गोतनी पहुंची, तो दूसरकी भी वहां पहुंच जा रही है. लोग गईले हैं, गोतनिया रे गोतनिया... सिंहाईन हो सिंहाईन. अब ई दुनु गोतनी के टक्कर होईए रहा है, तबले एगो लाल बाबू भी इहे सीटवा पर लार टपकाइले हैं. ई बाबू कोल के दुनों तरह के कारोबार करके लाले लाल हो गईल हैं. कई गो आउटसोर्सिंग कंपनियों चलाइले हैं. पहिले कंपनी के मजदूर लोगन को कीड़ां मकड़ो समझले रहते थे, अब ओकनियो के गोरपरिया कइले फिर रह रहे हैं. लाल बाबू जी भी गीत गईले पिर रहे हैं, माल है तो चाल है, वर्ना सब कंगाल है. ई लाल बाबू के किस्सा-कहाने ढेरे है. फिर लाल बाबू को कोइयो पार्टी भेंटा नहीं रहा है, तो थैली लेले घूम रहे हैं. जेने-तेने मुंह मारले हैं कि कहीं कोई पार्टिया में दाल गल जाए. इ लाल बाबू दुनु गोतनिया की लड़ाई के बीचे से निकले के फिराक में लगत हैं. जब झरिया में झार के न चल पाएंगे, तो धनबादे में जोर लगाएंगे. वइसे लालू बाबू भी ये घरी लोग बाग के लगे खूब जा रहल बाड़ें. इ साहिब चांस में लागल बाड़ें कि जहें दाल गल जाए, ओहिजे चांस ले लिहल जाए. फिलहाल कोयलांटल में गोतनिया रे गोतनिया के साथे-साथे लालबबुआ जी सुर्खियों में हैं. उनके लोग कते हैं कि दो सिंहाईन की टक्कर में सियारवनो के चांस लग जाए, तो फिर क्या कहना.

ब्रीफ खबरें

संजय सेठ करेंगे डिफेंस एक्सपो का उद्घाटन

रांची । राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में छह सितंबर से शुरू होने वाले रक्षा प्रदर्शनी डिफेंस एक्सपो–2024 का उद्घाटन सुबह 10 बजे रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे. 'नो योर आर्म्ड फोर्सेस' के थीम पर आयोजित इस रक्षा प्रदर्शनी में सुबह नौ बजे से रात्रि के नौ बजे तक "सशक्त सेना–समृद्ध भारत" के प्रदर्शनी में लोग तीनों सेनाओं के शौर्य एवं पराक्रम से रूबरू हो सकेंगे. साथ ही डिफेंस सेक्टर में हुई भारत के तरक्की को भी नजदीक से महसूस कर सकेंगे. इस दौरान राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी मौजूद रहेंगे.

सीएम से मिले मेजर जनरल परमवीर

रांची । विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की. उन्होंने मोरहाबादी में छह सितंबर से आयोजित होने वाले सशक्त सेना समृद्ध भारत महोत्सव के समापन समारोह के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया. तीन दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में नौसेना, थल सेना और वायु सेना की ओर से सैन्य सेवा से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे. सीएम से मिलने वालों में कर्नल सुनील राजदेव और कर्नल अनुज शर्मा भी शामिल हैं.

चार जिलों के एसपी को अतिरिक्त प्रभार

रांची। राज्य के अलग-अलग जिलों में पदस्थापित चार एसपी को अपने काम के अलावा अतिरिक्त कार्य का प्रभार दिया गया है. डीजीपी के निर्देश पर आईजी मानवाधिकार ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. जारी के आदेश में कहा गया है कि जैप और आईआरबी कमांडेंट का पद खाली होने की वजह से कार्यों के निष्पादन और वेतन के निकासी में परेशानी हो रही. इसे देखते हुए चार जिले के एसपी को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. साहेबगंज एसपी अमित कुमार को जैप- 9, लातेहार एसपी कुमार गौरव को आईआरबी- चार व जंगल वॉरफेयर स्कूल, गोड्डा एसपी अनिमेष नैथानी को आईआरबी- आठ और गिरिडीह एसपी को आईआरबी- 9 का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है.

चुनाव को लेकर भाजपा सात को करेगी मंथन

रांची । विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है. सात सितंबर को एक बार फिर से भाजपा के टॉप लीडर विधानसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन करेंगे. इस बैठक में बीजेपी के प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी और विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा भी शामिल होंगे. हिमंता दो दिनों तक झारखंड में ही रहेंगे. पिछले दिनों भाजपा की पहली चुनाव समिति की बैठक हुई थी. इस बार भाजपा ने घुसपैठ को अहम मुद्दा बनाया है. बैठक में प्रमंडलों में होने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा को लेकर भी चर्चा होगी.

चुनाव लड़ने के लिए 150 से अधिक कांग्रेस नेताओं ने किया आवेदन

कौशल आनंद । रांची

मुख्य बातें
- कई सीटों से पांच-पांच नाम आए.
- लोहरदगा सीट के लिए डा रामेश्वर उरांव, सांसद सुखदेव भगत के पुत्र अभिनव भगत और पूर्व मेयर रमा खलखो ने किया आवदेन.
- बड़कागांव से पिता योंगेद्र साव और बेटी अंबा प्रसाद दोनों किया आवेदन.
- रांची और हटिया सीट के लिए भी मारा-मारी.

किसी भी राजनीतिक दल में कार्यकर्ताओं का अंतिम लक्ष्य चुनाव लड़ना ही होता है. हर कोई चाहता है कि टिकट मिले और वह चुनाव जीत कर विधानसभा-लोकसभा में पहुंचे. लेकिन टिकट किसे मिलेगा, यह उस दल का नेतृत्व ही तय करता है. विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपने नेताओं से आवेदन मांगे थे. पता चला है कि झारखंड के 81 सीटों के लिए 150 से अधिक आवेदन पार्टी नेतृत्व को मिला है. आवेदनों को प्रदेश स्क्रीनिंग कमेटी के पास भेज दी गयी है. आवेदन करने वालों में मंत्री, पूर्व मंत्री, विधायक व कई जिला अध्यक्ष समेत अन्य नेता शामिल हैं.

लोहरदगा और बड़कागांव : प्रदेश कांग्रेस के एक सूत्र ने बताया कि कई हॉट सीट हैं, जिनके लिए कई बड़े चेहरों ने आवेदन किया है. कई कार्यकर्ता भी हैं. दो सीट की चर्चा खूब हो रही है. लोहरदगा सीट से मौजूदा विधायक व वित्त मंत्री डा रामेश्वर उरांव के अलावा सांसद सुखदेव भगत के पुत्र अभिनव भगत ने आवेदन किया है. रांची की पूर्व मेयर रमा खलखो ने भी इस सीट के लिए आवेदन किया है. गौर करने वाली बात यह है कि लोहरदगा में डा रामेश्वर उरांव और सुखदेव भगत के बीच हमेश तनातनी रहती है. अब ऐसे में पार्टी लोहरदगा में किसे खुश करेगी और किसे नाराज यह देखना दिलचस्प होगा. बड़कागांव से सीटिंग विधायक अंबा प्रसाद के साथ-साथ उनके पिता और पूर्व मंत्री योंगेद्र साव ने भी आवेदन किया है. योगेंद्र साव के जेल चले जाने के बाद उनकी पुत्री अंबा प्रसाद को पार्टी ने टिकट दिया था. इस तरह इस सीट का भी मामला दिलचस्प हो जाता है.

रांची, हटिया, कांके और सिल्ली से 12-12 दावेदार : रांची की चार अहम सीटें रांची, हटिया, कांके और सिल्ली से 12-12 दावेदार सामने आए हैं. रांची सीट से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश सिन्हा सन्नी, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा और प्रोफेशन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य जायसवाल ने आवेदन किया है. वहीं हटिया सीट से प्रदेश महासचिव अजय नाथ शाहदेव, विनय सिन्हा दीपू, अमरेंद्र सिंह और हुसैन अहमद ने आवेदन दिया है. कांके सीट से पूर्व प्रत्याशी रहे सुरेश बैठा के अतिरिक्त चंदन बैठा और केदार पासवान ने आवेदन किया है. सिल्ली विधानसभा सीट की बात करें तो रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष राकेश किरण महतो और निशिकांत गझू ने आवेदन किया है. उल्लेखनीय है कि रांची सीट पर झामुमो की दावेदारी रही है. 2019 में महुआ माजी चुनाव मैदान में थी. वर्तमान में वह राज्यसभा सांसद हैं.

खिजरी सीट से पांच आवेदन : खिजरी विधानसभा से पांच लोगों ने आवेदन किया है. जिसमें सीटिंग विधायक राजेश कच्छप के अलावे पूर्व विधायक स्व. सावना लकड़ा की पत्नी सीता लकड़ा और नाती विपिन लकड़ा के अलावा अमूल्य नीरज खलखो, सतीश पॉल मुंजीनी का नाम शामिल है.

गठबंधन के तहत 33 सीट पर है दावेदारी : पार्टी ने भले ही सभी विधानसभा सीटों के लिए आवेदन मांगा था, लेकिन पार्टी गठबंधन के तहत ही 33 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. पिछली दफा कांग्रेस 31 सीट पर चुनाव लड़ी थी, इस बार पार्टी की दावेदारी 33 सीट की है. जिसमें पौड़याहाट विधायक प्रदीप यादव और मांडू विधानसभा से विधायक रहे जेपी पटेल के लिए एक-एक सीट बढ़ी है. प्रदीप यादव 2019 का चुनाव झाविमो और जेपी पटेल भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़े थे.

अगले सप्ताह जारी हो सकती है बिजली बिल माफी का आदेश

- कैबिनेट के निर्णय के बाद जेबीवीएनएल संकल्प तैयारी करने में जुटी.
- इसी महीने से लागू हो जायेगा माफी स्कीम.

विशेष संवाददाता. रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के लोगों को बड़ी राहत देने की घोषणा की थी. जिसके बाद 29 अगस्त को हेमंत सोरेन सरकार के कैबिनेट ने बिल माफी स्कीम का फैसला लिया था. उस फैसले के आधार पर झारखंड बिजली वितरण निगम (जेबीवीएनएल) ने आदेश निकालने की तैयारी शुरु कर दी है. कैबिनेट के निर्णय के बाद संकल्प जारी करने को लेकर काम चल रहा है. जेबीवीएनएल के एक अधिकारी ने बताया कि विभाग अगले सप्ताह तक संकल्प जारी कर देगा. सरकार चाहती है कि सितंबर माह में ही बिल माफी योजना धरातल पर उतर जाए. इसके लिए उर्जा विभाग को एक संकल्प जारी करना होगा. संकल्प जारी होते हुए सर्किल और डिविजन स्तर पर माफी की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी.

39 लाख से अधिक कंज्यूमरों को होगा फायदा : जेबीवीएनएल के अनुसार इस योजना का लाभ वैसे उपभोक्ताओं को मिलेगा जो 200 यूनिट तक बिजली का इस्तेमाल कर रहे थे. ऐसे उपभोक्ताओं का पुराना बिजली बिल माफ कर दिया जाएगा. इससे जेबीवीएनएल को 3,584 करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा. राज्य सरकार यह राशि जेबीवीएनएल को देगी.

पतरातू लेक रिजॉर्ट में एडवेंचर फेस्टिवल का आयोजन कल से

शुभम किशोर । रांची

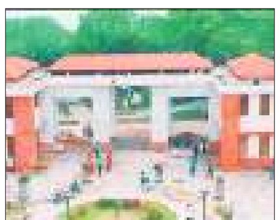

झारखंड टूरिज्म द्वारा पतरातू लेक रिजॉर्ट में एडवेंचर फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है. सात से नौ सितंबर तक आयोजित इस फेस्टिवल में इंट्री फ्री रहेगा. इस फेस्टिवल में कई प्रकार के वाटर बेस्ड एक्टिविटी और लैंड बेस्ड एक्टिविटी का आयोजन किया जा रहा है. इन एक्टिविटीज के लिए लोगों को नॉमिनल चार्ज देना होगा.

वाटर बेस्ड एक्टिविटी : एडवेंचर फेस्टिवल में बनाना राइड, वेक बोटिंग, रिंगो राइड्स, डिस्को राइड्स, हाई स्पीड बोट, वाटर रोलर और कायक्स शामिल किया गया है. वहीं लैंड बेस्ड एक्टिविटी में ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, जिप लाइनिंग, डुओ साइक्लिंग शामिल है.

किस राइड के लिए कितना टिकट रेट : एडवेंचर फेस्टिवल अलग-अलग राइड के लिए टिकट का रेट अलग-अलग रखा गया है. 30 रुपए से लेकर 300 रुपए तक के टिकट हैं.

एक्टिविटी	रेट प्रति व्यक्ति
बनाना राइड	100
वेक बोटिंग	300
रिंगो राइड	300
डिस्को राइड	100
कायाक	70
वाटर रोलर	70
हाई स्पीड बोट	100
सेल बोट	70
माउंटेन बाइकिंग	30
जिप लाइनिंग	100
डूओ साइक्लिंग	70

वहीं कॉम्बो ऑफर भी रखे गए है. जिसमें 500 से लेकर 1000 रुपये तक खर्च करने होंगे.

रांची स्टेशन से 13.5 किलो गांजा के साथ युवक पकड़ाया

रांची। रेलवे पुलिस फोर्स (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से गांजा के साथ युवक को पकड़ा है. युवक गांजा की खेप बिहार लेकर जा रहा था. जानकारी के अनुसार, ऑपरेशन नार्कोस के तहत आरपीएफ पोस्ट रांची के लगेज स्कैनर्स मशीन के पास आरपीएफ महिला स्टाफ प्रतिमा कुमारी और आरती बारला ने एक व्यक्ति के पास संदिग्ध सामान देखा. महिला कर्मियों ने इसकी जानकारी पोस्ट प्रभारी डी शर्मा को दी. सूचना पाकर पोस्ट प्रभारी डी शर्मा, उपनिरीक्षक सूरज पांडे और सोहन लाल वहां पहुंचे और उस व्यक्ति से पूछताछ की. पूछताछ में उसने अपना नाम विक्की कुमार बताया. उसने बताया कि वह बिहार के नालंदा का रहने वाला है. बताया कि ट्रॉली बैग में गांजा है. सूचना पाकर सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह वहां पहुंचे. इसके बाद उस ट्रॉली बैग की जांच की गयी. जांच करने पर बैग से 13.5 किलो गांजा बरामद हुआ.

हाईकोर्ट की खबरें

राजस्व विभाग नहीं कर रहा सीआई का प्रमोशन, कल होगी सुनवाई

विधि संवाददाता । रांची

राजस्व विभाग सीआई (सर्कल इंस्पेक्टर) का सीओ (सर्कल ऑफिसर) पद पर प्रमोशन नहीं कर रहा है. इसे लेकर हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी. गौरतलब है कि राजस्व विभाग की ओर से बीते 13 मार्च को करीब 64 सीआई को प्रोन्नति दी गई थी. सभी 64 सीआई को सीओ के पद पर प्रोन्नति मिली थी, लेकिन इनमें से कुछ जो आहर्ता पूरी करते थे, उन्हें विभाग ने प्रमोशन नहीं दिया. उन्हीं में से एक हैं सत्यम भारद्वाज. सत्यम भारद्वाज फिलहाल धनबाद जिले के गोविंदपुर अंचल में बतौर सीआई पोस्टेड हैं. सत्यम भारद्वाज की वरीयता क्रमांक 907 है. विभाग की तरफ से प्रमोशन देते वक्त 910 वरीयता क्रमांक वाले सीआई को प्रोमोट कर दिया गया, जबकि 907 वरीयता क्रमांक वाले सत्यम भारद्वाज को प्रमोशन नहीं दिया गया. ऐसा होने के बाद सीआई सत्यम भारद्वाज को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

जेएससीसी से नाराजगी, अध्यक्ष को अवमानना का नोटिस जारी

विधि संवाददाता । रांची

शिक्षक नियुक्ति को लेकर मीना कुमारी एवं अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने जेएससीसी की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई है. गुरुवार को हाईकोर्ट ने जेएससीसी के अध्यक्ष के ऊपर अवमानना का नोटिस जारी करते हुए कोर्ट के समक्ष सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है. अदालत ने जेएसएसी के अध्यक्ष से यह पूछा है कि पिछले आदेश का अनुपालन क्यों नहीं किया गया और क्यों नहीं उनके ऊपर अवमानना की कार्रवाई शुरू न की जाए? दरअसल, पिछली सुनवाई में जेएसएससी ने वर्ष 2016 में हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन का राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी किए जाने की बात कही थी. लेकिन अदालत के आदेश के मुताबिक, ऐसा नहीं किया गया. जिसपर अदालत ने नाराजगी जताई है. मीना कुमारी एवं अन्य की ओर से हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा.

पंकज चौधरी की दावेदारी पर चार सप्ताह में फैसला लें निबंधक महानिरीक्षक

गढ़वा जिला क्रिकेट संघ

रांची। गढ़वा जिला क्रिकेट संघ (जीडीसीए) और उसके सचिव पंकज चौधरी की दावेदारी को लेकर गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. हाईकोर्ट ने राज्य के निबंधन महानिरीक्षक को चार सप्ताह के अंदर निर्णय लेने का आदेश दिया है. हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी के कोर्ट ने फैसला सुनाया. कोर्ट ने कहा कि यदि तय समय पर निबंधक महानिरीक्षक ने इस मामले पर फैसला नहीं लिया गया, तो याचिकाकर्ता न्यायालय में अपील करने को स्वतंत्र हैं. जानकारी के मुताबिक चार दिसंबर 2021 को झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के तत्कालीन सचिव व वर्तमान अध्यक्ष संजय सहाय ने दो लाइन का पत्र लिखकर निर्वाचित सचिव पंकज चौधरी को कार्य करने से मना कर दिया था. उसके बाद उन्होंने राघवेंद्र प्रताप सिंह नाम के व्यक्ति को सचिव मनोनीत कर दिया गया, जो न तो गढ़वा जिला क्रिकेट संघ के सदस्य हैं और न ही पूर्व कमेटी के निर्वाचित पदाधिकारी. मनोनीत सचिव राघवेंद्र प्रताप सिंह ने पूरी गढ़वा जिला क्रिकेट संघ की निर्वाचित कमेटी के अन्य पदाधिकारियों को हटाकर उनकी जगह अपने पसंदीदा लोगों को पदाधिकारी मनोनीत कर दिया. जिला क्रिकेट संघ का पुराना बैंक अकाउंट एड्रेस बदलकर अपने घर का पता बैंक में दर्ज करा दिया. झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्कालीन पदाधिकारी ने अपने एनुअल रिपोर्ट में गढ़वा जिला क्रिकेट संघ के सचिव के रूप में राघवेंद्र प्रताप सिंह का नाम प्रिंट कर दिया. इतना ही नहीं जिला संघ की सब्सिडी उसी बैंक अकाउंट में भेजी जा रही है, जिसका संचालन राघवेंद्र प्रताप सिंह व अन्य द्वारा किया जा रहा है.

नगर निकाय राज्य के रिकॉर्ड तीन लाख ट्रेड लाइसेंस की दी स्वीकृति

3.09 लाख ट्रेड लाइसेंस जारी, 16772 पेंडिंग, 61 रिजेक्ट

प्रमुख संवाददाता । रांची

राज्य के 49 नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों ने रिकॉर्ड तीन लाख नौ हजार 88 ट्रेड लाइसेंस की स्वीकृति दी है. ट्रेड लाइसेंस के लिए तीन लाख 29 हजार 367 आवेदन आए थे. इसमें से 61 आवेदनों को रिजेक्ट कर दिया गया. वर्तमान में 16,772 आवेदन पेंडिंग हैं. ट्रेड लाइसेंस देने से 14 करोड़ 10 लाख रुपए राजस्व प्राप्त हुआ है. इस दौरान 1,414 लोगों अपना ट्रेड लाइसेंस सरेंडर भी किए हैं.

जमशेदपुर में सबसे अधिक: जमशेदपुर में सबसे अधिक ट्रेड लाइसेंस के लिए 63,834 आवेदन आए. इसमें से 63,190 आवेदनों की स्वीकृति दी गई. देवघर नगर निगम में 25,433, गिरिडीह नगर निगम में 12,433, हजारीबाग नगर निगम में 21,501, मेदिनीनगर नगर निगम में 10,337, आदित्यपुर नगर निगम में 10,842 और साहेबगंज नगर परिषद में 11,525 आवेदनों को स्वीकृति दी.

कहां कितने ट्रेड लाइसेंस

निकाय का नाम	आवेदन	स्वीकृति	निकाय का नाम	आवेदन	स्वीकृति	निकाय का नाम	आवेदन	स्वीकृति
आदित्यपुर न. नि.	10,968	10,842	दुमका न. प.	3955	3905	लोहरदगा न. पं	6,918	6,522
बरहरवा न. पं	2,769	2,654	गढ़वा न. प.	8,127	8,076	मधुपुर न. प.	7,952	6,837
बरकी सराय न. पं	1,590	1,485	गिरिडीह न. नि.	16,427	12,433	महगामा न. पं	1,236	1,019
बासुकीनाथ न. पं	2,585	2,022	गोड्डा न. प.	3,366	3,251	मानगो न. नि.	11,671	11,429
विश्रामपुर न. प.	1969	1857	गोमिया न. प.	07	01	मझिआंव न. पं	1,676	1,565
बुंडू न. पं	4,430	4,386	गुमला न. प.	4,501	4,383	मेदिनीन. न. नि.	10,417	10,337
चाईबासा न. प.	5,606	5,575	हजारीबाग न. पं.	616	611	मिहिजाम न. प.	4,745	4,579
चक्रधरपुर न. प.	7,906	7,844	हजारीबाग न. नि.	24,425	21,501	नगरउंटारी न. पं	4,300	4,239
चाकुलिया न. पं	1,522	1,412	हुसैनाबाद न. पं	3,290	3,132	पाकुड़ न. प.	4,424	4,305
चास न. नि.	9,697	7,141	जमशेपुर	63,834	63,190	फुसरो न. प.	3,457	3,168
चतरा न. प.	2,634	2,142	जामताड़ा न. पं	5,686	5,630	राजमहल न. पं	2,977	2,839
छत्तरपुर न. पं	821	275	झुमरीतिलैया न. प.	4,016	3,702	रामगढ़ न. प.	3,244	3,183
चिरकुंडा न. पं	3,711	3,563	जुगसलाई न. प.	8,470	8,377	साहेबगंज न. प.	11,657	11,525
देवघर न. नि.	27,115	25,433	कपाली न. प.	1,421	836	सरायकेला न. पं.	3,078	3,065
धनवार न. पं	2,094	2,015	खूंटी न. पं.	8,028	7,273	सिमडेगा न. प.	4,057	3,972
डोमचांच न. पं.	2,213	2,080	कोडरमा न. पं	1,186	959	धनबाद न. नि.	45,721	39,987

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 31.4⁰ अधिकतम | 23.8⁰ न्यूनतम

रांची, शुक्रवार 06 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 149 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हरतालिका तीज व्रत आज

पति के दीर्घायु होने की कामनाएं करेंगी सुहागिनें

रांची। शुक्रवार को हरतालिका तीज व्रत कर महिलाएं पति के दीर्घायु होने की कामना करेंगी. घरों में तो शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की ही जाएगी. मंदिरों में भी इसका सामूहिक आयोजन होगा. उदीयमान तिथि में तृतीया मिलने से दिनभर इसका मान रहेगा. माना जाता है कि नेम-निष्ठा से निर्जला रह कर तीज व्रत धारण करने वाली महिलाओं का सौभाग्य हमेशा बना रहता है, घर में खुशहाली और शांति के साथ सुख-समृद्धि आती है. इसी भाव से सुहागिनें इस व्रत को करके भक्ति में रमी रहती हैं. सपनों के राजकुमार की चाह में कुंवारी कन्याएं भी व्रत रखती हैं. बुधवार को स्नान-ध्यान कर व्रतियों ने संकल्प लिया. दिन भर साज-श्रृंगार और पूजन-सामग्री की खरीदारी में व्यस्त रहीं. आधी रात के बाद शुद्ध और सात्विक भोजन-पानी ग्रहण किया. साथ ही निर्जला उपवास प्रारंभ हो गया, अब छह सितंबर को 16 श्रृंगार कर श्रद्धाभाव से पूजा-अर्चना कर अखंड सौभाग्य का वर भगवान शिव और माता पार्वती से मांगेंगी. दिनभर घरो में पुआ, पाकवान और ठेकुआं आदि बनाया जाएगा. शनिवार को सुबह व्रतधारी बड़े-बुर्जुगों का आशीर्वाद लेंगी, पति के हाथो जल और प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण करेंगी.

अपर बाजार स्थित रंगरेज गली में तीज को लेकर हाथों में मेहंदी लगवातीं महिलाएं. -फोटो : रमीज

रांची के सरकारी भवनों का निगम पर 35 करोड़ रुपए होल्डिंग टैक्स बकाया

खेलगांव स्टेडियम का टैक्स बकाया 10 करोड़ पार

शुभम किशोर। रांची

नगर निगम मूलभूत सुविधाओं सड़क, नाली, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट को लेकर शहर के हर घर से होल्डिंग टैक्स वसूलता है. आम लोग अगर होल्डिंग टैक्स का भुगतान नहीं करते हैं तो उनपर फाइन के साथ संपत्ति जब्त कि कानूनी कार्रवाई की जाती है. लेकिन अगर सरकारी भवन ही होल्डिंग टैक्स जमा नहीं करे, तो नोटिस देकर निगम भूल जाता है. रांची नगर निगम के लगभग 22 सरकारी डिपार्टमेंट पर 35 करोड़ से अधिक का होल्डिंग टैक्स बकाया है.

किस डिपार्टमेंट में कितना बकाया

- डिपार्टमेंट ऑफ टूरिज्म, आर्ट्स, कल्चर स्पोर्ट्स – 11 करोड़
- डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर – 6 करोड़
- डिपार्टमेंट ऑफ स्कूल एजुकेशन – 2 .5 करोड़
- डिपार्टमेंट ऑफ बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन – 3 करोड़
- डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू – 2 करोड़
- डिपाटमेंट ऑफ हेल्थ – 1.5 करोड़

जानकारी के अनुसार ये बकाया पिछले तीन से चार साल का है. ये सभी सरकार के ऑपरेशनल भवन हैं जिनमें स्टेडियम, समहरणालय, अंचल कार्यालय, रजिस्ट्री ऑफिस शामिल है. बता दें कि रांची नगर निगम ने जून महीने में होल्डिंग टैक्स के भुगतान पर 10 फीसदी की छूट दी थी. इस दौरान निगम ने आम लोगों से लगभग 32 करोड़ रुपए होल्डिंग टैक्स के रूप में वसूले थे.

खेलगांव स्टेडियम का टैक्स बकाया 10 करोड़ पार : रांची के खेलगांव स्थित मेगा स्पोटर्स कॉम्प्लेक्स का 10 करोड़ से अधिक का होल्डिंग टैक्स बकाया है. 235 एकड़ में फैले मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तीन इंडोर समेत नौ स्टेडियम है. यहां सीसीएल और झारखंड राज्य सरकार की संयुक्त पहल पर झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसाइटी चलाया जाता है. साथ ही कई तरह कर सरकारी और गैर सरकारी कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है.

ब्रीफ खबरें

त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों से कुछ लाभुक रह गये वंचित

रांची। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में कुछ लाभार्थियों के बैंक खाते एवं आईएफएससी कोड की त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों के कारण माह अगस्त की राशि का भुगतान नहीं हो पाया है.

महिला,बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने बताया कि माह अगस्त में स्वीकृत सभी लाभार्थियों के खाते में सम्मान राशि भेजी गई थी ,लेकिन ज्ञात हुआ है कि कुछ लाभार्थियों को यह राशि प्राप्त नहीं हुई है, मामले की सघन जांच के बाद यह प्रकाश में आया है कि बैंक खाते एवं आईएफएससी कोड की त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों के कारण भुगतान नहीं हो पाया. विभाग ने बताया कि वैसे लाभार्थियों की सूची ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित बीडीओ तथा शहरी क्षेत्रों में सीओ को उपलब्ध कराते हुए उनके कार्यालय में संधारित बैंक खाता संबंधी कागज़ात के आधार पर प्रविष्टि शुद्ध करने का निर्देश दिया गया है. इनके द्वारा बैंक खाता संबंधी विवरणी को योजना के पोर्टल पर शीघ्र अद्यतन कर दिया जाएगा.

पुलिस का जन शिकायत समाधान कार्यक्रम 10 से

रांची। झारखंड पुलिस राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन करेगी. डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरुआत 10 सितंबर से होगी. जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दे पर आम जनता की समस्या सुनी जाएगी और उनकी मदद की जाएगी. कार्रवाई योग्य शिकायत पर त्वरित निदान करना और पुलिस द्वारा बनाये जा रहे सर्वोत्तम पद्धतियों को प्रदर्शित करना इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है. साथ ही नागरिकों की समस्या को समझते हुए पुलिस व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करना भी कार्यक्रम का उद्देश्य है.

बंग्लादेशी घुसपैठ मामला: हाईकोर्ट ने छह जिलों के डीसी की रिपोर्ट पर जताई हैरानी, चेताया

अगर घुसपैठ मिली, तो चलेगा अवमानना का केस

केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल ने दी दलीलें

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने संथाल परगना में बांग्लादेशियों की घुसपैठ के मामले में दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को एक बार फिर सुनवाई की. केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने कहा कि संथाल परगना में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की स्थिति अलार्मिंग है. इसकी वजह से इलाके की डेमोग्राफी प्रभावित हो रही है. आदिवासी आबादी के प्रतिशत में गिरावट भी गंभीर विषय है. घुसपैठिए झारखंड के रास्ते देश के अन्य राज्यों में घुस कर वहां की आबादी को प्रभावित कर सकते हैं. केंद्र सरकार इस मामले में अपने सभी स्टेकहोल्डर आईबी, बीएसएफ आदि से विचार-विमर्श के बाद कोर्ट में जल्द ही एक कंप्रिहेंसिव जवाब दाखिल करेगी. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की खंडपीठ ने इस आग्रह को स्वीकार करते हुए इस मामले की अगली सुनवाई 12 सितंबर तय की है.

सुनवाई के दौरान अदालत ने संथाल के छह जिलों के उपायुक्त की रिपोर्ट पर हैरानी जतायी, जिसमें उन्होंने घुसपैठ की बात से इनकार किया है. अदालत ने सभी डीसी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर एक भी घुसपैठ पाई गई, तो संबंधित जिले के डीसी पर अवमानना का केस चलेगा. पिछली तारीख को सुनवाई के दौरान संथाल परगना प्रमंडल के छह जिलों के डीसी ने अपने जवाब में कहा था कि गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ जिला में घुसपैठ नहीं हुई है. जबकि केंद्र सरकार ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था.

जनहित याचिका पर हो रही सुनवाई

हाईकोर्ट में यह जनहित याचिका जमशेदपुर निवासी दानियल दानिश ने दायर की है. इसमें कहा गया है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं. इससे इन जिलों में जनसंख्या में कुप्रभाव पड़ रहा है. इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसे स्थापित किए जा रहे हैं. स्थानीय आदिवासियों के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है. उनके अधिवक्ता ने राष्ट्रीय जनगणना के हवाले से हाईकोर्ट के समक्ष जो डाटा पेश किया है, उसके मुताबिक साल 1951 में संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी आबादी 44 .67 प्रतिशत से घट कर साल 2011 में 28 .11 प्रतिशत हो गई है. इसके पीछे की एक बड़ी वजह बांग्लादेशी घुसपैठ है. अगर इस सिलसिले पर रोक नहीं लगाई गई, तो स्थिति गंभीर हो जाएगी.

अब इस मामले में अगली सुनवाई 12 को

वर्चुअल मोड में जुड़े सॉलिसिटर जनरल

गुरुवार को कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता वर्चुअल मोड में जुड़े. उन्होंने कोर्ट से आग्रह किया कि इस मामले में आईबी को प्रतिवादी की सूची से हटाया जाए, क्योंकि उसके पास कई गोपनीय सूचनाएं होती हैं, जिन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा सकता. इस पर कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से आवेदन दाखिल करने को कहा. कोर्ट ने इस याचिका पर 22 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार, इंटेलिजेंस ब्यूरो, यूआईएडीएआई और बीएसएफ की ओर से जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई थी. पूर्व की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को आदेश दिया गया था कि घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित कराने में स्पेशल ब्रांच की मदद लेकर कार्रवाई करें. संथाल परगना प्रमंडल के सभी छह जिलों के उपायुक्तों को भी आदेश दिया गया था कि लैंड रिकॉर्ड से मिलान किए बिना आधार, राशन, वोटर और बीपीएल कार्ड जारी नहीं करें. कोर्ट ने यह भी कहा था कि जिन दस्तावेजों के आधार पर राशन, वोटर या आधार कार्ड बनाए गए हैं, वो जायज ही हों, ये नहीं कहा जा सकता. इसकी वजह से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में भी हकमारी हो रही है.

आदिवासियों ने दिउड़ी मंदिर में लगाया ताला, मचा बवाल

दिउड़ी मंदिर में जड़ा गया ताला, जिसे बाद में प्रशासन ने तोड़वाया.

संवाददाता। बुंडू (रांची)

आदिवासी समुदाय का कहना है- दिउड़ी मंदिर नहीं बल्कि दिवड़ी दिरी है, एसडीएम ने तोड़वाया ताला, तब शुरू हुई पूजा, घंटों बंद रहा मंदिर, भारी तनाव

तमाड़ स्थित दिउड़ी मंदिर में गुरुवार सुबह आदिवासी समूह ने मुख्यद्वार पर ताला लगा दिया.एसडीएम की मौजूदगी में ताला तोड़ा गया. आदिवासी समूह का कहना है कि यह दिउड़ी मंदिर नहीं, बल्कि दिवड़ी दिरी है. लोगों का कहना है कि मंदिर पर सरकारी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए. मंदिर पहले की तरह बिना हस्तक्षेप के चलना चाहिए.

बता दें कि मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 8 करोड़ का काम होना था. लेकिन इसे रोक दिया गया है. दिउड़ी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बुंडू एसडीओ हैं. बताया गया कि दिउड़ी मंदिर में गुरुवार को मंदिर के बाहर के दुकानों और मुख्य मंदिर में ताला जड़ा था. जिससे पुजारी और पाहन बाहर रह गए और मंदिर में पूजा नहीं हुई. इस घटना के बाद वहां का माहौल तनाव भरा हो गया. ताला लगाने की घटना के छह घंटे के बाद पंडा, बजरंग दल, आरएसएस व भगवा सेना और प्रशासन के लोगों ने मंदिर पहुंचकर ताला को तोड़ा और दोबारा पूजा शरू हुई. बुंडू एसडीओ ने कहा कि असामजिक तत्वों के द्वारा मंदिर में ताला जड़ दिया गया था. प्रशासन ने ताला तोड़ दिया और माहौल बिगाड़ने की साजिश नाकाम कर दी. इसके बाद वहां के ग्रामीणों और पांडा के साथ बातचीत हुई. एसडीओ ने बताया, असामजिक तत्वों की पहचान कर ली गई है, उनपर कार्रवाई की जाएगी. इस मामले पर रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि मामले को लेकर प्रशासन जांच कर रहा है. इसपर नियम संगत कार्रवाई की जाएगी.

आज बंद रहेंगे सभी प्रारंभिक सरकारी विद्यालय, आदेश जारी

संवाददाता। रांची

सभी प्रारंभिक विद्यालय (सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त व अल्पसंख्यक) शुक्रवार को बंद रहेंगे. इसका आदेश रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक ने गुरुवार को जारी कर दिया है. इसकी जानकारी संबंधितों को भी दे दी गयी है. जारी आदेश में कहा गया है कि झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक के 27 फरवरी, 2024 के पत्र के आलोक में राज्य के सभी प्रारंभिक विद्यालयों (सरकारी एवं गैर सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक सहित) के लिए वर्ष 2024 के लिए एक सामान वार्षिक अवकाश तालिका का प्रेषण किया गया है.

टीपीसी के चार उग्रवादी गिरफ्तार

- **चतरा, हजारीबाग, लातेहार और रांची में धमकी देकर वसूलते थे मोटी रकम**

रांची। चतरा, हजारीबाग, लातेहार और रांची के कोयला कारोबारी और ठेकेदार को धमकी देकर लेवी वसूलने वाले टीपीसी के चार उग्रवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. इनके पास से हथियार भी बरामद हुए हैं. एसपी के निर्देश पर पिपरवार थानेदार ने एटीएस की टीम के साथ मिलकर यह कार्रवाई की है. जो उग्रवादी गिरफ्तार हुए, उनमें अमन लकड़ा, सुमित, शंकर व आर्यन भोक्ता शामिल हैं. टंडवा डीएसपी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी. बताया कि एटीएस से सूचना मिली थी कि टीपीसी कमांडर अभिषेक और सब जोनल कमांडर ऋषिकेश के साथ 8-10 लोग क्षेत्र में किसी बड़ी घटना अंजाम देने की फिराक में हैं. इसको लेकर वो पिपरवार स्थित बन्हें गांव के जंगलों में बैठक करने वाले हैं. इसके बाद डीएसपी के नेतृत्व में एटीएस और पुलिस की टीम का गठन किया गया. इस दौरान पुलिस ने टीपीसी संगठन के 4 को पकड़ लिया. अभिषेक और ऋषिकेश के नाम से टीपीसी के सदस्य टंडवा-पिपरवार के अलावा हजारीबाग के केरेडारी व बडकागांव, बालूमाथ, चंदवा व अरियातु, खलारी व बुडमू में ठेकेदारों, ट्रांसपोटर्स को डराकर लेवी के रूप में मोटी रकम की वसूलते थे.

माओवादी-उग्रवादी संगठनों में 15 जिलों के इनामी नक्सली सक्रिय

सौरभ सिंह ।रांची

- लातेहार–गिरिडीह के सबसे अधिक

झारखंड में सक्रिय माओवादी और उग्रवादी संगठनों में जो सक्रिय इनामी नक्सली हैं, वो झारखंड के 15 जिलों के रहने वाले हैं. इनमें सबसे अधिक लातेहार के 15 और गिरिडीह के 10 इनामी नक्सली हैं. गौरतलब है कि झारखंड में दो साल में इनामी नक्सलियों की संख्या 170 से घटकर 70 रह गयी है. पुलिस की लगातार कार्रवाई से नक्सलियों की संख्या और उनकी क्षमता घटती जा रही है. इसका प्रमाण इनामी नक्सलियों की घटती संख्या है. वर्ष 2021 तक झारखंड पुलिस की सूची में 170 इनामी नक्सली थे, जो दो साल आठ महीने में घटकर महज 70 रह गये.

किस जिले के कौन-कौन नक्सली

- **लातेहार** – राजू यादव, गुलशन उरांव, विरेंद्र गंझू, जितेंद्र सिंह, अकेला, शिव सिंह, शिवराज, प्रभात, लवलेश गंझू, कुंदन खेरवार, पप्पू शर्मा, मृत्युंजय, रविंद्र गंझू, छोटू खेरवार व मनोहर गंझू.
- **गिरिडीह** – मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, चमन, रघुनाथ हेंब्रम, अजय महतो, संजय महतो, रामदयाल महतो, साहेबराम मांझी, लक्ष्मण राय व अमोद मोदक.
- **चाईबासा** – साधु चरण, सुलेमान हांसदा, राहुल चंपिया, सागेन अंगरिया, सालुका कायम व सामएल बूढ़.
- **चतरा** – सहेंद्र यादव, करीम, आक्रमण गंझू और ब्रजेश गंझू.
- **लोहरदगा** – फिरोज अंसारी और अनिल तुरी.
- **बोकारो** – लालचंद्र हेंब्रम, कुंवर मांझी और रणविजय महतो.
- **धनबाद** – प्रयाग मांझी और मोछू.
- **जमशेदपुर** – रामप्रदास मारडी
- **गुमला** – पांचा उरांव, बलराम लोहरा, रंथू उरांव और मार्टिन केरकेट्टा.
- **गढ़वा** – राजू भुइया, पंकज कोरवा
- **रांची** – कृष्णा यादव, जयंती, गुलशन मुंडा, अमित मुंडा.
- **हजारीबाग** – सहदेव सोरेन, बिरसेन गंझू, सहदेव महतो.
- **सरायकेला** – बिरेन सिंह.
- **खूंटी** – प्रभात मुंडा.
- **पलामू** – आरिफ, गोदराय यादव, रविंद्र यादव.

राजनीति में आने से पहले मैं भी शिक्षक थी: कल्पना

स्कूल के गलियारों और कक्षाओं में बिताए पल आज भी मेरे जेहन में

प्रमुख संवाददाता। रांची

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने तमाम शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकानमाएं दी. उन्होंने कहा है कि यह दिन मेरे लिए बेहद खास है. इसकी वजह बताते हुए कल्पना सोरेन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि राजनीति में आने से पहले मैं भी एक शिक्षक थी, मेरे विद्यार्थियों के साथ हमेशा से मेरा गहरा जुड़ाव था. उन्होंने इसकी फोटो भी पोस्ट की है. कहा है कि स्कूल के गलियारों और कक्षाओं में बिताए पल आज भी मेरी यादों में बसे हुए हैं.

एक घटना ने मुझे राजनीति में आने को कर दिया मजबूर

एक घटना ने मेरे जीवन की दिशा ही बदल दी : कल्पना ने लिखा है कि मेरे जीवन का अधिकांश समय स्कूल में बच्चों के बीच बीतता था, लेकिन एक दिन ऐसा आया जिसने मेरे जीवन की दिशा ही बदल दी. भाजपा ने साज़िश रच कर मेरे पति हेमंत जी, को जेल में डाल दिया. मैं अपने काम से बेहद संतुष्ट थी, पर उस दिन की घटना ने मुझे राजनीति में आने के लिए मजबूर कर दिया. तभी से अन्याय के ख़िलाफ़ मेरी लड़ाई शुरू हो गई.

आज मेरा मन उसी कक्षा में पहुंच गया

कल्पना ने आगे लिखा है कि सार्वजनिक जीवन में व्यस्त रहते हुए, मैंने भले ही अपने शिक्षक वाले जीवन से दूरी बना ली हो, लेकिन शिक्षक दिवस पर जब मेरे पुराने विद्यार्थियों के संदेश और कॉल आए, तो मेरा मन फिर उसी कक्षा में पहुंच गया. उनके प्यार और सम्मान के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी. मैं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं और यह वादा करती हूं कि जल्द ही हम शिक्षक दिवस पर फिर से किसी कक्षा में मिलेंगे.

सीएम हेमंत ने अपने पिता को बताया पहला गुरु

शिक्षक दिवस की दी शुभकामनाएं, कहा

शिक्षकों ने हमारे समाज को दिया है आकार

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने तमाम शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट में लिखा है कि मेरे पिता ही मेरे पहले गुरु हैं. दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को मेरा प्रमाण. आगे लिखा है कि शिबू सोरेन ने मुझे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण सबक सिखाए. वह महत्वपूर्ण सबक है, लोगों की सेवा करना और हमेशा सत्य के लिए खड़े रहना. आज के दिन मैं उनके और सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने हमारे समाज को आकार दिया है.

शहर में आज

1. पुस्तक मेला जिला स्कूल सुबह 10 बजे
2. डॉ कर्मा उरांव स्मृति फुटबॉल मैच डा रामदयाल मुंडा फुटबॉल मैदान मोरहाबादी 10 बजे
3. निःशुल्क कैसर जांच शिविर, कचहरी रोड वेंडर मार्केट सुबह 10 बजे
4. कैबिनेट की बैठक प्रोजेक्ट भवन में शाम चार बजे से.
5. फेमिना मिस इंडिया झारखंड बनी, इसको लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रेस क्लब में शाम चार बजे
6. श्रीश्याम महोत्सव, अग्रेसन भवन में शाम चार बजे से
7. रक्षा प्रदर्शनी मोरहाबादी मैदान में सुबह 10 बजे से

ब्रीफ खबरें

नए पदाधिकारियों को दिया सर्टिफिकेट

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के रांची जिला अध्यक्ष दिनेश सोनी के जरिये गुरुवार को जिला के नए पदाधिकारियों के पद की घोषणा की. साथ ही उन्हें सर्टिफिकेट भी दिया गया. आकाश भारती, रामाधार तिवारी महेश पासवान, जलालुद्दीन, नितिन को उपाध्यक्ष और भोला सिंह, संदीप कुमार राम, प्रदीप पासवान, धीरेंद्र पासवान, रविंद्र पासवान को महासचिव बनाया गया है. जबकि रितेश ठाकुर, मनीष यादव, राम भवन कुमार, संदीप वर्मा को महासचिव और आनंद वर्मा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है. इसी प्रकार मीडिया प्रभारी सुशांक सोभ्य को बनाया गया है.

कथित घुसपैठ पर आज रिपोर्ट पेश होगी

रांची। संताल परगना के छह जिलों में कथित तौर पर बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर शुक्रवार को एक रिपोर्ट पेश होगी. झारखंड जनाधिकार महासभा और लोकतंत्र बचाओ अभियान ने इस रिपोर्ट को तैयार किया है. मिथक बनाम तथ्य नाम से तैयार रिपोर्ट को प्रेस क्लब में जारी किया जाएगा. इसके बाद दोनों संगठनों की ओर से एक जन मार्च का भी आयोजन किया गया है. दोनों संगठनों का कहना है कि झारखंड में अलग तरह का राजनीतिक व सामाजिक माहौल बनाया जा रहा है. इसे रोकने की जरूरत है. यह जानकारी एलिना होरो व प्रवीर पीटर ने प्रेस बयान जारी कर दी है.

5वीं अनुसूची को लेकर कार्यशाला 17 को होगी

रांची। झारखंड में पांचवीं अनुसूची को लागू करने की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन अगले 17 सितम्बर को किया जाएगा. पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने बताया कि राजधानी के मोरहाबादी स्थित अभिनंदन हॉल में आयोजित इस कार्यशाला में राज्यभर से आदिवासी अगुवा, शिक्षाविद एवं प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे. तिर्की ने कहा कि झारखंड के अनुसूचित क्षेत्र एवं यहां सदियों से निवास करनेवाले आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में है क्योंकि विकास परियोजनाओं की वजह से आदिवासी विस्थापित होते जा रहे हैं. यहां कार्यान्वित परियोजनाओं में नौकरी हासिल करके बाहरी प्रदेशों के लोग अनुसूचित क्षेत्र में भरते जा रहे हैं. अनुसूचित क्षेत्र की सुरक्षा की जवाबदेही राज्यपाल की है और पांचवी अनुसूची के अनुच्छेद 5 (1) के अंतर्गत आदिवासी हितों की सुरक्षा हेतु संसद या विधानमंडल द्वारा निर्गत कानून पर रोक लगाना, आदिवासी जमीन हस्तांतरण पर रोक एवं आदिवासी क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बहाल करना राज्यपाल की जिम्मेदारी है लेकिन अबतक किसी भी राज्यपाल ने अपने संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया.

झामुमो ने बिना तथ्य के मौत पर राजनीति न करने की सलाह, सच अब आने लगे हैं सामने

निगेटिव पॉलिटिक्स से बाज आए भाजपा, राजनीतिक और मर्यादित लड़ाई लड़े : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने भाजपा को सलाह दी है और निवेदन किया है कि वह निगेटिव पॉलिटिक्स से बाज आए. वह हमसे राजनीतिक एवं मर्यादित लड़ाई लड़े. मौत पर राजनीति बिना तथ्य के न करे. हेमंत सोरेन की सरकार बहुत अधिक संवेदनशील है, किसी को तकलीफ देने का काम नहीं करेगी. सरकार को उत्पाद आरक्षी नियमावली में कुछ त्रुटियां नजर आईं, इसलिए सरकार ने इसकी समीक्षा करने का निर्णय लिया है. इसलिए भाजपा मौत पर गंदी एवं घटिया राजनीति न करे. बहुत सारे सच एक्सपर्ट के हवाले से सामने आने लगे हैं, बाकी का सच भी सबके सामने जल्द आ जाएगा. उक्त बातें पार्टी के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

कोरोना वैक्सीन पर सवाल हमने नहीं, हालात कर रहे हैं : सुप्रियो ने कहा कि कोरोना वैक्सीन पर सवाल हमने नहीं किया है. जो हालात पैदा हुए हैं पूरे देश में, उससे उत्पन्न हो रहा है. आखिरकार क्या कारण रहा है कि सिरम कंपनी के मालिक अजय पूणेवाला देश छोड़ कर भाग गया. हालात यह बयां कर रहे हैं, वैक्सीन के कारण सांस फूलने और हर्ट की समस्या उत्पन्न हो रही है. आखिरकार अचानक ऐसा क्यों हुआ कि कोरोना वैक्सीन से अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोटो हटा दिया गया था. देश में कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिससे सवाल पैदा हो रहे हैं. हमने तो मोदी जी की फोटो लगी हुई वैक्सीन ली है, अगर मुझे इसके कारण कुछ हुआ, तो इसके जिम्मेवार प्रधानमंत्री होंगे.

कुछ लोग नहीं चाहते आधी आबादी का स्वावलंबन, 18 से 20 वर्ष की बच्चियों को मंईयां योजना से जोड़ना बड़ा फैसला

दुखद मौत पर संवदेनशील सरकार से जो बन पड़ेगा जरूर करेगी

उन्होंने कहा कि उत्पाद आरक्षी दौड़ में शामिल अभ्यार्थियों के दुखद मौत में एस्टॉयरड लेने के मामले सामने आ रहे हैं. अभी जांच जारी है, बहुत जल्द सच सबके सामने आ जाएगा. सरकार पूरी तरह से संवेदनशील है, सरकार से जो बन पड़ेगा पीड़ित परिवार के लिए कुछ न कुछ करेगी, क्योंकि हमें दुखद मौत पर राजनीति नहीं करनी है. हां मगर भाजपा को इससे बचना चाहिए.

कुछ लोग नहीं चाहते हैं आधी आबादी स्वावलंबी बने

मंईयां योजना को लेकर जो पीआईएल दायर की गयी है, वो कौन हैं और किससे जुड़े हैं, पता कर लीजिए. इससे साबित होता है कि कुछ लोग यह नहीं चाहते हैं कि महिलाएं, हमारी आधी आबादी स्वावलंबी बनें. हमारी सरकार ने मंईयां योजना का लाभ 18 से 20 वर्ष की बेटियों को देने का जो फैसला लिया है, वह भी क्रांतिकारी कदम है. सरकार ने तय किया है कि एक बेटी के जन्म से लेकर जीवनपर्यंत तक उसके साथ खड़ी रहेगी. चाहे वह सावित्री फुले बाई किशोरी स्मृतद्धि योजना हो या फिर अब मंईयां योजना के तहत 18 से 20 वर्ष की बेटियों का जोड़ना. हमारी सरकार कार्यकाल के अंत तक जो वादे किए थे, उसका पूरा लेखा-जोखा लेकर जनता के बीच जाएगी. किसी को चिंतित होने की जरूरत नहीं है.

घोषणा : विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच एक बड़ा बयान

झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष ने विस चुनाव नहीं लड़ने का किया ऐलान

खास बातें

- कमलेश ने कहा- वह पार्टी के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ाएंगे
- निश्चित रूप से इस बार ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी पार्टी

विशेष संवाददाता। रांची

मीडिया से मुखातिब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश व अन्य.

झारखंड विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच एक बड़ा बयान सामने आया है, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है. गुरुवार को झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने घोषणा करते हुए विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर दिया. उन्होंने कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, वह पहले की तरह पार्टी की सेवा में रहेंगे. इस दौरान उन्होंने कहा कि वह पार्टी के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ाएंगे.

उन्होंने यह घोषणा विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्षों और कार्यकारी अध्यक्षों की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए की. उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा मिले निर्देशों के आलोक में यह बैठक बुलाई गई थी. उन्होंने कहा कि यह एक सतत प्रक्रिया है. इस बैठक में जिला अध्यक्षों से सभी बिंदुओं पर फीडबैक लिया गया. केशव महतो कमलेश ने कहा कि जिलाध्यक्षों का संवाद कार्यक्रम जारी है, जिसमें अब तक 9 जिलों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है. अगला कार्यक्रम सिमडेगा जिले में होगा, जिसके लिए नवनियुक्त सह प्रभारी शुक्रवार को आ रहे हैं. उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम 7 बजे पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की मीटिंग होगी, जिसमें चुनावी रणनीति पर चर्चा की जाएगी. गठबंधन के तहत सीटों के बंटवारे के फार्मूले पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से कांग्रेस इस बार ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी. उन्होंने कहा कि गठबंधन के तहत विनिंग फॉर्मूला लागू किया जाएगा, यानी जहां जो पार्टी या संगठन ज्यादा मजबूत है, वहां उसकी दावेदारी होगी. विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर गुरुवार को रांची में प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिलाध्यक्षों को बैठक के लिए बुलाया था. करीब चार घंटे तक चली इस बैठक में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर मंथन हुआ. झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान जल्द होने वाला है. इसी साल के अंत तक झारखंड में विधानसभा का चुनाव कराया जाएगा. झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को समाप्त होने वाला है. झारखंड में पिछला विधानसभा चुनाव दिसंबर 2019 में हुआ था.

निष्क्रिय प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष हटाए जाएंगे

विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी जिला एवं महानगर अध्यक्षों को तलब किया. उन्होंने गुरुवार को अध्यक्षों के साथ बैठक में साफ शब्दों में कहा कि जो प्रखंड अध्यक्ष कार्यशील नहीं है, उसकी रिपोर्ट तैयार करें. उन्हें हटाया जाएगा. उन्होंने सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया कि अपने जिला अन्तर्गत सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर पर कमेटी का गठन करते हुए पूरी मजबूती के साथ चुनाव भी तैयारी में लग जाएं. साथ ही महागठबंधन सरकार में जनकल्याणकारी योजना को प्रखंड एवं पंचायत के अध्यक्षों के साथ मिलकर जनता के बीच पहुंचाने का कार्य करें ताकि जनता को इसका सीधा लाभ पहुंच सके. इससे पूर्व शिक्षक दिवस पर पूर्व राष्ट्रपति राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की गई. बैठक में डॉ. रामेश्वर उरांव, अमूल्य नीरज खलखो, सतीश पॉल मुजनी, जिलाध्यक्ष में डॉ राकेश किरण महतो, कुमार राजा, सुखेर भगत, शकील अहमद अंसारी, चैतू उरांव, डेविड तिर्की आदि उपस्थित रहे.

डिफेंस एक्सपो-का उद्घाटन आज

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ राजधानी रांची शुक्रवार को डिफेंस एक्सपो-2024 का उद्घाटन करेंगे. रक्षा प्रदर्शनी में लोग सुबह नौ बजे से रात्रि नौ बजे तक तीनों सेनाओं के शौर्य और पराक्रम से रूबरू हो सकेंगे.

फोटो: रमीज

महानगर श्रीदुर्गा पूजा समिति का सर्वसम्मति से किया विस्तार

महानगर श्रीदुर्गा पूजा समिति की बैठक में मौजूद पदाधिकारी.

संवाददाता। रांची

- दिनेश, दीपक, भरथुआर, प्रेम, रमेश, शैलेश्वर सिंह, दिलीप गोप सह संयोजक

महानगर श्रीदुर्गा पूजा समिति कार्यालय बिहार क्लब, कचहरी चौक में गुरुवार को दिन के 12 बजे बैठक हुई. इसमें सर्वसम्मति से समिति का विस्तार किया गया. जिसमें दिनेश साहू, दीपक कुमार भरथुआर मुन्ना,प्रेम वर्मा, रमेश सिंह, शैलेश्वर दयाल सिंह, दिलीप गोप सह संयोजक बनाए गए.

साथ ही विभिन्न पूजा समितियों के पदाधिकारियों को महानगर समिति में शामिल कर पदभार दिया गया, जिसमें नीरज शर्मा, बिंदुल वर्मा, राजेंद्र प्रसाद साहू, हरि दास गुप्ता, लखपति साव, श्यामल रॉय, मंटू वर्मा, रमाकांत ओझा, अजय गुप्ता, हेमंत पोद्दार, दीपक कुमार पंकज, विनोद सिंह, टिंकू वर्मा, दुर्गा चौधरी, वशिष्ठ पासवान, युवराज पासवान, गौरव घोष, आशीष वर्मा, सुमंत कुमार, अमित घोष, रमेश सिंह और सज्जन कुमार पंकज को उपाध्यक्ष, सम्राट चटर्जी, वीरेन चक्रवर्ती और अमित वर्मा को मंत्री, विजय कुमार टीनू, संतोष वर्मा, क्षितिज मिश्रा, सुभाष साहू, हेमंत ओहदार, प्रकाश शर्मा, संदीप घोष, संतोष झा और सकलदीप बड़ाईक को सह मंत्री का पदभार दिया गया. बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष चंचल चटर्जी ने और धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप राय बाबू ने किया. आजीवन मुख्य संयोजक डॉ अजीत सहाय, वरीय उपाध्यक्ष राजन वर्मा, महामंत्री रविंद्र वर्मा, कोषाध्यक्ष संजय सिन्हा गोपू आदि मौके पर मौजूद थे.

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों ने घेरा शिक्षा मंत्री वैद्यनाथ राम का आवास

खास बातें

- पुलिस ने रोका तो धरने पर बैठ गए प्रदर्शनकारी शिक्षक
- सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया

संवाददाता। रांची

शिक्षक दिवस पर धरने पर बैठे सहायक अध्यापक.

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान दिया जा रहा है. स्कूल और कॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये. दूसरी ओर वेतमान को लेकर हजारों सहायक अध्यापकों ने शिक्षा मंत्री वैद्यनाथ राम से गुरुवार को वार्ता का उम्मीद लगाए हुए धुर्वा मैदान मे एकजुट हुए थे. लेकिन शिक्षा मंत्री के अपने आवास में नहीं रहने से बातचीत नहीं हुई. इससे सभी सहायक अध्यापक नाराज हो गये. शिक्षकों की समस्या का समाधान नही निकलने से हजारों शिक्षक शिक्षा मंत्री का घेराव करने पहुंचे. जहां सभी शिक्षकों को पुलिस ने रोक दिया. वहीं पर शिक्षक धरने पर बैठ गये. सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाने लगे. सरकार के खिलाफ मे नारे बाजी की. संघ के प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत तिवारी ने कहा कि टेट परीक्षा में सभी सहायक अध्यापकों के कार्य अनुभव एवं आकलन परीक्षा के आधार पर पासिंग मार्क्स में 20 प्रतिशत नंबर की छूट दी जानी थी, मगर ऐसा नहीं हो सका.

वही दूसरे ओर सड़क पर उतरे शिक्षक, जेईपीसी के खिलाफ निकाला न्याय मार्च : अपनी मांग को लेकर पिछले 15 दिनो से राजभवन के समक्ष सैकड़ों वोकेशनल शिक्षक ने धरना दे रहे हैं. लेकिन शिक्षक दिवस पर वोकेशनल शिक्षकों की मांग पूरी नही हुई. इससे गुस्साए शिक्षकों ने सड़क पर उतर कर अपना विरोध जताया. कहा कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तहत ठेका पर कौशल विकास में बच्चों को ट्रेनिंग दे रहे थे. पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से कौशल विकास केंद्र में काम कर रहे थे. लेकिन सभी शिक्षकों को काम से निकाला जा रहा है. और रिक्त पदों पर बहाली के लिए परियोजना परिषद ने नई एजेंसी को काम सौंपा है, जो नये सिरे से लोगों को भर्ती कर रही है. बता दें कि सहायक अध्यापक लंबे वक्त से मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं.

तीन दिन की छुट्टी पर रहेगा झारखंड सचिवालय सेवा संघ

रांची। झारखंड सचिवालय सेवा संघ से जुड़े सभी पदाधिकारी और सदस्य 10-12 सितंबर तक आकस्मिक अवकाश पर रहेंगे. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक संघ से जुड़े लोगों ने अपने-अपने विभागीय सचिव और संबंधित वरीय पदाधिकारियों को गुरुवार को आवेदन देना शुरू भी कर दिया है. इस संबंध में ध्रुव प्रसाद की अध्यक्षता में झारखंड सचिवालय सेवा संघ की कार्यकारिणी की नेपाल हाउस में हुई बैठक में फैसला लिया गया था. इस दौरान यह चर्चा रही थी कि संघ की मांगों के प्रति सरकार के उदासीन एवं नकारात्मक रवैये के कारण संघ के सभी पदाधिकारी तीन दिनों तक (10-12 सितंबर) सामूहिक अवकाश पर रहेंगे. बैठक के दौरान आन्दोलन की रूपरेखा भी तैयार की गयी थी. इसमें निर्णय लिया गया था कि सामूहिक अवकाश से संबंधित संघ का पत्र गुरुवार को सचिव/ विभागाध्यक्ष को विभागीय प्रतिनिधियों द्वारा हस्तगत करा दिया जाएगा. सभी विभाग/ निदेशालय में कार्यरत सचिवालय सेवा के पदाधिकारी अवकाश हेतु सामूहिक आवेदन पत्र अपने-अपने कार्यालय प्रधान को शुक्रवार तक समर्पित कर देंगे.

झारखंड में फिर गठबंधन करेगी भाजपा-जदयू

रांची। बिहार में सत्तारूढ़ जदयू की धमक आने वाले दिनों में एक बार फिर से झारखंड में बढ़ेगी. एनडीए के तहत आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में जदयू को सीटें मिलना तय है. इसपर सैद्धांतिक सहमति हो चुकी है. इसे बिहार के सीएम नीतीश कुमार के एनडीए में बढ़ते प्रभाव और महत्व का असर कहा जा सकता है. इससे पहले वर्ष 2005 और 2009 के विधानसभा में भाजपा के साथ तालमेल कर जदयू ने बेहतर परिणाम हासिल किया था. 2005 में जदयू ने छह सीटें जीती थी, जबकि 2009 में दो प्रत्याशी विजयी हुए थे. तमाड़, मांडू, बाघमारा, छत्तरपुर, देवघर में जदयू के प्रत्याशी जीतते रहे हैं. प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों में जदयू के विधायक मंत्री भी रहे हैं. हालिया राजनीतिक घटनाक्रम में कुछ दिन पूर्व ही जमशेदपुर (पूर्वी) के विधायक सरयू राय जदयू में शामिल हुए हैं. भाजपा उनके लिए जमशेदपुर (पूर्वी) सीट छोड़ेगी. तालमेल को देखते हुए नौ सितंबर को जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का राज्य दौरा प्रस्तावित है. वे यहां जदयू के नेताओं के साथ चुनाव को लेकर सलाह-मशविरा करेंगे. इस क्रम में वैसी सीटें भी चिह्नित होंगी, जिसपर पार्टी उम्मीदवार खड़ा करना चाहती है.

मांग बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने सीएम हेमंत को लिखा पत्र, कहा

पंचायत प्रतिनिधियों की मांगों पर करें विचार

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. पत्र में सीएम से पंचायत प्रतिनिधियों की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करने का आग्रह किया है. कहा है कि ग्रामसभा लोकतंत्र का आधारस्तंभ है, लेकिन सरकार ने इसके अधिकारों को जब्त कर लिया है. संयुक्त बिहार के समय से 32 वर्षों तक पंचायत चुनाव लंबित थे जिसे पूर्ववती भाजपा सरकार में ही संपन्न कराकर पंचायतों को अधिकार दिए गए थे. आज चुने हुए जनप्रतिनिधि होने के बावजूद उनके अधिकार छीन लिए गए हैं. स्थिति यह है कि पंचायतों के अधिकार से संबंधित निर्णय भी जिला में बैठे पदाधिकारी ले रहे हैं. प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास, बालू घाट नीलामी ग्रामीण हाट बाजार से संबंधित निर्णय ग्राम सभा और पंचायत समिति से न होकर जिला स्तर से हो रहा है.

सरकार को लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं

राज्य सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं करती है. आज इसी का परिणाम है कि ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, मुखिया, पंचायत सचिव, जल सहिया, दिव्यांग अपने अपने संगठनों को बैनर तले राजभवन के पास धरने पर बैठे हैं. शिक्षक और कंप्यूटर ऑपरेटर भी आंदोलन कर रहे हैं. वर्षों से स्वीकृत और लागू योजनाओं के लाभार्थी दर दर भटक रहे हैं. धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हो रहे हैं. राज्य सरकार की मंशा लोक कल्याण की नहीं दिखाई देती है.

सरकार की नीयत समस्याओं के समाधान की नहीं

मरांडी ने लिखा है कि मैंने धरना स्थल पर बैठे आंदोलनकारियों से मुलाकात की तो मुझे लगा कि सरकार की नियत इनकी समस्याओं के समाधान करने में नहीं है. अगर होती तो इनकी जायज मांगों को सरकार अविलंब पूरा कर सकती थी. मैं पत्र के साथ धरना पर बैठे विभिन्न सगठनों के मांग पत्र को संलग्न कर रहा हूं. आपसे आग्रह है कि जनहित में इस गंभीर मामले में अवश्य विचार करेंगे.

टेट सफल स. अध्यापक संघ कल शिक्षा मंत्री के आवास का करेगा घेराव

रांची। टेट सफल सहायक अध्यापक संघ सात सितम्बर को शिक्षा मंत्री का आवास का घेराव करेंगे. संघ के प्रदेश संरक्षक प्रमोद कुमार ने गुरुवार को बताया कि पूरे राज्यभर में टेट सफल सहायक अध्यापक सम्प्रति पारा शिक्षको के जरिये सरकार के नाकारात्मक रैवये के विरोध में काला बिल्ला लगाकर कार्य किया गया. इस सम्मान दिवस को आज हम लोगों ने सरकार के अपमान के रूप में मनाया. क्योंकि सरकार के पास सहायक आचार्य में सुधार के लिए बार बार टेट सफल सहायक अध्यापक अपनी समस्या को रखते हुए सुधार के लिए आग्रह किया. लेकिन सरकार इस पर संज्ञान नहीं ले रही है. जबकि पिछले माह पारा शिक्षकों के अन्य संगठन से अधिकारिक बैठक भी की गयी.

मिलन समारोह में जिप सदस्य मो. इसराफिल ने थामा आजसू का दामन

'राजनीतिक वातावरण को बदलना होगा'

संवाददाता। रांची/ टुंडी

करम महोत्सव खेल महागूंज समारोह

बिनोद बिहारी महतो फुटबॉल मैदान में आयोजित करम महोत्सव खेल महागूंज सह सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में सुदेश महतो ने कहा कि करम पर्व प्रकृति के प्रति हमारे समर्पण का प्रतीक है. इसे अक्षुण्ण रखने के साथ ही इसके विस्तार की दिशा में काम करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है.

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा है कि सरकार अपने कार्यकाल के अंतिम महीने में है. इन पांच सालों में यह सरकार जनता के बीच अपने होने का अहसास तक नहीं करा पाई है. इनका होना न होना किसी के जीवन में अंतर पैदा नहीं कर पाया. हमारी तैयारी लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर इस व्यवस्था को बदलने की है. सुदेश गुरुवार को टुंडी विधानसभा क्षेत्र के निछानी स्कूल ग्राउंड में आयोजित मिलन समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि जनता के हित के लिए राजनीतिक वातावरण को बदलने की आवश्यकता है.

सरकार को दूरगामी भविष्य की कोई चिंता : सरकार को राज्य की दूरगामी भविष्य की कोई चिंता नहीं है. राज्य को फिर से विकासशील बनाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना है. जनता को अब इस सरकार पर भरोसा नहीं है. मिलन समारोह में सदस्यता ग्रहण करने वाले मो. इसराफिल ने कहा कि हर धर्म, हर समाज, हर वर्ग की भलाई की बात करने वाली आजसू पार्टी का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की अनुभूति है. मेरे साथ शामिल हुए सभी लोग पार्टी की नीति व सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे.

भक्ति के साथ सेवा : गो पूजन से प्रारंभ हुआ श्रीश्याम मंडल का 57वां चार दिवसीय महोत्सव

गोशाला में लगाए फलदार पौधे, शिक्षक हुए सम्मानित

संवाददाता। रांची

श्रीश्याम मंडल का 57वां वार्षिकोत्सव गुरुवार को सेवा प्रकल्प के कार्यों के साथ प्रारंभ हो गया.श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन पथ में सुबह मंडल के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर खाटू नरेश के श्रीचरणो में श्रद्धा अर्पित की. इसके बाद सभी वान से सुकुरहुटू गोशाला आए. यहां गो पूजन कर गो माता को समुचित आहार ग्रहण कराया. साथ ही गोशाला में कई तरह के 50 से ज्यादा फलदार वृक्षों के पौधे लगाए.

दिन के तीन बजे मारवाड़ी कन्या पाठशाला के शिक्षणों को सम्मानित किया. स्कूल की छात्राओ के बीच पठन-पाठन सामग्री बांटे.आनंद पंसारी, ज्योति पोद्दार, अमित जलान, ज्ञान प्रकाश बागला, प्रियांश पोद्दार, प्रदीप अग्रवाल, महेश सारस्वत, बालकिशन परसरामपुरिया, अरुण धनुका, अंकित मोदी, सुमित पोद्दार आदि ने इसमें मुख्य योगदान दिया. अब रविवार तक श्रीश्याम मंदिर भक्ति के विविध कार्यक्रमों से गुलजार रहेगा.

सुकुरहुटू गोशाला परिसर में पौधे लगाते श्रीश्याम मंडल के सदस्य.

आज निकलेगी शोभायात्रा

महोत्सव के दूसरे दिन श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन पथ से शाम चार बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी. इसमें शामिल श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ भक्ति गीतो पर नाचते-झूमते और ध्वज लहराते इलाके का भ्रमण कर वापस लौटेंगे. देर शाम मंदिर में श्रीश्याम प्रभु की सामूहिक आरती उतारी जाएगी. सब के बीच प्रसाद बंटेगा. श्रीश्याम मंदिर में महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को देर रात तक भजन-संकीर्तन का कार्यक्रम चलेगा. मंडल के भजन गायको के साथ जयपुर के चैतन्य दाधीच और मनासा की कनिका ग्रोवर भी दरबार में हाजिरी लगा कर भजन रस धारा प्रवाहित करेंगी.इससे पूर्व शृंगार-पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्जवलित की जाएगी.

लगेगा खीर-चूरमा और सवामनी भोग

महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को दर्शन-पूजन के साथ श्रद्धालु सवामनी और छप्पन भोग लगाएंगे. सुबह से देर शाम तक भक्तो का तांता लगा रहेगा. सुबह आठ बजे सुंदरकांड पाठ से शुरुआत होगी, इसके बाद स्थानीय और बाहर से आए भजन गायक सब को झुमाएंगे.रात दस बजे महोत्सव आरती के साथ संपन्न होगा.

करम पर्व में शराब दुकान बंद करने की उठी मांग

रांची । झारखंड पाहन महासंघ ने करम पूजा महोत्सव को लेकर गुरुवार को भगवान बिरसा मुंडा संग्रहालय में बैठक की गई, जिसमें करम पर्व के दिन राजधानी में शराब की दुकानें बंद करने की मांग उठायी गयी. बैठक में सैकड़ों गांव के पहान, मुंडा, कोटवार, पइन भोरा, महतो शामिल हुए. पाहन महासंघ के प्रमुख जगदीश पाहन की अध्यक्षता में बैठक हुई. संचालन हलधर चन्दन पाहन ने किया. प्रमुख जगदीश पाहन ने कहा कि 14 सितम्बर को करम पर्व हर्षोउल्लास से मनाया जाएगा. बैठक के बाद पाहन महासंघ की ओर से राज्य सरकार और प्रशासन को ज्ञापन सौपा गया, जिसमें सभी पूजा स्थलों की सफाई और सुरक्षा व्यवस्था, सभी निजी संस्थानों में भी अवकाश घोषित करने की मांग की गयी है.

शहर के पूजा पंडाल

सोने की लंका में देवी-देवताओं संग आभा बिखेरेंगी मां दुर्गा

संवाददाता। रांची

शक्तिस्रोत संघ दुर्गा पूजा समिति, गाड़ीखाना का पूजा पंडाल इस बार कुछ अलग अंदाज का होगा. समिति इस बार सोने की लंका के प्रारूप पर आधारित पंडाल का निर्माण करा रही है. मां दुर्गा अन्य देवी-देवताओ संग आभा बिखेरेंगी. दर्शनार्थी मां के दर्शन के साथ लंका के अशोक वाटिका में माता सीता और हनुमान जी की पहली मुलाकात आदि दृश्यों का भी अवलोकन करेंगे. प्रारूप को मूर्त रूप देने की तैयारी में पश्चिम बंगाल के कारीगर लगे हैं. पूजा पंडाल 60 फीट लंबा, 60 फीट चौड़ा और 40 फीट ऊंचा होगा. पूजा स्थल पर दूर तक की गयी आकर्षक विद्युत सज्जा बरबस ही लुभाएगी. बंगाल के शिल्पकार प्रतिमा गढ़ने में रात-दिन लगे हैं. संघ के अध्यक्ष आकाश सिंह ने बताया कि इस बार पूजा में 15 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है. दर्शनार्थियों को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसका विशेष ख्याल रखा जाएगा. उन्होंने बताया कि षष्ठी के दिन आम भक्तों के लिए पूजा पंडाल का पट खोल दिया जाएगा. भूमि पूजन के साथ जल्द ही पंडाल निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा.

समिति में हैं शामिल : आकाश सिंह, संदीप सिंह मोनी, सोनू सिंह, आदर्श सिंह, रवि सिंह रॉकी,पंकज सिंह, रौशन सिंह अनीश सिंह अनिल सिंह धीरज सिंह दीपक सिंह, अमित सिंह, गोगो सिंह सोनू सिंह कुणाल सिंह विक्की सिंह आदि शामिल हैं.

ब्रीफ खबरें

डीएसपीएमयू कुलपति ने राज्यपाल से की मुलाकात

रांची। राज्यपाल सह झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने राज भवन में मुलाकात की. इस दौरान शांडिल्य ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया. वहीं दूसरी ओर राज्यपाल से गुरुवार को लघु उद्योग भारती का एक शिष्टमंडल विजय छापड़िया के नेतृत्व में राज भवन में भेंट की.

कचहरी रोड में बन रहा नौ देवियों पर आधारित गणेश पूजा पंडाल

रांची। राजधानी रांची में गणेश पूजा को लेकर जगह-जगह पंडाल का निर्माण किया जा रहा है. कचहरी रोड स्थित गजराज पूजा महासमिति इस वर्ष नौ देवियों पर आधारित पंडाल का निर्माण कर रही है. अध्यक्ष विक्की वर्मा ने गुरुवार को बताया कि रांचीवासी गणेश जी के साथ नौ देवियों के भी दर्शन करेंगे. पंडाल में 14 फीट के मनमोहक और आर्कषक दरबार में बैठे गणेश जी सभी को आशीर्वाद देंगे. अनुष्ठान का छह सितंबर की शाम में उद्घाटन किया जाएगा. सात सितंबर को कलश स्थापना, आठ को संध्या महाआरती, नौ को जागरण, दस को विशाल भंडारा एवं 11 को विसर्जन होगा.

कलश यात्रा से आज से शुरू शिव तारा आश्रम का उत्सव

रांची। शिव तारा आश्रम, यमुना नगर का तीन दिनी उत्सव गुरुवार को कलश यात्रा से प्रारंभ हो जाएगा. आश्रम परिसर से सुबह सात बजे गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी. संस्थापक अध्यक्ष बबलु चौधरी पवन ने बताया कि शनिवार को दूसरे दिन पूजा-अर्चना के साथ मां को छप्पन भोग लगाया जाएगा. वृहत रूप में भंडारा भी चलाया जाएगा. अंतिम दिन रविवार को रात्रि में विशेष हवन-पूजन की जाएगी. बबलु ने श्रद्धालुओं से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है.

होमगार्ड के मानदेय का भुगतान समय से करे सरकार : राजीव

रांची। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने राज्य सरकार से मांग की है कि होमगार्ड जवानों के मानदेय का भुगतान समय से किया जाए. एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी ने कहा कि रांची जिला के यातायात ड्यूटी में प्रतिनियुक्त होमगार्ड जवानों का समय से मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा. इसके चलते उन्हें भारी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

राजधानी में रही शिक्षक दिवस समारोह की धूम, छात्र-छात्राओं ने गुरुओं को दिया सम्मान

शिक्षण एक पेशा नहीं, बल्कि मिशन : प्राचार्य

संवाददाता। रांची

जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के छात्र-छात्राओं ने दयानंद प्रेक्षागृह में इस प्रकार प्रस्तुत किये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम.

जवाहर विद्या मंदिर श्यामली के प्राचार्य समरजीत जाना ने कहा कि शिक्षण एक पेशा नहीं बल्कि मिशन होना चाहिए. उन्होंने कहा कि शिक्षक का कार्य केवल पाठ्यक्रम का पालन करना नहीं बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक और सामाजिक मूल्यों को विकसित करना है. प्राचार्य जाना ने उक्त आशय के विचार गुरुवार को शिक्षक दिवस पर जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के दयानंद प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये. इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने कहा कि महान शिक्षाविद् और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन शिक्षकों की भूमिका और महत्त्व को उजागर करता है. यह दिन न केवल शिक्षकों के योगदान को मान्यता देने का है, बल्कि उन्हें समाज को आधार स्तंभ के रूप में सम्मानित करने का भी है. समारोह में छात्रों ने कजरी पर आधारित स्वागत गीत, भगवान विष्णु के दस अवतारों पर आधारित ओडिसी नृत्य, देवदासियों द्वारा देवी दुर्गा को समर्पित भरतनाट्यम नृत्य, राजस्थानी और गुजराती फ्यूज़न डांस प्रस्तुत की गई. विद्यालय में 15 वर्ष शिक्षक के रूप में उत्कृष्ट सेवा के लिए रजनीश कुमार व शांतनु सामंता एवं 25 वर्षों से सेवा देने के लिए सीता देवी को मंच पर बाल पादप वृक्ष, अंग-वस्त्र, स्मृति चिह्न और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया. वहीं विद्यालय में वर्ष भर अपनी शत् प्रतिशत उपस्थिति दर्ज़ करने के लिए शिक्षक डॉ मोती प्रसाद व शिक्षिका अविनाशी निशा गुरिया को भी सम्मानित किया. मुख्य अतिथि मेकॉन के मुख्य प्रबंध निदेशक संजय कुमार वर्मा, विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष संदीप सिन्हा, मेकॉन के इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्पोर्ट्स कमेटी के प्रमुख आर एस रमन तथा प्रबंधन समिति का सदस्य राकेश कुमार प्रसाद उपस्थित हुए.

मौलाना आजाद लाइब्रेरी एंड स्टडी सेंटर : रांची । रांची के अंजुमन प्लाज़ा स्थित मौलाना आजाद लाइब्रेरी एंड स्टडी सेंटर के पुस्तकालय में छात्रों द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया. मौके पर कन्वेनर लतीफ़ आलम, स्टाफ इम्तियाज़ अहमद, प्रबंधक उजमा निशात और हीना को छात्रों द्वारा सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन लाइब्रेरी के छात्र शाहबाज हुसैन और इमरोज खान कर रहे थे. इस कार्यक्रम में क्विज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया , जिसमें आतिफ सलमान, फैजान, मिंज, जन्नत आदि छात्रों ने भाग लिया.

विश्वंभर फाउंडेशन ने मनाया शिक्षक सम्मानोत्सव : विश्वम्भर फॉउण्डेशन, रांची के तत्वावधान में आज 5 सितम्बर दिन वृहस्पतिवार को संध्या काल फॉउंडेशन के कार्यालय मे शिक्षक दिवस के अवसर पर ''शिक्षक सम्मानोत्सव'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के शिक्षकों को सम्मानित किया गया. सर्प्रथम फॉउण्डेशन के सञ्चालन समिति कैं सदस्य अमर नाथ झा, बिनोदानंद झा एवं गंगा प्रसाद यादव ने समाज के शिक्षक -प्रधानाध्यापक शेखर कुमार झा एवं दीपक चौधरी संग शिक्षक किशुन झा, संजीव ठाकुर, संजीव ठाकुर एवं रमेश कुमार झा को मिथिला का संस्कृति सम्मान पाग, दोपटा एवं पुस्तक देकर सम्मानित किया.

संत पॉल्स कॉलेज : रांची ।प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस नगर के शैक्षणिक संस्थानों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये. गुरुवार को बहुबाजार स्थित संत पॉल्स कॉलेज में शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ अनुज कुमार तिग्गा ने शिक्षक की महानता को एक कहानी के माध्यम से बताया. छात्रों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये,

सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल : सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में भी शिक्षकदिवस मनाया गया.शिक्षको के निस्वार्थ समर्पण को सम्मान दिया गया. यह कार्यक्रम युवा दिमाग को आकार देने में उनके अथक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन के साथ हुई, इसके बाद छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई.स्कूल की प्राचार्या समिता सिन्हा ने शिक्षकों की असाधारण सेवा सराहना की.

मारवाड़ी प्लस टू उच्च विद्यालय : रांची के अंबेडकर सभागार में शिक्षक दिवस समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्राचार्य आशीष कुमार की अगुवाई में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया. तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई . इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की गई.

सरला बिरला विवि में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस

संवाददाता। रांची

सरला बिरला विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने डॉ. राधाकृष्णन और स्वामी विवेकानंद की चर्चा करते हुए सही तरीके से शिक्षा अर्जित करने पर जोर दिया. उन्होंने विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और इसपर शिक्षकों की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षक पूरे वर्ष सम्मान के पात्र होते हैं. उन्होंने छात्रों को सही को सही और गलत को गलत कहने की ताकत अपनाने की अपील की. इस अवसर पर विवि के शिक्षक डॉ. पिंटू दास को सर्वाधिक रिसर्च पेपर और डॉ. एस. मंत्री को सर्वाधिक पेटेंट के लिए पुरस्कृत किया गया.

अपने संबोधन में विवि के प्रभारी कुलपति एसबी डांडीन ने गुरु के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षकों के साथ साथ माता पिता के जीवन में उपयोगिता की चर्चा की. कुलसचिव प्रो. वीके सिंह ने शिक्षकों को कुंभकार की संज्ञा देते उन्हें पीढ़ियों को गढ़ने वाला बताया.

डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने कहा कि शिक्षक किसी भी राष्ट्र को गढ़ता है और अगर वह अध्ययनशील है, तो बेहतर अध्यापन भी करने में समर्थ होगा. कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए.

शिक्षक दिवस पर बच्चों की प्रभातफेरी

रांची। शिक्षक दिवस पर गुरुवार को आंगनवाड़ी केंद्र, अलकापुरी से बच्चों की प्रभातफेरी निकाली गयी. इसमें शामिल नन्हें-मुन्नों ने हरी साग सब्जी खाएंगे कुपोषण दूर भगाएंगे... और सही पोषण देश रोशन ... का स्वर बुलंद करते हुए इलाके का भ्रमण कर वापस लौटे. मौके पर बच्चों की अम्मा को हरी साग-सब्जी के साथ ही पोषक आहार भेंट किये गये. सीता तिग्गा और सहायिका सविता देवी को आभार जताते हुए माताओं ने सम्मानित भी किया. सुनील ठाकुर, सुधीर, राकेश शर्मा, बापी दादा, राकेश कमाकर, किसू आदि ने भी इसके सफल आयोजन में योगदान दिया. सीता तिग्गा ने बताया कि एक से 30 सितंबर तक आंगनबाड़ी केंद्रो में पोषण माह मनाया जाता है, इसी कड़ी में केंद्र की ओर से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं.

झारखंडी नृत्य से शिक्षकों का किया स्वागत

रांची । अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड स्थित सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल, न्यू अशोक नगर, रांची में गुरुवार को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों का स्वागत छात्र-छात्राओं ने मांदर के थाप पर एक झारखंडी नृत्य से किया. इसके उपरांत बच्चों द्वारा सभी शिक्षकों को माथे पर तिलक लगा कर और फूल-गुष्प देकर अपना सम्मान प्रकट किया। कार्यक्रम का शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के फोटो पर माल्यार्पण एवम पुष्प अर्पित कर एक गुरुवंदना के द्वारा किया गया। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक डॉ० दीपक कुमार सिन्हा, श्री रमाकांत प्रसाद, निदेशिका सुषमा सिन्हा, विद्यालय प्रचार्या श्रावणी पांडे ने शिक्षक दिवस की महता पर प्रकाश डाला.इस अवसर पर कक्षा प्री-नर्सरी से कक्षा दशम तक के छात्र-छात्राओं के द्वारा सुंदर नृत्य, संगीत, कविता, नाटक जैसे कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया.

इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट : रांची ।एमबीए, बीबीए और बीएचएमसीटी(होटल मैनेजमेंट) के छात्र - छात्राओं ने शिक्षक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. छात्रों ने शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया. संस्थान के निदेशक डॉ. गंगा प्रसाद सिंह ने शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि प्रबंधन शिक्षा प्राप्त युवा ही वर्तमान युग में कुशल नेतृत्व कर्ता और प्रबंधक बनने की क्षमता रखते है. उन्होंने संस्थान के शिक्षक श्री रुद्र नारायण भांजा देव और प्रीति शर्मा, सहायक प्राध्यापक नीरू कुमारी को सम्मानित किया.

पयुर्षण पर्व के छठे दिन भगवान महावीर के जन्म प्रसंग पर चर्चा

संवाददाता ।रांची

श्वेतांबर जैन मंदिर में चल रहे पर्वराज पयुर्षण पर्व के छठे दिन गुरुवार को भगवान महावीर के जन्म प्रसंग पर चर्चा हुई. भव्योंदया श्रीजी ने भगवान के जन्म प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डाला. जन्म क्षण की एक-एक घटनाओ का सुंदर चित्रण अपने प्रवचन के माध्यम से किया. मौके पर श्रद्धालुओ ने नाट्य मंचन कर प्रसंग को और भी जीवंत कर दिया. नृत्य-गीत के साथ उत्सव मनाया गया. इससे पूर्व सुबह साढ़े छह बजे नमिनाथ जिनालय में अभिषेक और स्नात्र पूजा श्रद्धाभाव से की गयी. संपतलाल रामपुरिया, सुभाष बोथरा, सुरेश बोथरा, आनंद गोठी, विनय नाहटा, अनिल कोठारी, संजय कोठरी, राजू रामपुरिया, बालवीर बोथरा, अक्षय सेठिया, विनायक मेहता, रिखभचंद भंसाली, प्रमोद बोथरा आदि मौके पर मौजूद थे.

इधर, दिगम्बर जैन भवन मे श्रीसाधुमार्गी जैन संघ के पर्युषण पर्व में गौतम रांका और सुरेश बोरडिया ने अनुयायियों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए कर्मों को निर्जरा करने के उपाए बताए. कहा कि जैन धर्म जीवन जीने की कला सिखाती है.इसमें सफल जीवन का सार छुपा है.इससे पूर्व सुबह आठ बजे अंतः गढ़ सूत्र वाचन करते हुए सुरेश जी ने गज सुकुमार के जीवन अध्यन के बारे में बताया. बाद में पारस हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया. 70 लोगो ने अपना चेकअप कराया. पर्व के अवसर पर छोटे लाल चोरडिया, विशाल दस्साणी और धर्मेंद्र बोहरा लगातार पांच दिनी उपवास पर हैं. संगीता लोढ़ा 50 दिनों के आयम्बिल की तपस्या कर रही हैं. प्रकाश चंद नाहटा, छोटे लाल चोरड़िया, देवचंद पींचा, मगन देवी पींचा, पायल कोठारी, पुष्पा बच्छावत, सुमन बरमेचा, वंदना चोरडिया मौके पर मौजूद थी.

चैंबर चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए परेश गट्टानी ठोकेंगे ताल

- सदस्यों की बैठक में चुनाव की रणनीतियों को लेकर हुई चर्चा

प्रमुख संवाददाता। रांची

इस बार फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का चुनाव दिलचस्प होगा. चैंबर के वर्तमान महासचिव परेश गट्टानी ने अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश की है. दावा किया है कि वर्तमान कार्यकारिणी समिति के 15 और कुल 45 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है. चेंबर के अधिकांश पूर्व अध्यक्ष भी परेश गट्टानी को ही अध्यक्ष का उपयुक्त उम्मीदवार मान रहे हैं.

रणनीति पर भी किया मंथन : चैंबर चुनाव की तैयारियों को लेकर गुरुवार को परेश गट्टानी और टीम के मेंटोर्स के नेतृत्व में सदस्यों की एक बैठक हुई जिसमें चुनाव की रणनीतियों पर गहन चर्चा हुई. टीम के उम्मीदवारों द्वारा राज्य के विभिन्न प्रमंडलों (कोल्हान, कोयलांचल, साउथ-नॉर्थ छोटानागपुर, पलामू और संताल परगना) के चैंबर ऑफ कॉमर्स और सदस्यों से भी समन्वय बनाया गया. सभी प्रमंडलों के व्यापारी और उद्यमी चैंबर के वर्तमान महासचिव परेश गट्टानी के समर्थन में ही हैं.

सोच समझ कर लिए हैं निर्णय : परेश गट्टानी

परेश गट्टानी ने कहा कि चैंबर चुनाव में अध्यक्षीय पद की यह दावेदारी सोच समझ कर लिया गया निर्णय है, जो हमारे मौजूदा कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के साथ-साथ, पूर्व अध्यक्षगण तथा मेरे सम्मानित सदस्यों के साथ काफी विचार-विमर्श के बाद लिया गया है. मुझे पूरा भरोसा है कि राज्य के व्यापारियों, उद्यमियों और प्रोफेशनल्स वर्ग का इस चुनाव में मुझे पूर्ण समर्थन प्राप्त होगा और हम सब मिलकर चेंबर को और अधिक मजबूती देंगे.

खेल-कूद

विधायक कल्पना सोरेन ने किया सात दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन

जेएससीए वीमेंस टी20 लीग के तीसरे संस्करण का आगाज

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) झारखंड में घरेलू महिला टी20 लीग के तीसरे संस्करण का गुरुवार को आगाज हुआ. विधायक कल्पना सोरेन ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया. जेएससीए की ओर से उन्हें मोमेंटो और शॉल देकर स्वागत किया गया. मौके पर कल्पना सोरेन ने खिलाड़ियों से मुलाकात की. कल्पना सोरेन ने कहा कि जैसा हमें पता है कि भारत की आधी आबादी महिलाओं की है. महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है चाहे वो खेल हो, पॉलिटिक्स हो या कोई भी क्षेत्र हो. मुझे देखकर अच्छा लगता है कि झारखंड में महिलाओं का हॉकी और फुटबॉल में नाम है. लेकिन क्रिकेट में वैसा नाम सामने नहीं आता है. मैं यहां मौजूद सभी खिलाड़ियों से कहना चाहूंगी कि पहले खुद पर भरोसा करे, अगर आप इस मुकाम पर पहुंची है तो आगे भी बढ़ सकती है.

12 सितंबर को फाइनल : 5 सितंबर से आयोजित प्रतियोगिता में पांच टीम भाग ले रही है. प्रतियोगिता का समापन 12 सितंबर को होगा. प्रतियोगिता में 80 खिलाड़ी भाग ले रही है. इनमें रांची रॉयल्स, जमशेदपुर टाइटंस, धनबाद ड्रैगन्स, दुमका डायनामोज, बोकारो वारियर्स शामिल है. हरेक टीम में 16 खिलाड़ी शामिल हैं. सभी टीमें सीनियर, अंडर 23 और अंडर 19 के खिलाड़ियों को मिक्स कर बनायी गयी हैं. टूर्नामेंट के मुकाबले राउंड रॉबिन होंगे, इस दौरान कुल 13 मैच खेले जायेंगे. सभी मुकाबले जेएससीए मुख्य और ओवल मैदान में दिन में खेले जायेंगे.

मौके पर जेएससीए के वाइस प्रेसीडेंट ने कहा कि जेएससीए टूर्नामेंट का उद्देश्य झारखंड में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देना है. महिला क्रिकेटरों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है. इस दौरान जेएससीए के प्रेसिडेंट संजय सहाय, वाइस प्रेसिडेंट नरेंद्र सिन्हा, सेक्रेटरी देवाशीष चक्रवर्ती, ज्वाइंट सेक्रेटरी पीएन सिंह समेत जेएससीए के प्रतिनिधि मौजूद थे.

मुकाबले का शेड्यूल

6 सितंबर : जमशेदपुर टाइटंस बनाम रांची रॉयल्स – 9:30 (मुख्य मैदान), धनबाद ड्रैगन्स बनाम दुमका डायनामोस – 1:30 (मुख्य मैदान)

7 सितंबर : धनबाद ड्रैगन्स बनाम जमशेदपुर टाइटंस – 9:30 (मुख्य मैदान), बोकारो वॉरियर्स बनाम रांची रॉयल्स – 9:30 (ओवल मैदान).

8 सितंबर : धनबाद ड्रैगन्स बनाम रांची रॉयल्स – 9:30 (ओवल मैदान) ,बोकारो वॉरियर्स बनाम दुमका डायनामोज – 9:30 (मुख्य मैदान)

9 सितंबर : बोकारो वॉरियर्स बनाम धनबाद ड्रैगन्स – 9:30 (मुख्य मैदान), दुमका डायनामोज बनाम जमशेदपुर टाइटंस – 9:30 (ओवल मैदान)

10 सितंबर : बोकारो वॉरियर्स बनाम जमशेदपुर टाइटंस – 9:30 (मुख्य मैदान), दुमका डायनामोज बनाम रांची रॉयल्स – 9:30 (ओवल मैदान).

सीसीएल में सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत पौधरोपण एवं रक्तदान शिविर

संवाददाता। रांची

सीसीएल में सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के अंतर्गत सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार के मार्गदर्शन में तीन विभिन्न कार्यक्रम सीसीएल मुख्यालय सहित क्षेत्रों में आयोजित किया गया. ज्ञात हो कि इस वर्ष के अभियान का थीम ईमानदारी की संस्कृति, राष्ट्र की समृद्धि के लिए है और यह अभियान 16 अगस्त से प्रारम्भ हो चुका है.

सीसीएल के बरका सयाल क्षेत्र एवं मगध-संघमित्रा क्षेत्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. बरका सयाल क्षेत्र में शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि, बरका सयाल क्षेत्र के महाप्रबंधक अजय सिंह द्वारा किया गया. रक्त इकाइयों का संग्रह सीसीएल गांधी नगर अस्पताल के हेमाटोलॉजी विभाग की मेडिकल टीम द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रत्नेश जैन, डॉ. श्रिमोई मुखर्जी, डॉ. रंजीत कृष्ण सिंह, और डॉ. मोहन मंडल शामिल थे। बरका सयाल क्षेत्र की चिकित्सा टीम, जिसका नेतृत्व क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुप कुमार टोप्पो ने किया, और जिसमें डॉ. नदीम अनवर, डॉ. आफताब, और डॉ. रिया शामिल. इस शिविर में एकत्रित 20 यूनिट रक्त सीसीएल के गांधी नगर अस्पताल के रक्त बैंक में संचित किया गया और जरूरतमंद मरीजों के लिए उपयोग किया जाएगा

मगध संघमित्रा क्षेत्र में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन मगध संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक नृपेंद्र नाथ सिंह ने किया, जिन्होंने रक्तदान भी किया. शिविर के दौरान विभिन्न हितधारकों (कर्मचारी, ग्रामीण, यूनियन सदस्य, आउटसोर्सिंग कंपनी के कर्मचारी) द्वारा कुल 126 यूनिट रक्तदान किया गया.

ब्रीफ खबरें

ऑक्सब्रिज में शिक्षक दिवस का आयोजन

मांडर। मांडर स्थित ऑक्सब्रिज स्कूल में शिक्षक दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया. उत्सव की शुरूआत निदेशक मि तौफ़ीक आलम, प्राचार्या मिस इवॉन ई एक्का, मोहम्मद असद, जितेंद्र सिंह तथा विवेकानंद प्रसाद द्वारा डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया. शिक्षकों का स्वागत, स्वागत गान, नृत्य और गुलाब पुष्प देकर किया गया. स्वागत भाषण छात्र प्रतिनिधि नुमान अंसारी द्वारा दिया गया. कार्यक्रम में छात्रों द्वारा सामूहिक नृत्य, एकल नृत्य एवं लघु नाटिका प्रस्तुत की गई.इस उपलक्ष्य पर ऑक्सब्रिज स्कूल परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे .

सोनाहातू में हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात

सोनाहातू। प्रखंड के राणाडीह,दुलमी और पापरीदा गांव में जंगली हाथियों का झुंड ने बुधवार रात जम कर फसल को नष्ट किया गया है.दुलमी गांव के किसान दुबराज सिंह मुंडा के खेत में तैयार सब्जी फसल को मन खाया और रौंद दिया है. पापरीदा गांव के किसान सोनाराम महतो, सचिन महतो के खेत में धान फसल को रौंद दिया है.राणाडीह गांव के किसान संजय महतो, जगदीश महतो,सुदेश महतो,शंकर महतो,राम शिंगार महतो, मंटू महतो, बैजनाथ महतो, चेईता महतो, लखिन महतो,दीनबंधु महतो आदि के खेत में लगे सब्जी और धान को रौंद दिया है.

ड्यूटी के दौरान रेल कर्मी की मौत

सिल्ली/मुरी। दक्षिण पूर्व रेलवे के मुरी इंजीनियरिंग विभाग में कार्यरत मुरी पी डब्ल्यू आई (1) के रेल कर्मचारी रसराज महतो की मौत ड्यूटी के दौरान हो गई. वे शाम 6 बजे से सुबह 6 तक के शिफ्ट में ड्यूटी कर रहे थे. मृतक के पुत्र ने बताया कि उसकी तबीयत पिछले तीन-चार दिनों से खराब था परंतु छुट्टी मांगने पर अधिकारी द्वारा बोला गया कि आज ड्यूटी कर लो कल से छुट्टी दे देंगे और साथ में मृतक के पुत्र को भी आने के लिए कहा गया था. इधर चिकित्सा पदाधिकारी जे कच्छप से फोन द्वारा पूछने पर बताया कि उसको बुखार हुआ था और नेचुरल मृत्यु हुआ है.

नुक्कड़ नाटक से दी योजनाओं की जानकारी

इटकी। भारतीय लोक कल्याण संस्थान के कलाकारो द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत इटकी प्रखंड के विभिन्न गांवों में नुक्कड़ नाट्य प्रस्तुत कर आयोजित कर परिवार नियोजन पर ग्रामीणों को जागरूक किया .कूर्गी बाजार टांड में आयोजित कार्यक्रम में नुकड़ नाट्य के माध्यम से अपने कला का सफल मंचन करते हुये परिवार नियोजन नही कराने और अधिक बच्चों से होने पर लाभ हानि की जानकारी दी गयी. जिसमें नाट्य प्रस्तुत करने वाले मुख्य कलाकार पुनम,फूल कुमारी, प्रेम,जीवन और निर्भय शामिल थे .

पांच दिवसिय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

रातू। शिक्षक दिवस के अवसर पर बेलांगी फुटबॉल स्टेडियम में पांच दिवसिय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन युवा विकास क्लब बेलांगी ने किया . फुटबॉल प्रतियोगिता का उदघाटन रातू प्रखंड प्रमुख संगीता देवी के द्वारा किया गया. उद्घाटन मैच, फर्स्ट जोन रांची एवं मलमाडू शाहदेव भगत टीमों के बीच खेला गया,जिसमे शाहदेव भगत टीम मलमाडू एक गोल से विजयी रही. प्रतियोगिता में कुल 32 टीमें भाग ले रही हैं. फाइनल मैच 9 सितंबर को खेला जाएगा. मौके पर झामुमो नेता महावीर विश्वकर्मा, मुखिया लहना पंचायत मेरी भगत, उप मुखिया परमेश्वर सिंह, बिश्राम उरांव, लखन गोप लाला कुजूर, दिलीप तिग्गा, चारो तेजू टोप्पो, शंकर उरांव,तिग्गा, रोशन तिग्गा आदि उपस्थित थे.

आयोजन : राज्यपाल गंगवार का कोलेबिरा में जन संवाद सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम

उज्ज्वला, आवास और नल जल योजना का लोगों से जाना हाल

संवाददाता। सिमडेगा

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को कोलेबिरा पंचायत भवन में एक दिवसीय दौरे में पहुंचे, जहां राज्यपाल का स्वागत उपायुक्त और एसपी ने स्वागत किया. जिला प्रशासन की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. उपायुक्त अजय कुमार सिंह कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सिमडेगा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी.

साथ ही यहां की आजीविका के साधनों के बारे में बताया. वहीं खेल के क्षेत्र में यहां के खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय पहचान की बात भी राज्यपाल के सामने रखी. फिर कोलेबिरा पंचायत के ग्रामीणों से

सिमडेगा में राज्यपाल संतोष गंगवार को गार्ड ऑफ ऑनर देते पुलिस के जवान.

सीधा संवाद कार्यक्रम हुआ. संवाद करके सरकार की योजनाओं का उन्हें लाभ मिल रहा है या नहीं, इसकी जानकारी राज्यपाल ने ली . ग्रामीणों ने राज्यपाल से कोलेबिरा आईटीआई कॉलेज जो पांच साल से बन कर तैयार है, लेकिन शुरू नहीं हो सका, इसकी बात रखी .जिसपर राज्यपाल ने यहां के लोकल विधायक एवं सांसद के पास इसकी बात रखने की बात कही. कोलेबिरा के बरवाडी में एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम बनाने की मांग भी लोगों ने रखी. जिससे यहां के खिलाड़ियों को और आगे बढ़ाया जा सके. कृषकों ने कम फसल होने के संबंध में जानकारी दी और पलायन रोकने के लिए सिंचाई की सुविधा बढ़ाने की मांग की. अपने कार्यक्रम के तहत राज्यपाल ने लोगों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया. जिसमें ट्राई साइकिल, आवास योजना, बिरसा हरित योजना के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया. वही कार्यक्रम में लखपति दीदी जो एसएचजी से जुड़ी हुई हैं, राज्यपाल ने योजना का लाभ कैसे मिल रहा है उसकी जानकारी ली. इसे लेकर उपायुक्त को लोगों की जन्म समस्या के निवारण के लिए बात कही.

राज्यपाल ने खूंटी में कटहल प्रोसेसिंग यूनिट का लिया जायजा

खूंटी। राज्यपाल ने गुरुवार को खूंटी के कदमा स्थित कटहल प्रोसेसिंग यूनिट का जायजा लिया. इस दौरान दीदियों से संवाद कर उनकी आर्थिक स्थिति के बारे में जाना और समझा. साथ ही निर्मित विभिन्न उत्पादों को देखने के बाद उनका उत्साह बढ़ाया. राज्यपाल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाएं आमजन के कल्याणार्थ संचालित हैं. एक समय था जब केंद्र से भेजी गई राशि लोगों तक नहीं पहुंचती थी, लेकिन अब व्यवस्था में सुधार हुआ है. आज प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता से योजनाओं का लाभ सीधे लोगों के बैंक खातों में पहुंच रहा है.

झानद ने किया रातू प्रखंड कार्यालय में प्रदर्शन

रातू। झारखंड नवनिर्माण दल व ननबैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया. उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार खून पसीने का जमा पैसा जल्द भुगतान करना सुनिश्चित करे नहीं तो जोरदार आंदोलन किया जाएगा . सहारा इंडिया, एपीलाईन, साईं प्रकाश, पल्स, बेसिल, विश्वामित्र, वेलफेयर, इत्यादि दर्जनों ननबैंकिंग में जमा पैसे भुगतान की मांग सरकार से करते हुए कहा है कि जमाकर्ता एकजुट हो जाएं और सरकार को भेजे जाने वाली भुगतान संबंधी विवरणी पर्ची भरकर 11 सितंबर को मुख्यमंत्री के समक्ष आयोजित न्याय मार्च सह जन प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र से सैकड़ो की संख्या में रांची चलने की तैयारी की अपील भी की.

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के चीफ प्रॉक्टर की नियुक्ति के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधि

चीफ प्रॉक्टर डॉ मयंक रंजन की नियुक्ति पर उठे सवाल

आकाश तिवारी। कांके

सेंट्रल यूनिवर्सिटी, झारखंड के वर्तमान चीफ प्रॉक्टर मयंक रंजन की नियुक्ति एक बार फिर से सवालों के घेरे में है. इस बार मयंक की नियुक्ति के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधि सामने आ गये हैं. पंचायत प्रतिनिधियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान चीफ प्रॉक्टर मयंक रंजन की नियुक्ति गलत दस्तावेज के आधार पर की गयी है. नियुक्ति में घोर अनियमितता बरती गयी है.पंचायत प्रतिनिधियों ने नियुक्ति की जांच करा कर कार्रवाई की मांग को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव, चांसलर और वीसी से भी लिखित शिकायत की है. वहीं मामले को लेकर आंदोलन करने की भी रणनीति तैयार की जा रही है. आंदोलन की रणनीति को लेकर पंचायत प्रतिनिधि जल्द ही बैठक कर सकते हैं.

जानिए चीफ प्रॉक्टर डॉ मयंक रंजन की नियुक्ति कैसे हुई : पंचायत प्रतिनिधियों ने नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि डॉ मयंक रंजन अक्टूबर वर्ष 2013 में सहायक प्राध्यापक के रूप में नियुक्त किए गए थे. इसके पहले जुलाई 2013 में उनकी नियुक्ति गेस्ट फैकल्टी सहायक प्राध्यापक इंग्लिश स्टडीज के रूप में सीयूजे में की गई थी. बाद में दिसंबर 2019 में उनकी सीधी नियुक्ति सह प्राध्यापक के रूप में सीयूजे में हुई. पहली बार जब इनकी नियुक्ति गेस्ट फैकल्टी सहायक प्राध्यापक के रूप में हुई थी, तब उन्होंने खुद को एसएस कॉलेज मेहुस शेखपुरा टीएमबीयू, भागलपुर और विश्वनाथ सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, मुंगेर में विजिटिंग लेक्चरर बताया था. 35,000 रु प्रतिमाह की नौकरी पर अज्ञात संस्थान में कार्य करने का उल्लेख किया था.

अनुभव के उल्लेख में भारी हेराफेरी : पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि सवाल यह है कि एक व्यक्ति एक साथ अलग -अलग जगहों पर विजिटिंग प्रोफेसर और नियमित लेक्चरर कैसे हो सकता है. वहीं उनकी पीएचडी की अवधि भी सवालों के घेरे में है. डॉ मयंक रंजन के अनुभव पत्र में भी कई तरह की अनियमिताएं हैं. जुलाई 2013 में दिए अनुभव पत्र में मयंक ने मेहुस शेखपुरा में छह माह कार्य करने का जिक्र किया है. वहीं अक्टूबर 2013 में स्थायी नियुक्ति के समय मेहुस शेखपुरा में 14 माह कार्अय करने का अनुभव होने की बात कही थी.इसके अलावा मुंगेर कॉलेज में कार्य का अनुभव पूर्व के डेढ़ वर्ष की जगह अचानक घट कर 10 माह का हो गया है.

खास बातें

- पंचायत प्रतिनिधियों ने जांच कर कार्रवाई करने की मांग की
- केंद्रीय शिक्षा मंत्री, विवि के चांसलर व वीसी को भी लिखा पत्र

सह प्राध्यापक के रूप अनुभव चौंकानेवाला

सह प्राध्यापक बनने के लिए वर्ष 2019 में जिस अनुभव का उल्लेख उन्होंने किया है, वह काफी चौंकाने वाला है. डॉ मयंक रंजन ने मुंगेर कॉलेज में 17 जनवरी 2008 से 28 मार्च 2010 तक विजिटिंग फैकल्टी होने और 29 मार्च 2010 से चार जनवरी 2013 तक उसी मुंगेर कॉलेज में नियमित सहायक प्राध्यापक होने का उल्लेख किया है. पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि ये सारी बातें एक -दूसरे की विरोधाभासी हैं, जो व्यापक पैमाने पर की गई गड़बड़ी और हेरफेर की ओर इशारा करती हैं.

कई संस्थानों ने किया था अयोग्य घोषित

उनका पीएचडी में रजिस्ट्रेशन पांच सितंबर 2007 को हुआ था और उन्हें डिग्री मार्च 2010 में टीएम भागलपुर यूनिवर्सिटी से ढाई साल में ही पूरी होकर मिल गई. बीपीएससी पटना ने अपने विज्ञापन संख्या 45/2014 में आवेदन करने वालों में से अयोग्य पाए गए अभ्यर्थियों की सूची जारी की थी. उस सूची के क्रम संख्या 54 पर डॉ मयंक रंजन का नाम था, जिसमें उन्हें अयोग्य बताया गया था. ऐसे में उनको सीयूजे प्रशासन ने 2013 में ही कैसे योग्य उम्मीदवार मान कर सहायक प्राध्यापक के रूप में बहाल कर दिया था. इसके साथ ही उनकी नियुक्ति के लिए आरक्षण रोस्टर तक को ताक पर रख दिया गया.

सीयूजे में आरक्षित सीट को सामान्य किया गया!

इंग्लिश स्टडीज विभाग सीयूजे रांची में एक प्राध्यापक, दो सह प्राध्यापक और चार सहायक प्राध्यापक के पद स्वीकृत हैं. इनमें से दो सह प्राध्यापकों में से एक सीट एसटी उम्मीदवार के लिए आरक्षित थी. एक पद पर सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी का चयन पहले ही हो चुका था. मार्च 2019 में एसटी उम्मीदवार के लिए विज्ञापन निकाला गया था, लेकिन दिसंबर 2019 में इसे सामान्य बना कर दोबारा प्रकाशित किया गया था, जिसमें मनमाने ढंग से सीट की संख्या बढ़ाकर दो कर दी गई. उन दोनों सीटों पर सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी को चयनित किया गया, जिनमें से एक डॉ मयंक रंजन भी शामिल हैं. आरोप है कि इसे लेकर पूर्व में भी शिकायत की गई थी.

चांसलर जेपी लाल ने कहा- मैं कुछ नहीं बोल सकता हूं

सीयूजे के चांसलर जयप्रकाश लाल ने कहा कि वे कुछ नहीं बोल सकते. कुलपति ही इस मामले में कुछ बोल और बता सकते हैं. ये उनके अधिकार क्षेत्र का मामला है. कुलपति को बार-बार फोन किया, पर रिसीव ही नहीं किया. शुभम संदेश संवाददाता ने मामले की जानकारी लेने के लिए कुलपति को भी लगातार फोन कर उनका पक्ष जानने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव ही नहीं किया. संवाददाता ने 31 अगस्त को दोपहर 1.24 बजे दो बार फोन लगाया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया. बाद भी उन्होंने फोन नहीं किया. इस मामले में यदि कुलपति का पक्ष आता है, तो हम उसे भीप्रकाशित करेंगे.

न्यूज अपडेट

सरकारी व निजी स्कूलों में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया

सोनाहातू/ राहे। प्रखंड क्षेत्र के सरकारी और निजी स्कूलों में गुरुवार को शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया. स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई. वही छात्र-छात्राओं ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद कर उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया. राहे स्थित सर्वोदय स्कूल में कार्यक्रम का उद्घाटन उप प्रमुख उमेश प्रसाद ,मुखिया कृष्ण पातर ने संयुक्त रूप से किया गया. दसवीं के विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों को सम्मानित किए. मौके पर स्कूल के प्राचार्य ज्ञान महतो, प्रबंधक हराधन महतो, निदेशक सुनील कुमार महतो, क्षेत्रमोहन महतो, संजय शिखर ,मनोज साव , पूर्ववर्ती शिक्षकों में पशुपति महतो, सैनाथ महतो, विष्णुचरण महतो आदि मौजूद थे.

स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की मांग

सिल्ली/मुरी। आजसू सिल्ली नगर समिति ने सिल्ली के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को मांग नत्र सौंपकर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को ठीक करने की मांग की है. क्षेत्र में डेंगू मरीज के मिलने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने को लेकर ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में 24 घंटे डॉक्टर की सेवाएं दी जाने और दवाइयां उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है.मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र करमाली, नगर अध्यक्ष भरत साय, युवा अध्यक्ष सूरज उपाध्याय, संजीत सिंह देव ,मनोज साव, सुरेश मुंडा, बादल मुंडा, निर्मल मंडल, रवि सिंह, बबलू गोस्वामी,प्रदीप विश्वकर्मा,मनोज रजक, रमेश गोस्वामी,सुशील महतो आदि मौजूद थे.

बुद्धा पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बुद्धा पब्लिक स्कूल सिल्ली (टुटकी) में गुरुवार के दिन शिक्षक दिवस मनाया गया. विद्यार्थियों के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के फोटो पर फूल और माला अर्पण कर किया गया. तत्पश्चात विद्यार्थियों के द्वारा एक से बढ़कर एक नृत्य का प्रस्तुति दिया गया साथ ही साथ गीत गाकर शिक्षकों का मन मोह लिया. इस मौके पर विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक, प्राचार्य वी सुधीर राव, राहुल भद्रा,गोविंन्दर, नकुल बड़ाईक, लंकेश्वर, प्रतिमा देवी, हर्ष कुमारी, अंजली कुमारी, आशा चौधरी, प्रेमचंद, जितेंद्र महतो, विपुल रॉय, राकेश, सुजाता, शालिनी समेत स्कूल के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे.

सभी को शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए:पूनम

ओरमांझी। डीएवी स्कूल मुन्ना पतरा चकला ओरमांझी में विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास के साथ शिक्षक दिवस मनाया. स्कूल की प्राचार्या पूनम दूबे ने देश के महान शिक्षाविद, प्रथम उप राट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. तत्पश्चात स्कूल के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भी उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए. साथ ही सभी नतमस्तक होकर उनकी निस्वार्थ त्याग एवं देश के प्रति उनके योगदान को याद किया. शिक्षक न केवल राष्ट्र निर्माण करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के सुंदर मन को भी बाहर निकालने का काम करते हैं. स्कूल के विद्यार्थियों ने शिक्षक को के सम्मान में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें नृत्य संगीत भाषण इसकी एवं कविता की उपस्थित सभी शिक्षक बच्चों द्वारा की गई प्रस्तुतीकरण से बहुत प्रसन्न हुए.

ट्रेलर की टक्कर, पत्नी की मौत, पति घायल

ओरमांझी। एनएच 33 पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ओरमांझी के पास अज्ञात ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार पत्नी की मौत हो गई और पति घायल हो गया. घटना गुरुवार को दिन के तीन बजे की है. मृतका रूपा देवी मनातू गांव निवासी थी. वहीं घायल रूपा के पति भोलेशंकर पाहन का पिस्का सीएचसी में इलाज कराया गया. बताया जाता हैकि भोलेशंकर अपनी पत्नी केसाथ ओरमांझी बैंक ऑफ इंडिया से घर लौट रहा था. इसी बीच रांची से रामगढ़ की ओर जा रहे ट्रेलर ने उसे अपने चपेट में ले लिया. टक्कर से भोलेशंकर सड़क के दूसरी ओर गिर पड़ा और पत्नी सड़क पर गिर गई. स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी. सूचना मिलने पर ओरमांझी पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया.

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत सामग्री का वितरण

बुढ़मू। थाना क्षेत्र के उग्रवाद प्रभावित छापर ग्राम स्थित राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय छापर में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच कॉपी, पेन, पेंसिल, स्केच, स्ट्रूमेंट बॉक्स,फुटबॉल, चॉकलेट और बिस्कुट आदि का वितरण किया गया. डीएसपी ने कहा की सुदूर क्षेत्रों में उग्रवाद पनपनेका सबसे मुख्य कारण शिक्षा की कमी है. कार्यक्रम में डीएसपी खलारी रामनारायण चौधरी, पुलिस निरीक्षक मांडर शशिभूषण चौधरी, थाना प्रभारी बुढ़मू और शिक्षक आदि मौजूद थे.

एसएसवीएम में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

संवाददाता। चान्हो

बिजुपाड़ा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में गुरुवार को पूरे धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ शिक्षक दिवस व सांस्कृतिक कार्यक्रम मनाया गया. कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो ने द्वीप प्रज्वलित कर व डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया. इस अवसर पर भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो ने डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए गए मार्ग पर चलने का आहवान किया. यह दिन स्टूडेंट्स के जीवन को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका वाले शिक्षकों को समर्पित है. हम सभी को सदा शिक्षकों का मान-सम्मान करना चाहिए और उनकी बातों पर अमल करना चाहिए. .मौके पर सचिव बबिता सिंह,अध्यक्ष नंद किशोर साहू व योगेंद्र यादव सहित सभी अभिभावक समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे.

फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स में मनाया गया शिक्षक दिवस

राधाकृष्णन महान शिक्षाविद थे: डॉ शाहीन

संवाददाता। ओरमांझी

फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स में भारत के पहले उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्ण के जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने रंगारंग प्रोग्राम का आयोजन कर अपने सभी शिक्षकों को सम्मानित किया संस्थान के निदेशक डॉ शाहीन कौशर ने कहा की भारत के पहले उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्ण राजनेता होने के साथ-साथ एक मशहूर दार्शनिक, शिक्षाविद भी थे. वह शिक्षा के बड़े पक्षधर रहे. उन्होंने भारतीय संस्कृति का देश- विदेश में प्रचार-प्रसार किया. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने प्रेजीडेंसी कॉलेज, मद्रास में दर्शनशास्त्र पढ़ाया. शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्य रूप से संस्थान के प्राचार्या श्रीमती विनिशा बांसरियार, डॉ संजीव कुमार कर,डॉ सुधीर कुमार खुंटिया, आशुतोष बेहरा, ज्योति ग्लोरिया ,पवन कुमार, बिनीता खलखो, बिन्हा खलखो, वर्षा कुमारी, रेशमा लकरा,मो० कलाम अंसारी, सादिक अंसारी, हाजी मंसूर अंसारी,जन्नत परवीन, परफुल्लित, मजहर अंसारी, प्रियातोश रंजन, शशि कुमार, आदि उपस्थित थे.

कार्यक्रम में शामिल शिक्षक और विद्यार्थी.

टूर्नामेंट पांच दिवसीय शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट-2004 का समापन

मैसी झारखंड एफसी चचकोपी की टीम बनी चैंपियन

संवाददाता। मांडर

शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास और युवा विकास क्लब, बुढ़ाखुखरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रांची जिला अंतर्गत मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में गुरुवार को खेले जा रहे शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट-2024 का ट्रॉफी मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो ने अपने नाम कर लिया. पांच सितंबर को फाइनल मैच मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो और सुमित ब्रदर्श रानीखटंगा के बीच खेला गया. इसमें ट्राइब्रेकर में झारखंड एफसी ने 5-4 गोल से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमा लिया. टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में सुमित ब्रदर्श रानीखटंगा ने तिग्गा परिवार एफसी को 1-0 और दूसरे सेमीफाइनल में मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो ने ट्राइब्रेकर में ओल्ड इज गोल्ड रांची को 7-6 गोल से हराकर फाइनल में प्रवेश किया.

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करतीं अतिथि.

इससे पहले फाइनल मैच का उद्घाटन अतिथि शिल्पी नेहा तिर्की, (विधायक, मांडर विधानसभा क्षेत्र), विषिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक सह कार्यकारी अध्यक्ष झारखंड प्रदेश कांग्रेस बंधु तिर्की, बंझिला पचायत की मुखिया सोहंती एक्का, शहीद की पत्नी विमला देवी, मांडर प्रमुख फिलिप सहाय एक्का, उप प्रमुख अमानत अंसारी, खलारी इंस्पेक्टर शशिभूषण चौधरी सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय कर किया. मौके पर अतिथियों ने खिलाड़ियों और आयोजन समिति के सदस्यों का मनोबल बढ़ाया और इस तरह के आयोजन के लिए बधाई दी. साथ ही अतिथियों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया. विजेता टीम मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो को मुख्य अतिथि लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने 75 हजार रुपए नगद और ट्राफी देकर सम्मानित किया.वहीं उपविजेता टीम सुमित ब्रदर्श रानीखटंगा को मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने 45 हजार नगद और ट्राफ़ी प्रदान किया. इसके अलावा तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम ओल्ड इज गोल्ड रांची को बंझिला पंचायत की मुखिया सोहंती एक्का ने 11 हजार नगद और चौथे स्थान पर रहनेवाली तिग्गा परिवार एफसी की टीम को 11 हजार नगद देकर सम्मानित किया. मैन ऑफ दी सिरीज सुमित ब्रदर्श के संदीप कुजूर को इंस्पेक्टर शशिभूषण चौधरी और मैन ऑफ दी मैच चचकोपी बेड़ो के दीपक कच्छप को मांडर प्रमुख फिलिप सहाय एक्का ने प्रदान किया.

लापुंग प्रखंड में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया

बच्चों की नजर में शिक्षक सबसे ऊपर : देवेन्द्र

संवाददाता। लापुंग

भारत के महान शिक्षक एवं दिवंगत राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 136 वीं जयंती के मौके पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया . इस मौके पर राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया में दीप प्रज्ज्वलित कर बतौर मुख्य अतिथि ककरिया की मुखिया बिरसमुणी देवी एवं विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस मौके पर बिरसमुणी देवी ने कहा कि गुरु शिष्य की प्राचीन परंपरा में काफी बदलाव आया है. वहीं राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय डाडी.में प्रभारी प्रधानाध्यापक सलीम सहाय तिग्गा, राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग में अमरेन्द्र कुमार राय, राजकीय मध्य विद्यालय लापुंग में डीडीओ शिव प्रकाश महतो, राजकीय मध्य विद्यालय चम्पाडीह में विद्यालय की प्रधान शिक्षिका सागेन होरो, राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय सरसा में प्रधान शिक्षक बहादुर उरांव के नेतृत्व एवं देखरेख में छात्र-छात्राओं ने शिक्षक दिवस के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झड़ी लगा दी. इस मौके पर मो समीउल्लाह हक, सूरज प्रसाद सिंह, हेमंत कुमार, कालीचरण चौधरी सहित शिक्षक शिक्षकों के देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि बिरसमुणी देवी मौजूद रहीं.

पार्वती देवी का टीसीबी निर्माण स्थल, जहां कोई काम नहीं हुआ है.

मनरेगा योजना का हाल: मुखिया और लाभुक को पता नहीं और निकल गए पैसे

विभाग की सांठगांठ से बिचौलिए ने निकाल लिए 67 हजार

संवाददाता ।रांची/गारु

लातेहार के गारू प्रखंड में मनरेगा योजना के तहत काम कराये बिना 67 हजार की निकासी कर ली गई है. यह काम प्रखंड कार्यालय की सांठगांठ से किया गया है. इसकी जानकारी झारखंड नरेगा वाच के संयोजक जेम्स हेरेंज व उनकी टीम ने दी है. जेम्स हेरेंज के मुताबिक प्रखंड मुख्यालय से सटे समोंधटोला में पार्वती देवी (योजना कोड 1900629), अरविन्द उरांव (योजना कोड 1900632) तथा मानवेल उरांव (योजना कोड 1900635) का टीसीबी निर्माण होना बताया गया है. 27 अगस्त को वेज लिस्ट सृजित कर राशि भुगतान की जानकारी दी गई. इस बारे में हमने जब जांच की तो पता चला कि काम हुआ ही नहीं है. लाभुक को योजना के बारे में जानकारी ही नहीं है.

बिचौलियों और प्रखंड कार्यालय के कंप्युटर ऑपरेटर की सांठगठ से मनरेगा योजना में धांधली की जा रही है. 18 अगस्त को तीन योजनाओं का एक-एक दिन का मस्टर रोल सृजित कर योजनाओं को पहले ऑनगोइंग दिखाया गया. फिर 19 से 25 अगस्त तक ग्राम सुरकुमी, अरमू भवरदहा, अरमू तथा गारू के मजदूरों के नाम से फर्जी मस्टर रोल सृजित किए गए. मानुवेल उरांव की योजना में 15 मजदूर, अरविन्द उरांव के योजना में 16 एवं पार्वती देवी के योजना में 10 मजदूर दिखाया गया. फर्जी मजदूरों में धांगरटोला के कृष्णा प्रसाद (4666), कृष्णा कुमार (6892) संजय प्रसाद (8127), नेहा कुमारी (9420), बबिता देवी (9774), हीरा प्रसाद (1617), चिंता देवी (41313), मनोज प्रसाद (9193) आदि का नाम शामिल है.

क्या कहता है मनरेगा वेबसाईट

मनरेगा वेबसाईट में दर्ज सूचना के अनुसार तीनों योजनाओं में कुल 67 हजार रुपये सरकारी राशि की निकासी कर ली गई है. पार्वती देवी के योजना की प्राक्कलित राशि 38 हजार की है, जिसमें 16,592 रुपये की राशि निकासी की गई है. इसी तरह अरविन्द उरांव तथा मानुवेल उरांव के योजना की प्राक्कलित राशि 38 हजार में से क्रमश: 26,384 व 24,752 रुपये की निकासी कर ली गई है.

पेज एक का शेष

आदिवासी सीएम बनने लगा...

हमारे राज्य में कोई योजना या कानून आता है तो गैर संवैधानिक हो जाता, मगर वही भाजपा राज्य में संवैधानिक. उन्होंने कहा कि ये लोग बड़े-बड़े ऊंचे-ऊंचे पदों पर बैठ कर सदियों से पूरे देश में आदिवासी-पिछड़ों का शोषण किया है. अब जब हम मंत्री बन रहे हैं मुख्यमंत्री बन रहे है तो इनके पेट में दर्द हो रहा है. हमको चार साल से चैन से बैठने नहीं दिया.

त्यों त्यों प्यासेई रहत, ज्यों-ज्यों पियत अघाई...

मुख्यमंत्री भगवंत मान आये दिन केंद्र से मदद की गुहार लगा रहे हैं. बहरहाल, गनीमत यह रही कि लोकसभा चुनाव में महिलाओं को खटाखट एक लाख देने की गगनचुंबी घोषणा का अपेक्षित लाभ नहीं मिला. संविधान और आरक्षण बचाने के नशीले विमर्श भी सरकार बनवाने की हद तक कामयाब नहीं हुए. अन्यथा विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुका यह देश हाईवे से पगडंडियों की ओर लौट रहा होता. ऐसा नहीं है कि भाजपा और एनडीए ने रेवड़ियों की घोषणा नहीं की है. लाडली बहना योजना, महतारी वंदन योजना आदि भी वही हैं.
लेकिन छत्तीसगढ़ की आर्थिक स्थिति मजबूत है. मध्यप्रदेश भी हिल जरूर रहा है पर चिंतित नहीं है. महाराष्ट्र, गुजरात भी संतुलन बनाये हुए हैं. अलबत्ता आंध्रप्रदेश की स्थिति ढीली है, बिहार भी हिल रहा है और उत्तरप्रदेश की स्थिति कभी भी डांवाडोल हो सकती है. ओडिशा की स्थिति बेहतर है, लेकिन वामपंथी राज्य केरल डगमगा रहा है. तमिलनाडु संभला हुआ है, लेकिन तेलंगाना फिसलन भरी राह पर है. मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रतिस्पर्धाएं मतदाताओं की प्यास बढ़ाती हैं. ये रेवड़ियां सलोनी यानी नमकीन होती हैं और नमकीन पानी जितना पीया जाए, प्यास उतनी ही बढ़ती जाती है. राजनीतिक दल चुनावी वायदे में अधिक से अधिक आकर्षक रेवड़ियां लुटाते हैं और वोटों की फसल काट ले जाते हैं. लेकिन जनता को यह लत पड़ जाती है तो छूटती ही नहीं है, क्योंकि प्यास बुझती ही नहीं है. बिहारी का एक दोहा है-त्यों त्यों प्यासेई रहत, ज्यों-ज्यों पियत अघाई, सगुन सलोनो रूप की जनु चख तृषा बुझाइ.

जब से नीति आयोग बना है, तब से राज्यों के वित्तीय प्रबंधन पर केंद्र की निगरानी कम हुई है. योजना आयोग के जमाने में राज्यों से कैपिटल एक्सपेंडिचर, रेवेन्यू कलेक्शन और डेवेलपमेंट एक्सपेंडिचर पर सवाल पूछे जाते थे. जब से यह व्यवस्था खत्म हुई है, राज्य वित्तीय मामलों में थोड़े निरंकुश हो गये हैं. मतदाताओं को रेवड़ियां इसलिए आकर्षित करती हैं कि आर्थिक विषमता कम होने के बजाय बढ़ रही है. बेरोजगारी और महंगाई भी बेकाबू हैं. इसलिए राजनीति के मदारियों के झोले से निकली रेवड़ियां जादू कर जाती हैं और दिमाग काम करना बंद कर देता है. चुनाव के मद्देनजर झारखंड में भी योजनाएं शुरू की गयी हैं. चाहे मईंया योजना हो या बिजली बिल माफी या अन्य. पांच साल तक तो सरकार ने ऐसी कोई योजना नहीं चलाई. अब ला रही है, क्योंकि चुनाव सिर पर है. भाजपा वाले कह रहे हैं वे इससे बढ़िया योजना लाएंगे. वही होड़ वाली राजनीति. बांटे कोई भी, माल तो महाराज यानी जनता का ही है, लेकिन उसे बांटने का श्रेय मिर्जा को ही जाएगा. हालांकि झारखंड की माली हालत अपेक्षाकृत ठीक है, क्योंकि खनिज संपदाओं और कल कारखानों से राज्य को अच्छा-खासा राजस्व मिल जाता है. इन रेवड़ियों का मामला सुप्रीम कोर्ट भी गया था लेकिन वहां से भी कोई दो टूक फैसला नहीं आया है. यही सबसे बड़ी समस्या है. नेता और राजनीतिक दल अपनी आदतों से बाज आएंगे नहीं. वे चुनाव जीतने के लिए सब कुछ फ्री कर देंगे, अर्थव्यवस्था का कबाड़ा कर देंगे, खुद चहकेंगे और भविष्य की चिंता में जागरूक लोग टहकेंगे. देश खस्ता हाल हो जाएगा. इन रेवड़ियों के खिलाफ माहौल बनाया जाना चाहिए. राजनीति को मुद्दों पर खींचकर लाना चाहिए. मगर यह करेगा कौन ? समाज का हर तबका बंटा हुआ है. जनता को मुफ्तखोरी का चस्का लगा दिया गया है. ऐसे में न्यायपालिका का हस्तक्षेप आवश्यक है. वह तय करे कि रेवड़ियों और योजनाओं में क्या अंतर है और यह भी कि राजनीतिक दलों को अर्थव्यवस्था का कबाड़ा करने की छूट नहीं दी जा सकती.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही उत्तम है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें. लंबी यात्रा का योग बन रहा है.

वृष संतान के लिए समय शुभ है. असमंजस की स्थिति बनेगी. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है.

मिथुन सुख का सामान एकत्र होगा. गलत दोस्तों से दूरी बनाएं. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कर्क बड़ा कार्य होने से मन प्रसन्न होगा. धन का आगमन होगा. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आय बनी रहेगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

सिंह पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. कोई लंबी यात्रा टालें. मित्रों का साथ मिलेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या कार्य बनने से मन में संतुष्टि होगी. पुराने रोग को नजरअंदाज न करें. व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है. फल का दान करें.

तुला कोई कार्य सोच विचार कर ही करें. कहीं बाहर की यात्रा बन सकती है. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेगा.

वृश्चिक धर्म और सामाजिक कार्य पर खर्च होगा. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं.

धनु परिवार में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी.

मकर किसी वरिष्ठ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है.

कुंभ कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. मंदिर में मिठाई का दान करें.

मीन जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें.

लगाया आरोप :15 सिपाही अभ्यर्थियों की मौत का मामला

परीक्षा केंद्रों पर पूरी तरीके से बदइंतजामी रही : प्रतुल

संवाददाता ।रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार चुनाव से पूर्व अपने चेहरे को चमकाने की हड़बड़ी में है, जिसके कारण 15 उत्पाद सिपाही अभ्यर्थियों की मौत हुई है. प्रतुल ने गुरुवार को बयान जारी करके कहा कि शारीरिक परीक्षा के केंद्रों में पूरे तरीके से बदइंतजामी और मिस-मैनेजमेंट रहा. 24 घंटे पहले तक अभ्यर्थियों को लाइन में लगा दिया गया. भूखे प्यासे अभ्यर्थियों को उमस भरी गर्मी में दौड़ा दिया गया. केंद्रों में इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं थी. अस्पतालों में भी इलाज में लापरवाही हुई, जिसके कारण 15 होनहार अभ्यर्थियों ने अपना जीवन गवां दिया. 300 से ज्यादा अभ्यर्थी अभी भी अस्पतालों में जीवन मौत के बीच में झूल रहे हैं.

प्रतुल ने कहा कि इन 15 मौतों के लिए हेमंत सरकार जिम्मेवार है. हेमंत सरकार सिर्फ आरोप से ध्यान बांटने के लिए इन मौतों के पीछे कोरोना वैक्सीन को जिम्मेदार बता रही है. इसी कोविशील्ड वैक्सीन को

90 देशों में दिया गया. भारत में 180 करोड़ इस वैक्सीन के डोज लगाए गए. मार्च में ही वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में कोविशील्ड वैक्सीन ने कोरोना के रोकथाम में बड़ी भूमिका निभाई. इसी रिपोर्ट में इस बात का जिक्र है कि ब्लड क्लॉटिंग की समस्या की बातें भारत में सिर्फ 0.000003 प्रतिशत रहा है. प्रतुल ने कहा कि ब्रिटिश कोर्ट में वैक्सीन बनाने वाली एस्ट्रेजनेका कंपनी ने भी बताया था की जो भी इस वैक्सीन के नगण्य संख्या में साइड इफेक्ट है, वह कोरोना वैक्सीन के पहले डोज के पहले महीने के भीतर दिखते हैं. यानी 2024 में कोरोना वैक्सीन के कारण किसी साइड इफेक्ट की कोई संभावना नहीं है. प्रतुल ने कहा कि उत्पाद सिपाही अभ्यर्थियों की दौड़ में सरकार ने सिर्फ चुनाव से पूर्व चेहरे को चमकाने के लिए 6 लाख अभ्यर्थियों की जान को खतरे में डाल दिया. भर्ती केंद्रों पर ना पानी की व्यवस्था थी ना ग्लूकोज की और ना ही कोई आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था थी. गर्मी के कारण बेहोश होकर गिरने वाले अभ्यर्थियों को तुरंत अस्पताल ले जाने की भी व्यवस्था नहीं थी. इन 15 उत्पाद सिपाही के अभ्यर्थियों की मौतों के लिए राज्य सरकार जिम्मेवार है. वह कोई भी बहाने कर ले, उसके दामन से इन मौतों का दाग नहीं मिट सकता. प्रतुल ने कहा कि सबसे अफसोसजनक बात है कि भारतीय जनता पार्टी सभी अभ्यर्थियों को एक लाख रुपये मुआवजा दे रही है और उनके घरों पर भी जा रही है. इसके मुकाबले इस निष्ठुर सरकार ने अभी तक ना तो उनके इलाज की व्यवस्था की है ना कोई मुआवजा दिया है. यह लाशों पर झूठी राजनीति करने वाली राज्य सरकार है

भूमि अधिग्रहण में तत्परता से काम करे सरकार: अर्जुन मुंडा

संवाददाता ।खूंटी

रांची से खूंटी तक फोर लेन एनएच का निर्माण और खूंटी बाईपास के लिए भारत सरकार ने गत 22 अगस्त 2024 को भूमि अधिग्रहण संबंधी गजट प्रकाशित कर दिया है. पूर्व मुख्यमंत्री और खूंटी के पूर्व सांसद अर्जुन मुंडा ने गुरुवार को ट्वीट कर राज्य सरकार और जिला प्रशासन से भूमि अधिग्रहण के लिए तत्परता से काम करने का आग्रह किया है, ताकि खूंटी वासियों की यह बहुप्रतीक्षित मांग जल्द पूरी हो सके.
खूंटी बाई पास रोड का शिलान्यास इसी वर्ष 10 मार्च को खूंटी में हुआ था. केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 2500 करोड़ की लागत से दो सड़कों का शिलान्यास किया था. रांची से खूंटी तक फोर लेन एनएच का निर्माण, जिसमें खूंटी बाईपास भी शामिल है, 15 15 मार्चा 2024 को 1907.31 करोड़ रुपये की लागत से इसकी स्वीकृति दी गई है. यह सड़क तुपुदाना से कुंदी बरटोली तक 31.31 किलोमीटर लंबी फोर लेन है. इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया 13 मार्च 2024 को आमंत्रित की गई थी. इस परियोजना में 156.6 हेक्टेयर निजी भूमि और 15 हेक्टेयर वन भूमि का अधिग्रहण शामिल है.

बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण आदिवासी समाज पर संकट : चंपाई सोरेन

संवाददाता ।रांची

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने एक बार फिर झारखंड में घुसपैठ को लेकर चिंता जाहिर की है. खासकर संथाल परगना में लगातार हो रही बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर सवाल उठाया है. गुरुवार को सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा है कि संथाल-परगना में लगातार हो रही बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण आदिवासी समाज के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है. वहां दर्जनों गांव ऐसे हैं, जहां आदिवासी खोजने पर भी नहीं मिल रहे. उदाहरण के तौर पर पाकुड़ के जिकरहट्टी स्थित संथाली टोला में अब कोई संथाल परिवार नहीं रहता. इसी प्रकार मालपहाड़िया गांव में आदिम जनजाति का कोई सदस्य नहीं बचा है. आखिर वहां के भूमिपुत्र कहां गए? उनकी जमीनों, उनके घरों पर अब किसका कब्जा है?

चंपाई सोरेन ने कहा कि समाज के स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि बरहेट के गिलहा गांव में एक आदिवासी परिवार की जमीन पर जबरन कब्रिस्तान बनाया गया है. ऐसी घटनाएं कई जगह हुई हैं. आप खुद देखिए कि वीर भूमि भोगनाडीह एवं उसके आस-पास कितने आदिवासी परिवार बचे हैं?

बाबा तिलका मांझी एवं वीर सिदो-कान्हू ने जल, जंगल व जमीन की लड़ाई में कभी भी विदेशी अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके लेकिन आज उनके वंशजों की जमीनों पर घुसपैठिए कब्जा कर रहे हैं. हमारी माताओं, बहनों व बेटियों की अस्मत खतरे में है. चंपाई के अनुसार घुसपैठ की समस्या हमारे लिए राजनैतिक नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दा है. अगर हम इस विषय पर खामोश रहे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी.

विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा

मैदानों के सौंदर्यीकरण से खेल प्रतिभाओं में निखार आएगा

संवाददाता ।खूंटी

विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती शुरू से ही खेल के लिए काफी उर्वरा रही है. इसी खूंटी जिले ने कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिये हैं. खूंटी विधानसभा में नई प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए विभिन्न गांवों में खेल मैदानों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है. विधायक गुरुवार को अपने विधायक मद से मुरहू प्रखंड के चार गांवों गुटुहातू, छोटा गुटुहातू, सपारूम और माइलबुरु में खेल मैदान के सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास करने के बाद उपस्थित

ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खेल मैदानों का सौंदर्यीकरण हो जाने से सुदूरवर्ती क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का निखारने का मौका मिलेगा. उन्होंने कहा कि लोगों की आशीर्वाद और सहयोग से मैं विगत 25 वर्षों से लगातार विधायक रहा हूं और आपके सुझावों के अनुसार विकास कार्य किया, आगे भी विकास की गति जारी रहेगी.

हजारीबाग के चरही के पास वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव

हजारीबाग। रांची से चलकर पटना जाने वाली वंदे भारत ट्रेन पर गुरुवार को कुछ असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया है. ट्रेन नंबर 22350 पर हजारीबाग के चरही एवं बेस रेलवे स्टेशन के बीच में पथराव हुआ. इससे ट्रेन को नुकसान पहुंचा है. बोगी नंबर ई वन की सीट नंबर 5 और 6 के पास का ग्लास पूरी तरह टूट गया. हालांकि, इससे अंदर बैठे किसी यात्री को नुकसान नहीं हुआ है. सीसीटीवी फुटेज के जरिए असामाजिक तत्वों की पहचान की कोशिश हो रही है. इस हमले को लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है और न ही किसी ओर से इस घटना की आधिकारिक पुष्टि ही की गई है. रेलवे पुलिस इस मामले में पड़ताल कर रही है कि किसने और क्यों पत्थरबाजी की, सीसीटीवी के आधार पर इसके सुराग खोजने की कोशिश की जा रही है.

आदित्यपुर-कांड्रा में मंत्री रामदास सोरेन का हुआ स्वागत

चंपाई के भाजपा में जाने से झामुमो पर कोई असर नहीं पड़ेगा : सोरेन

संवाददाता। आदित्यपुर

सरायकेला जाने के क्रम में आदित्यपुर इमली चौक और कांड्रा में मंत्री रामदास सोरेन का झामुमो नेताओं ने जोरदार स्वागत किया. मंत्री ने मौके पर पत्रकारों से कहा कि झारखंड राज्य में फिर झामुमो की ही सरकार बनेगी. बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने के बाद गुरुवार को पहली बार झामुमो की बैठक सरायकेला में हो रही है. इसमें शामिल होने मंत्री रामदास सोरेन सरायकेला जा रहे थे. इसी क्रम में आदित्यपुर इमली चौक और कांड्रा चौक पर झामुमो केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य कृष्णा बास्के के नेतृत्व में मंत्री रामदास सोरेन का झामुमो नेताओं ने भव्य स्वागत किया. मौके पर मंत्री रामदास सोरेन ने बताया कि इस बार भी पूरे प्रदेश से बीजेपी का सूपड़ा साफ होने जा रहा है.

वहीं मंत्री ने दावा किया कि सरायकेला विधानसभा सीट पर भी झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रचंड बहुमत के साथ जीतने जा रही है. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बीजेपी में जाने के बाद कोल्हान के किसी भी सीट पर कोई फर्क नहीं पड़ने जा रहा है. झामुमो सरकार में वापसी को तैयार है. इसी को लेकर आज सरायकेला में कोल्हान के झामुमो के सांसद, मंत्री और विधायक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे.

धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस, झूमे शिक्षक व विद्यार्थी

- मुरहू प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय कुंजला में आयोजित की गयी थी

संवाददाता। खूंटी

जिला मुख्यालय खूंटी सहित अन्य प्रखंडों में महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती गुरुवार को शिक्षक दिवस के रूप में धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर सभी स्कूलों व शिक्षण संस्थानों में विभिन्न तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए. विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जीवनी के बारे में विस्तार से बताया गया. जिला मुख्यालय से सटे मुरहू प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय कुंजला में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के सम्मुख विद्यालय के शिक्षक विष्णु नंद तिवारी, बिरसा आईंद व राममूर्ति साही ने दीप प्रज्वलित कर एवं

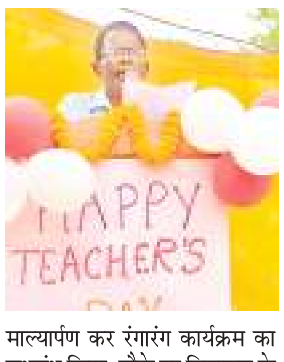

माल्यार्पण कर रंगारंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया. मौके पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया. जिला मुख्यालय स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक रघुनाथ महतो ने महान शिक्षाविद सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व व कृतित्व की जानकारी दी. इधर शिक्षक विष्णुनंद तिवारी ने बच्चों से सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जीवनी से प्रेरणा लेने की बात कही. बाद में स्कूली बच्चों द्वारा कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए.

पेड़ के नीचे बैठी महिला की वज्रपात से मौत

पलामू। जिले के तरहसी प्रखंड क्षेत्र के टरिया पंचायत के छेचानी गांव में पेड़ के नीचे बैठी महिला की वज्रपात से मौत हो गयी, जबकि उसकी बड़ी गोतनी गंभीर हो गयी. उसे इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है. वह बेहोश बतायी गयी है. मृत महिला की पहचान दुर्गा देवी (42) के रूप में हुई है. बेहोश महिला रिंकू देवी पति सुरेंद्र प्रसाद है. वज्रपात से महिला के शरीर का 70 प्रतिशत हिस्सा जल गया था.

IN THE COURT OF EXECUTIVE MAGISTRATE BERMO AT TENUGHAT

AFFIDAVIT

I **DULER DEVI,** W/o- **DHIRENDRA KUMAR RAM,** WIFE OF **BIDHAN CHAKRABORTY**, Aged about 26 year, **Aadhar No. 3685 4665 3542**, by faith Hindu, by occupation- House wife, Resident of Village- Ganjhudih Police station- Gomia, Post office- swang collery, District- Bokaro Jharkhand-829128, do hereby solemnly affirm and declare as follows :-

1. That, I am a citizen of india having **Aadhar Card No. 3685 4665 3542**.
2. That I stated and declared that my name is mentioned **DULER DEVI**, W/o- **DHIRENDRA KUMAR RAM** which is Mentioned in the Aadhar Card bearing No. **3685 4665 3542.**
3. That I stated and declared that my name is mentioned **DULER DEVI**, D/o- **BASUDEV RAVIDAS** which is Mentioned in the Pan Card bearing **No. JVQPD4395M.**
4. That I stated and declared that my name is mentioned **DULER KUMARI, W/O- DHIRENDRA RAM in the BANK OF INDIA, at SWANG COLLERY, ACCOUNT NO. 4898 10510001766.**
5. That I stated and declared that my name is mentioned **DULER DEVI, W/O- DHIRENDRA KUMAR RAM, D/O BASUDEV RAVIDAS AND DULER KUMARI, W/O- DHIRENDRA RAM** is the same person, whose Resident of Village- Ganjhudih Police station- Gomia, Post office-swang colliery, District- Bokaro, Jharkhand-829128.
6. That I am making to affidavit to submitted before the concerned authority to show said fact and record my name is **DULER DEVI** and **DULER KUMARI**.

Affidavit No. 5786
Date - 02.09.2024

Before Executive Magistrate, Ramgarh

AFFIDAVIT

I, JANARDAN SINGH @ SANTOSH MAHTO S/o **Paras Singh**, age about 47 years, by faith Hindu, by Nationality Indian, R/o- At- Barkakana, Azad Muhalla, Post Barkakana, P.S. Patratu, Distt. Ramgarh (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows :-

1. That my actual and correct name is **JANARDAN SINGH** which has been mentioned in my **Aadhar Card bearing No. 7959 0339 7469** and PAN Card Bearing No. **PJFPS6650M**.
2. That my name which has been mentioned as **SANTOSH MAHTO** in my UCO Bank, Patratu Branch bearing **A/c No. 09160110037416** it is my tick name.
3. That **JANARDAN SINGH @ SANTOSH MAHTO** both are name same and single person i.e. myself.
4. That this affidavit required for present before authority concern for needful work.
5. That above statement are true and correct.

Affidavit No. 9523
Date - 04.09.2024

नाराजगी: बीडीओ अरुण उरांव के बिगड़े बोल से प्रखंड क्षेत्र के चुने हुए प्रतिनिधियों में आक्रोश व्याप्त

किस्को बीडीओ ने पाखर पंचायत समिति सदस्य को फोन पर दी गलियां

संवाददाता। किस्को/लोहरदगा

लोहरदगा जिला अंतर्गत किस्को प्रखंड में पदस्थापित बीडीओ अरुण उरांव के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जनता द्वारा चुने हुए सम्मानित जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत पाखर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य बीरेंद्र उरांव के द्वारा बीडीओ को योजनाओं के राशि भुगतान की जानकारी हेतु फोन किए जाने पर बीडीओ अरुण उरांव अपना आपा खो बैठे और अभद्रता व्यवहार की हदें लांघ दी. इससे किस्को प्रखंड क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों में बीडीओ के बिगड़े बोल से काफी आक्रोश व्याप्त है. पंचायत समिति सदस्य बीरेंद्र उरांव ने

बीडीओ

बीडीओ अरुण उरांव से फोन पर हुई बातचीत का आडियो क्लीप भी भेजा गया है. दोनों के बीच बातचीत में बीडीओ अरुण उरांव के द्वारा पाखर पंचायत समिति सदस्य बीरेंद्र उरांव को रे-रेकाड़ी करते हुए यह कहा जा

बीरेंद्र उरांव

रहा है कि दो अक्षर का ज्ञान नहीं और किसी को उठाकर कर देते हैं कॉल, ऑफिस में मिलो तुम्हें देख लेंगे. उल्लेखनीय है कि किस्को बीडीओ अरुण उरांव और पाखर पंचायत समिति सदस्य बीरेंद्र उरांव के बीच में हुए विवाद ने काफी तेजी से तूल पकड़ लिया है.

बता दें कि बीरेंद्र उरांव के द्वारा बुधवार की रात्रि करीब 8:00 बजे बीडीओ अरुण उरांव को पंचायत समिति मद का डेढ़ वर्षों से लंबित भुगतान के संदर्भ में बात करने को लेकर दूरभाष पर संपर्क किया गया. बीरेंद्र उरांव ने बताया कि बीडीओ के पास फोन कर योजना की राशि भुगतान की जानकारी प्राप्त करने हेतु मैंने फोन किया तो बीडीओ के द्वारा रे-रेकारी करते हुए गाली-गलौज की गई.

उन्होंने बताया कि बीडीओ अपनी पद की मर्यादा को भूलकर हमें दो अक्षर का ज्ञान नहीं और हम से बात करेगा, किसी को भी उठाकर कॉल कर देगा जैसी अमर्यादित भाषा से बात कर काफी ठेस पहुंचाई गई है. उन्होंने कहा कि बीडीओ के विरुद्ध कार्रवाई हेतु इसकी शिकायत विभागीय मंत्री डॉ इरफान अंसारी, उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के समक्ष की जाएगी.

पंसस बीरेंद्र उरांव ने बताया कि बीडीओ के द्वारा सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि उनके द्वारा आफिस में मिलो तुम्हें देख लेंगे और अनाप-शनाप गाली-गलौज की गई. इधर, मामले को लेकर बीडीओ से जब दूरभाष पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि गुरुवार को रांची में सीएम के कार्यक्रम में काफी व्यस्त थे और काफी थके हुए थे, मेरी मां बीमार है, फिर भी हमें छुट्टी नहीं मिल पा रही है, ऐसे में ही ड्यूटी कर रहे हैं. इसी बीच बीरेंद्र उरांव का फोन रात्रि करीब 8:00 बजे किया गया था मेरे द्वारा उनसे शालीनता से बात की गई थी लेकिन उनके द्वारा बार-बार बात को क्रियट किया जा रहा था, इसी दौरान हल्की-फुल्की बातें हो गई थी. उन्होंने कहा कि मेरे उपर बेवजह बदनाम करने के उद्देश्य से ऐसी चाल खेला जा रहा है. बहरहाल जो भी हो लेकिन बीडीओ और पंचायत समिति सदस्य के बीच में हुई बातचीत का आडियो क्लीप वायरल का लगातार न्यूज़ शुभम संदेश हिंदी दैनिक अखबार पुष्टि नहीं करती है.

सपने और हकीकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में कई सिंगापुर बनाने का एक और सपना देश के समक्ष पेश किया है. प्रधानमंत्री ने सिंगापुर में कहा कि सिंगापुर भारत का केवल एक सहभागी देश भर नहीं है, बल्कि दुनिया के प्रत्येक विकासशील देश के लिए एक प्रेरणा भी है. हम भारत में कई सिंगापुर भी बनाना चाहते हैं और इसके लिए मिलकर प्रयास कर रहे हैं. सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ बैठक में पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी चर्चा की. स्किल, डिजटलाइजेशन, मोबिलिटी, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, एआई, स्वास्थ्य सेवा, साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्र में सहयोग का प्रतीक बन गया है. यह महत्वपूर्ण सपना है, बावजूद कुछ ऐसे तथ्य हैं जिन पर विचार करने की जरूरत है. भारत अपनी सांस्कृतिक, सामाजिक और क्षेत्रीय विविधता का एक ऐसा विशालपुंज है, जिसमें असीमित संभानवाएं हैं. भारत की ताकत भी यही विविधता है. लेकिन देश के भीतर जिस तरह नफरत की राजनीति को परवान चढ़ा दिया गया है, उसके अनेक खतरे हैं. इसमें एक खतरा तेज प्रगति की राह में बाधा भी है और आर्थिक असमानता से पैदा हुए असंतोष को दूर करने का सवाल भी है. इसी बीच इस तथ्य को भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि श्रम केंद्रित मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स से चीन के कमजोर होने से भारत के सामने बड़ा निर्यातक देश बनने का जो अवसर आया था, वह हाथ से क्यों निकल गया है. यह कैसे और किन कारणों से हाथ से निकला, इस पर भी स्थिति स्पष्ट करने की जरूरत है. यह बात विश्व बैंक ने कही है. बैंक ने अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में जिक्र किया है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार पिछले एक दशक के दौरान घटा है. बताया गया है कि वस्त्र, चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं जेवरात आदि जैसे श्रम केंद्रित सेक्टर्स में विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा गिरता चला गया है. जबकि बांग्लादेश, वियतनाम और पोलैंड जैसे देशों ने अपना हिस्सा बढ़ा लिया है. इसके पहले मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि 2017-18 के बाद से उपरोक्त वस्तुओं के भारतीय निर्यात में 12 फीसदी की गिरावट आई है. नतीजतन, इन क्षेत्रों से जुड़े कारखाने या तो बंद हुए हैं या उन्होंने अपना उत्पादन घटाया है. स्वाभाविक है कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नौकरियां गई हैं. विश्व बैंक ने इस अंतर्विरोध का उल्लेख किया है कि एक तरफ भारत आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, वहीं देश में शहरी युवा बेरोजगारी की दर 17 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर है. बैंक की राय है कि जब तक भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित क्षेत्रों के वैल्यू चेन में आगे नहीं बढ़ता है, उसके लिए बेरोजगारी की समस्या का हल ढूंढना मुश्किल बना रहेगा. गौरतलब है कि बैंक ने जिस अवधि का विस्तार से जिक्र किया है, वह मेक इन इंडिया और आत्म-निर्भर भारत जैसे नारों के शोर से भरी रही है. विचारणीय है कि चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत इसमें पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वह मौका हाथ से चला गया है, तो अब देश के सामने क्या विकल्प है?

> विश्व बैंक ने इस अंतर्विरोध का उल्लेख किया है कि एक तरफ भारत आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, वहीं देश में शहरी युवा बेरोजगारी की दर 17 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर है.

सुभाषित

दुर्लभं त्रयमेवैतत् देवानुग्रहहेतुकम्।
मनुष्यत्वं मुमुक्षुत्वं महापुरुषसंश्रयः॥

मनुष्य जन्म, मुक्ति की इच्छा तथा महापुरुषों का सहवास यह तीन चीजें परमेश्वर की कृपा पर निर्भर रहते हैं. परमेश्वर की विशेष कृपा के बिना ये तीनों असंभव हैं. इसलिए अपनी उत्कृष्ट कामनाओं की पूर्ति के लिए मनुष्य को परमेश्वर की शरण में ही जाना उचित है.

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का महत्व

2025 तक निजी बीमा कवरेज 30 फीसदी तक बढ़ाना है. राज्य द्वारा संचालित अस्पतालों को बीमा आधारित संस्थाओं में बदला जा रहा है. चेन्नई इसका उदाहरण है. नीति आयोग ने राज्यों को जिला अस्पतालों का निजीकरण करने का निर्देश दिया है. उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में पहले ही निजी अस्पतालों को लंबी अवधि के लिए पट्टे पर दिए जाने का फैसला लिया है. इस तरह की नीति सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के स्थायित्व, कुशल कार्य संचालन और पहुंच पर खतरा है.

• देश-काल

कुमार कृष्णन

लोक कल्याणकारी राज्य में स्वास्थ्य का सवाल सरकार की संवैधानिक जवाबदेही है, लेकिन हो रहा है इसके विपरीत. जबकि सरकार की सारी नीतियां सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत किये जाने की होनी चाहिए. जन विरोधी, कारपोरेट संचालित स्वास्थ्य एजेंडा, लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति आवश्यक संवेदनशीलता का अभाव आर्थिक लूट खसोट वाली नीति का परिचायक है. कोविड महामारी के दौरान इसे लोगों ने महसूस किया है. सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र की कमजोरी, अक्षमता और चुनौतियों से सफलतापूर्वक निबटने में कमी स्पष्ट रूप से सामने आयी. सरकार द्वारा पर्याप्त सहायता उपलब्ध कराने में विफलता के कारण बिना इलाज के बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुईं. आरंभ में निजी क्षेत्र को लॉकडाउन के द्वारा प्रतिबंधित किया गया, लेकिन बाद में अवांछित मुनाफे के लिए उस समय के हालात का फायदा उठाया गया. आईसीएमआर द्वारा जारी अप्रभावी प्रोटोकॉल ने संकट को काफी बढ़ाया. नतीजतन आम लोगों को काफी खराब परिणाम झेलने पड़े. इन विफलताओं के बावजूद स्वास्थ्य के क्षेत्र में वित्त पोषण स्थिर बना हुआ है. सरकारी स्वास्थ्य पर किया जा रहा 1.9 फीसदी खर्च वैसे समय में अपर्याप्त है. खासकर तब, जब निगमों में पर्याप्त राहत दी जा रही है. इससे राजनीतिक इच्छा शक्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है. निजी क्षेत्र बिना किसी नियामक निगरानी के अत्यधिक शुल्क की वसूली करता है. सरकारें अब बीमा आधारित मॉडल की ओर बढ़ रही है. 2025 तक निजी बीमा कवरेज 30 फीसदी तक बढ़ाना है. राज्य द्वारा संचालित अस्पतालों को बीमा आधारित संस्थाओं में बदला जा रहा है. चेन्नई इसका उदाहरण है. नीति आयोग ने राज्यों को जिला अस्पतालों का निजीकरण करने का निर्देश दिया है. उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में पहले ही निजी अस्पतालों को लंबी अवधि के लिए पट्टे पर दिए जाने का फैसला लिया है. इस तरह की नीति सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के स्थायित्व, कुशल कार्य संचालन और पहुंच पर खतरा है. इन्हीं महत्वपूर्ण सवालों को लेकर देश भर के विभिन्न राज्यों से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का जमावड़ा नई दिल्ली स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान में हुआ.

देश भर से 13 राज्यों के प्रतिनिधि, विभिन्न नेटवर्क और अन्य नागरिक समाज संगठनों के साथी सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और एकजुटता जाहिर करने के लिए गांधी पीस फाउंडेशन, नई दिल्ली में इकट्ठे हुए. सम्मेलन के आयोजन और उसकी भूमिका के बारे में बात रखते हुए अमूल्य निधि ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य आज गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है और हमें वर्तमान में स्वास्थ्य में निजीकरण को रोकने के साथ ही जिला अस्पतालों को बचाने, मजदूरों के स्वास्थ्य के साथ तमाम वंचित वर्गों के स्वास्थ्य अधिकारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक संगठित और साझा प्रयास की अत्यंत आवश्यकता है.

वहीं प्रोफेसर इमराना कदीर का कहना था कि स्वास्थ्य सेवाओं का मौजूदा जन-विरोधी, कॉर्पोरेट संचालित स्वास्थ्य एजेंडा, लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जरूरी संवेदनशीलता के अभाव और आर्थिक लूट-खसोट वाली नीति का परिचायक है, जिसका सबसे बुरा प्रभाव देश की करोड़ों दलित-वंचित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, विकलांग एवं आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों को झेलना पड़ रहा है. स्पष्ट है कि यह एक लोक कल्याणकारी राज्य द्वारा अपने दायित्वों और संवैधानिक जवाबदेही से पल्ला झाड़ने का प्रयास है. जन स्वास्थ्य के एजेंडे की इस निरंतर अनदेखी का भयावह परिणाम कोविड-19 महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर दिखा, जब सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की कमजोरी, अक्षमता और चुनौतियों से कुशलतापूर्वक निबटने में कमी स्पष्ट रूप से सामने आई. सरकार द्वारा समय पर पर्याप्त सहायता मुहैया कराने में विफलता और ऐसे कठिन संकट के दौर में भी निजी क्षेत्र की महंगी और मुनाफा केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं के कारण कई लोग बिना इलाज के मर गए. अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट और मेडिकल इमरजेंसी के वक्त भी निजी क्षेत्र द्वारा अवांछित मुनाफे के लिए तत्कालीन हालात का फायदा उठाना निजी क्षेत्र की परोपकारी स्वास्थ्य नीति की कलई खोल देती है और सरकारी-निजी गठजोड़ (पीपीपी) को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों के स्वाभाविक परिणाम की तरफ इशारा करती है. स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण के मुद्दे पर संजीव सिन्हा ने उत्तर प्रदेश में जिला अस्पतालों के निजीकरण की जनविरोधी प्रयास के बारे बात रखी और कहा कि नीति आयोग ने राज्यों को जिला अस्पतालों के निजीकरण करने का निर्देश दिया है. वहीं एसआर आज़ाद ने मध्यप्रदेश में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए जिला अस्पतालों के निजी हितधारकों के देने के सरकारी प्रयास को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए घातक कदम बताया. कुलदीप चांद ने पंजाब में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति अनुभव साझा किए. वक्ताओं ने आगे कहा कि सरकार अब बीमा आधारित स्वास्थ्य मॉडल की ओर बढ़ रही है, जिसका लक्ष्य 2025 तक निजी बीमा कवरेज को 30% तक बढ़ाना है, जबकि राज्य द्वारा संचालित अस्पतालों को मजबूत करने की बजाय उन्हें बीमा-आधारित संस्थाओं में बदला जा रहा है.

डॉ वंदना प्रसाद का कहना था कि स्वास्थ्य केंद्र का नाम आरोग्य मंदिर करना गलत है और स्वास्थ्य सामाजिक निर्धारकों में रोजी, रोटी, मकान, पर्यावरण के साथ साथ शांति, न्याय और डर भी आज महत्वपूर्ण मुद्दा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

हृदय घाव मोरे पीर रघुवीरे

संजीवनी बूटी से उपचार के बाद श्रीलक्ष्मणजी वीरघातिनी शक्ति के प्रभाव से पूर्णतया मुक्त होकर ऐसे उठ बैठे, जैसे सोकर उठे हों. बानर वीर श्रीलक्ष्मण जी का हाल पूछने लगे. तो श्रीलक्ष्मण जी मुस्कराकर बोले कि शक्ति तो मुझे लगी थी, घाव तो मेरे हृदय में था. लेकिन पीड़ा मुझे नहीं हो रही थी. बानर बीर सोचने लगे कि यह तो बड़ी अजीब बात है. घाव इनके हृदय में था. लेकिन पीड़ा इन्हें नहीं हो रही थी. इसलिए बानर बीरों ने पूछा तो भैया पीड़ा किसे हो रही थी? श्रीलक्ष्मणजी बोले, जैसे शिशु माता की गोद में आनंद से सोता है. वैसे ही मैं भी आनंद से भइया राम की गोद में सो रहा था. रही पीड़ा की बात तो पीड़ा हो तो रही थी, लेकिन मुझे नहीं, रघुवीर जी को हो रही थी. श्रीराम जी बहुत सोच-विचार करते हैं. विलाप करते हैं. लेकिन उनके मन को यह बात बहुत अधीर करती है कि मेरे पन को रखने के लिए आज लक्ष्मण ने अपने आप को शक्ति के हवाले कर दिया. मेघनाद ने अपने को मौत के मुँह में जाता देख सोचा कि क्यों न विभीषण को खत्म कर दूँ. ऐसा उसने प्रण किया था. और तो भले बच भी जाएँ, लेकिन विभीषण को आज नहीं छोडूंगा. इसलिए उसने विभीषण पर शक्ति चला दी. इस शक्ति का कोई काट नहीं था. श्री ब्रह्मा जी द्वारा प्रदत्त शक्ति थी. भगवान श्रीराम ने विभीषण जी को शरण में ले लिया था. श्रीराम जी का प्रण है – शरण में आये हुए की रक्षा करना. उसका पालन करना. उनके इस प्रण का तीनों लोकों में गुणगान होता है. उनकी कीर्ति इससे बहुत बढ़ी हुई है. लोग उनके इस विरद की दुहाई देते हैं. यदि आज विभीषण जी को शक्ति लग जाती तो क्या होता? लोग क्या कहते? कीर्ति धूमिल हो जाती. पन टूट जाता. विरद लजा जाता. लेकिन श्रीलक्ष्मण जी के रहते ऐसा संभव नहीं है. श्रीलक्ष्मण जी ने सोचा कि लक्ष्मण न रहे तो ठीक है, लेकिन रघुनाथ जी के विरद की लाज रहनी चाहिए. और इसलिए विभीषण जी से पहले उन्होंने शक्ति का वार सह लिया. गोस्वामीजी कहते हैं कि सेवक और स्वामी के बीच अथवा भाई और भाई के बीच अथवा कोई भी दो चीजें जिनके प्रेम की उपमा दी जाती है अथवा दी जा सकती है. इस प्रेम के आगे नहीं टिकते. न तो श्रीलक्ष्मण जैसा कोई सेवक है और न ही रामजी जैसा स्वामी.

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी

• महिला श्रम

सुरेश सेठ

आज भारत तेजी से डिजिटल युग की ओर बढ़ रहा है. कृत्रिम मेधा और रोबोटिक्स के युग का आगमन हो रहा है. हमारे अंतरिक्ष खोज अभियानों में इसरो ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उनमें महिला वैज्ञानिकों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता. चंद्रयान-3 के अभियान में इसरो के प्रमुख सोमनाथ ने अपनी महिला प्रमुखों की योग्यता और दक्षता की प्रशंसा की है, लेकिन दूसरी ओर, पुरुष वर्चस्ववादी इस देश में महिलाओं के प्रति आज भी वही पुराना दकियानूसी उपभोक्तावादी दृष्टिकोण कायम है. आज भी नारी स्वतंत्रता के युग में महिला अपहरण और दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं. वहीं आधी आबादी, अपने समकक्ष पुरुषों के बराबर योग्य होने के बावजूद अपनी उचित जगह नहीं पा रही हैं. 'मन की बात' में इस बार मोदी ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि महिलाओं पर अत्याचार अक्षम्य पाप है; दोषियों और उनका समर्थन करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता. चाहे इसका इशारा पश्चिम बंगाल की ओर हो या देश के अन्य हिस्सों में हो रही अमानवीय घटनाओं और निर्भया कांड जैसे बलात्कारों की ओर हो, लेकिन इसके खिलाफ देश के प्रधानमंत्री से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक किसी भी तरह की हिचकिचाहट नहीं दिखायी गई है. हाल ही में वित्तीय वर्ष 2047 तक महिला श्रम बल भागीदारी दर को वर्तमान 37 प्रतिशत से लगभग दोगुना कर 70 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. गैर-लाभकारी संस्था 'द नज़ इंस्टीट्यूट' ने एक श्रम बल भागीदारी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें पिछले वर्षों में नारी स्वतंत्रता की घोषणाओं के बावजूद महिलाओं की श्रम बल भागीदारी की गणना की गई है. रिपोर्ट बताती है, भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश के कार्यबल में 40 करोड़ अतिरिक्त महिलाओं की आवश्यकता है. यह आवश्यकता आसानी से पूरी की जा सकती है, क्योंकि एक हालिया सर्वे के अनुसार देश में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर हो गई है. फिर भी, उनकी योग्यता और शिक्षा बढ़ने के बावजूद उन्हें उचित काम नहीं मिलता. वर्तमान में केवल 11 करोड़ महिलाएं देश के श्रम बल में शामिल हैं और घर के काम करने वाली महिलाओं से लेकर खेतों तक निःशुल्क काम करने वाली महिलाओं के लिए न तो उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है, न ही उन्हें उचित वेतन देने के बारे में सोचा जाता है.

> हाल ही में वित्तीय वर्ष 2047 तक महिला श्रम बल भागीदारी दर को वर्तमान 37 प्रतिशत से लगभग दोगुना कर 70 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. गैर-लाभकारी संस्था 'द नज़ इंस्टीट्यूट' ने एक श्रम बल भागीदारी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें पिछले वर्षों में नारी स्वतंत्रता की घोषणाओं के बावजूद महिलाओं की श्रम बल भागीदारी की गणना की गई है.

यदि महिलाओं को भी समान दृष्टिकोण से देखा जाए तो निश्चय ही उन्हें प्राप्त नए बल, उत्साह और परिश्रम से देश की उत्पादकता बढ़ेगी, लागत घटेगी और निवेशकों के लिए लाभ वृद्धि की संभावना बनेगी, जो सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाते हुए देश को नई तरक्की की ओर ले जाएगी. फिर भी, रिपोर्टें बताती हैं कि हकीकत में ऐसा नहीं है. श्रम बल में उचित भागीदारी की क्षमता होने के बावजूद भारत में महिलाओं को काम करने का समान सम्मान और प्रतिदान नहीं मिलता. देश को 2047 तक समृद्ध-संपन्न अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य पूरा करना हो तो इसके लिए महिलाओं को उचित सम्मान, वेतन और नौकरी की सुरक्षा देना अनिवार्य होगा. वर्तमान में पुरुषों व महिलाओं के बीच वेतन की असमानता है. शीर्ष पद प्रायः पुरुषों के पास हैं. राजनीति से लेकर आधुनिक व्यवसायों तक में पुरुषों का वर्चस्व है, जबकि महिलाओं की योग्यता और परिश्रम किसी से कम नहीं हैं. कोविड महामारी के बाद जो पुरुष और महिला श्रमिक काम से बाहर हुए, उनके पुनर्नियोजन के आंकड़े बताते हैं कि पुरुषों को फिर से काम मिल गया, लेकिन महिलाओं के लिए इस संदर्भ में विशेष प्रयास नहीं किए गए. नई रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी स्थितियों में महिलाओं की नौकरी खोने की संभावना सात गुना अधिक रहती है और एक बार नौकरी खोने के बाद उन्हें दोबारा नौकरी मिलने की संभावना 11 गुना कम होती है. वर्ष 2019 के महामारी काल के दौरान, 2020 तक के एक साल में, काम करने वाली आधी महिलाएं कार्यबल से बाहर हो गईं और उन्हें दोबारा नौकरियों में स्थापित करने की कोई विशेष कोशिश नहीं की गई. महिलाएं अक्सर ऐसे क्षेत्रों में काम करती हैं, जैसे कृषि और विनिर्माण, जहां पेशेवर प्रगति की संभावनाएं कम होती हैं और अकुशल भूमिकाएं बनी रहती हैं, जिससे उन्हें कम काम मिलता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

जीएम फसलों के लिए राष्ट्रीय नीति!

• कृषि

अमरजीत भुल्लर

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने को कहा है. पिछले दो दशकों से संशयवादी जीएम फसलों की देश में आमद को रोकने में सफल रहे हैं और संभावना है कि वे इसका विरोध जारी रखेंगे. पिछले सप्ताह, 18 राज्यों के फार्म यूनियन नेताओं ने जीएम फसलों और इसके पर्यावरणीय प्रभाव, वस्तु-व्यापार, कृषि विविधता, और मानव एवं पशु स्वास्थ्य पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया. इस सम्मेलन में जीएम फसलों के विरोध में सभी एकमत थे. भारत पहले ही जीएम जैव के संबंध में एक उचित और स्वीकार्य नीति बनाने में जूझ रहा है. यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपने सदस्य देशों में जीएम उत्पादों/बीजों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए लंबे समय से संघर्ष किया है. ईयू जीएम जैव पर एक अपेक्षाकृत अच्छी नीति बनाने में सक्षम रहा है (हालांकि यह पूरी तरह से सही नहीं है), और यह भारत के लिए एक सबक हो सकता है. कृषि विकास का इतिहास हमें बताता है कि दुनिया ने अब तक तीन 'हरित क्रांतियां' देखी हैं. पहली हरित क्रांति की शुरुआत 1930 के दशक में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में हुई. इसमें उर्वरक, कीटनाशक, फसल प्रजातियां, मशीनरी और कृषि प्रबंधन में सुधार शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप मक्का और अन्य तापमान-जलवायु पर आधारित फसलों की उपज में तेजी से वृद्धि हुई. दूसरी हरित क्रांति 1960 और 1970 के दशकों में आई, जिसमें कुछ भारतीय राज्य भी शामिल थे. इस क्रांति ने विकासशील देशों और गर्म इलाकों में उगाई जाने वाली फसलों के लिए समान तकनीकें उपलब्ध कराईं, लेकिन इन तकनीकों को स्वदेशी अनुसंधान और विस्तार नेटवर्क के माध्यम से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित किया गया. जीएम उत्पाद, विशेषकर कृषि में आनुवंशिक इंजीनियरिंग का उपयोग करके बने बीज, 1970 के दशक में प्रकट हुए और 1990 के दशक से मुख्यतः उत्तरी अमेरिका में इनका व्यवसायीकरण किया गया. इस तकनीक के समर्थकों का दावा है कि इससे कृषि उत्पादकता में भारी वृद्धि होगी और खाद्य आपूर्ति में गुणात्मक सुधार होगा. पहली दो हरित क्रांतियों और तीसरी हरित क्रांति के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि तीसरी क्रांति को उतनी निर्णायकता के साथ अपनाया नहीं गया. मानव, पशु और पौधों पर जीएम प्रौद्योगिकी के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में संदेह बना हुआ है. यूरोपीय संघ के देशों ने जीएम उत्पादों पर सख्त नियामक प्रतिबंध लगाए हैं, जबकि अमेरिका, कनाडा, अर्जेंटीना और ब्राजील ने अधिकांश कृषि-जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग की अनुमति दी है. भारत सहित अधिकांश अन्य देश सही रास्ता खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. यूरोपीय संघ ने इस तकनीक का विरोध किया और सख्त जीएम-प्रतिबंधात्मक नीतियां अपनाईं. अधिकांश यूरोपीय सरकारों और यूरोपीय संघ ने जीएम संशोधित जैव से जुड़े जोखिमों की अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए एहतियाती दृष्टिकोण अपनाया, जिसे 'पछतावे से रोकथाम' का सिद्धांत कहा जा सकता है. इसके विपरीत, अमेरिका ने दावा किया कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के तहत, विशेषकर सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी उपायों पर समझौते में निहित प्रावधानों के तहत, 'समान' उत्पाद (वह उत्पाद जो सीधे प्रतिस्पर्धात्मक या उनका विकल्प हो) के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए ठोस वैज्ञानिक प्रमाण प्रदान करना आवश्यक है. इसका मतलब है कि संभावित आयातक या प्राप्तकर्ता देश को यह दिखाना होगा कि कोई जीएम बीज/उत्पाद (यदि कोई 'समान' उत्पाद है) मानव, पशु या पौधों की सेहत के लिए असुरक्षित है. दिलचस्प बात यह है कि बीज या उत्पाद के 'सुरक्षित' होने का सबूत देने की जिम्मेदारी निर्यातकों की न होकर आयातकों पर डाल दी गई है. इसका मतलब है कि आयातकों को यह साबित करना होगा कि कोई बीज या उत्पाद 'असुरक्षित' है, जबकि विक्रेताओं को इसे सुरक्षित साबित करने की जिम्मेदारी नहीं है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> पहली हरित क्रांति की शुरुआत 1930 के दशक में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में हुई. इसमें उर्वरक, कीटनाशक, फसल प्रजातियां, मशीनरी और कृषि प्रबंधन में सुधार शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप मक्का और अन्य तापमान-जलवायु पर आधारित फसलों की उपज में तेजी से वृद्धि हुई.

मीडिया में अन्यत्र

क्षेत्रीय एकीकरण की दिक्कत दूर करनी चाहिए

विश्व बैंक के भारत के विकास संबंधी अपडेट के ताजा संस्करण में इस बहुपक्षीय संस्था ने कहा है कि चुनौतीपूर्ण बाह्य परिस्थितियों के बावजूद, मध्यम अवधि में देश की वृद्धि अपेक्षाकृत मजबूत रहेगी. बैंक ने 2024-25 में सात फीसदी की वृद्धि दर का अनुमान जताया है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा अनुमान से मामूली रूप से कम है, लेकिन कई बाजारों के अनुमानों से अधिक है. इन सब बातों के साथ रिपोर्ट चुनौतीपूर्ण बाहरी हालात से निपटने का एक अहम तरीका भी बताती है कारोबारी संपर्क का इस्तेमाल करके. हालांकि भारत ने घरेलू स्तर पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है, जिसमें अधोसंरचना निवेश और विभिन्न कारोबारी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण शामिल है, इसकी समग्र कारोबारी नीति निर्यात वृद्धि की संभावना और उससे होने वाले लाभों की अनिश्चितता से जुड़ी हुई है. बीते एक दशक के दौरान टैरिफ और गैर टैरिफ गतिरोध में भी इजाफा हुआ है. विश्व बैंक ने इसका भी जिक्र किया है, परंतु दिक्कत यह है कि भारत को अभी भी अहम व्यापारिक सौदों को पूरा करना है. ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय मुक्त व्यापार महासंघ खासकर स्विट्जरलैंड और नॉर्वे के साथ हमारे समझौते अपेक्षाकृत हल्के हैं. ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता तो वास्तव में जल्दबाजी में किया गया और इसे समुचित व्यापार समझौते का स्वरूप देना अभी भी प्रक्रियाधीन है. इस बीच यूरोपीय संघ जैसी महत्त्वपूर्ण कारोबारी शक्तियों के साथ गहन सौदे रुके हुए हैं. यूरोपीय संघ के साथ गहन व्यापार सौदों के लाभ और ऐसे समझौते के मानकों को समझना कठिन नहीं है. इस संदर्भ में भारत की हर क्षेत्र के संरक्षण की प्रतिबद्धता और बातचीत में पुराने पड़ चुके कारोबारी मॉडल को अपनाना भ्रम की स्थिति बनाता है. विश्व बैंक की रिपोर्ट में खासतौर पर कहा गया है कि भारत को क्षेत्रीय एकीकरण की दिक्कत दूर करनी चाहिए. इस चिंता में कुछ सच्चाई है. दक्षिण एशिया में हमारी स्थिति कुछ प्रकार के संचार को सीमित करती है, क्योंकि हमें अपने पश्चिम में भूराजनीतिक तनावों से जूझना पड़ता है. परंतु भारत के पूर्व में होने वाला व्यापार एकीकरण भी सीमित है. भारत के विकास संबंधी अपडेट में यह बात खासतौर पर कही गई है कि भारत को क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी अर्थात आरसेप के लाभों की नए सिरे से समीक्षा करनी चाहिए. भारत ने आरसेप की वार्ताओं में वर्षों तक हिस्सा लिया, लेकिन आखिरी वक्त में वह इससे बाहर हो गया. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

निर्वाचन/मनोनयन/नियुक्ति

किसी भी लोकतांत्रिक देश में निर्वाचन द्वारा ही सरकारों का गठन होता है. भारतीय संसद में कुछ सदस्यों के मनोनयन का भी प्रावधान है. कार्यपालिका के समुचित संचालन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति की जाती है. इन वाक्यों में हमारा जिन तीन शब्दों से पाला पड़ता है, वे हैं निर्वाचन, मनोनयन और नियुक्ति. निर्वाचन का मतलब तो निर्विवाद रूप से चुनाव है. हर पांच वर्षों पर हमें चुनावों का सामना करना ही पड़ता ही और चुनाव के दौरान क्या-क्या होता है, इससे हर कोई परिचित है. ध्यान में रखनेवाली बात यह है कि निर्वाचन, मनोनयन और नियुक्ति तीनों संस्कृत मूल के तत्सम हैं. निर्वाचन संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसका मतलब है अनेक वस्तुओं में से कुछ वस्तुओं का प्रतिनिधि के रूप में चयन करना, छांटना, मत द्वारा जनप्रतिनिधि चुनना, चुनाव, जिसे अंग्रेजी में इलेक्शन कहते हैं. इसका विशेषण रूप है निर्वाचित. मनोनयन संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसका मतलब है किसी को नामजद करना, पसंद करना, चुनना, नामांकन, कोई बात या विचार मन में लाना. जिसका मनोनयन कर लिया जाता है, उसे मनोनीत कहते हैं. तीसरा शब्द नियुक्ति संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. किसी पद या कार्य के लिए किसी व्यक्ति को तैनात करने को नियुक्ति कहते हैं. इन तीनों शब्दों के मूल में एक ही भाव है किसी कार्य के लिए किसी की तैनाती, लेकिन व्यवहार्यतः तीनों के बीच अंतर है. जो चुनाव में मतों द्वारा चुने जाते हैं, वे निर्वाचित हैं. जो किसी पद या कार्य के लिए कुछ प्रभावशाली लोगों की पसंद के अनुसार तैनात किये जाते हैं, उन्हें मनोनीत किया जाता है. निर्वाचन के लिए मतदान अनिवार्य है, लेकिन मनोनयन के लिए मतदान की आवश्यकता नहीं होती. वहीं नियुक्ति में न तो मतदान होता है और न ही प्रभावशाली लोगों की पसंद आवश्यक होती है, बल्कि पद विशेष के लिए निर्धारित प्रक्रिया द्वारा योग्य व्यक्ति को चयन किया जाता है और इसके बाद उसकी तैनाती होती है.

डेंगू मच्छर सुंदरी को मुझसे प्यार हुआ!

• तीर-तुक्का

डॉ. रामवृक्ष सिंह

एक डेंगू मच्छर सुंदरी मुझ पर रीझ गयी. उसे प्यार हो गया. मैंने उसे बहुत समझाया कि अब मेरी उम्र प्यार-व्यार के काबिल नहीं रह गयी है. दूसरी बात मैं बहुत ही गरीब हूं-हिंदी सेवी हूं. घर में अन्न के लाले पड़े रहते हैं. मेरे शरीर का खून फीका है. प्लेटलेट्स की कमी है. तुम किसी और को देख लो. मच्छर सुंदरी कब मानने वाली थी- 'क्या बात करते हैं श्रीमानजी. इधर-उधर, जहां देखिए हिन्दी में काम करने के पोस्टर लगे हैं. खूब कार्यशालाएं होती हैं. खूब सेमिनार होते हैं. बड़ी-बड़ी समितियां जगह-जगह दौरे करके सरकारी दफ्तरों में हिन्दी लागू करवाती हैं. देश-विदेश में हिन्दी के जलसे होते हैं. हिन्दी का इकबाल तो हर जगह बुलंद है. और आप कह रहे हैं कि हिन्दी की सेवा करने वालों के शरीर में प्लेटलेट्स की कमी है.' हमें मच्छर सुंदरी की अज्ञानता पर रोना आया. हमने उसे समझाते हुए कहा- 'किस दुनिया में रहती हैं मोहतरमा? जो-जो बातें आपने गिनाईं वे सब हाथी के दांत हैं. ड्राइंग रूम की बातें हैं ये सारी. इस देश में हिन्दी का तो बस नाम बचा है. सारे मजे तो अंग्रेजी लूट रही है. अंग्रेजी लेखकों का उपन्यास पूरा नहीं होता कि प्रकाशक मोटी रॉयल्टी देकर खरीद लेता है. हिन्दी लेखक को प्रकाशक ढूंढ़े नहीं मिलता. अंग्रेजी पत्रकार को खूब मोटी तनख्वाह मिलती है, जबकि हिन्दी वाला धक्के खाता है. अंग्रेजी अखबार में विज्ञापन ऊंची दर पर छपता है, हिन्दी वालों को कोई विज्ञापन देता ही नहीं. अंग्रेजी स्कूल खूब चलते हैं, हिन्दी स्कूल को कोई पूछता नहीं. गिटपिट अंग्रेजी बोलने वालों को ऊंची पगार पर नौकरी मिल जाती है, हिन्दी बोलने वाले को लोग गंवार समझकर गेट से बाहर कर देते हैं.' न जाने मच्छर सुंदरी को क्या हुआ. वह हमसे दूर जा बैठी. उसकी यह बेरुखी हमें कुछ खास अच्छी नहीं लगी. अरे हमारे खून की गुणवत्ता ठीक नहीं है तो खून न पिए, पर ढंग से बात तो करे. उसकी बॉडी लैंग्वेज से हमें रेशा-रेशा उपेक्षा टपकती दिखी. बेरुखी का कारण पूछने पर बड़े बेमन से बोली- 'जब तुम्हारे पास कुछ है ही नहीं, तो मैं तुम्हारा खून क्यों पिऊं? फालतू ही टाइम खराब किया. इससे अच्छा तो होता कि मैं कहीं और ट्राई करती.' 'मैं तो पहले ही कह रहा था बेन. अपुन टिपिकल मिडिल क्लास हैं. बस ऊपरी टीम-टाम है. अंदर से सब खोखला. उधार का घर, किस्त की कार, किस्त का टीवी, पूरी जिन्दगी किस्त चुकाते निकल जाती है. अपना खून पी लोगी तो तुम्हें फायदा चाहे न हो, किस्त चुकाने की चिन्ता जरूर होने लगेगी. समझी बेन...' हम अपनी बात समाप्त करते कि मच्छर सुंदरी झुंझला कर बीच में ही बोल पड़ी-'डोण्ट कॉल मी बेन. अंडरस्टुड? मैडम बुलाओ, बुलाना है तो. वरना अपना काम देखो. खून में प्लेटलेट्स तो हैं नहीं. मार मोटाए घूम रहे हैं..'

धर्म अध्यात्म

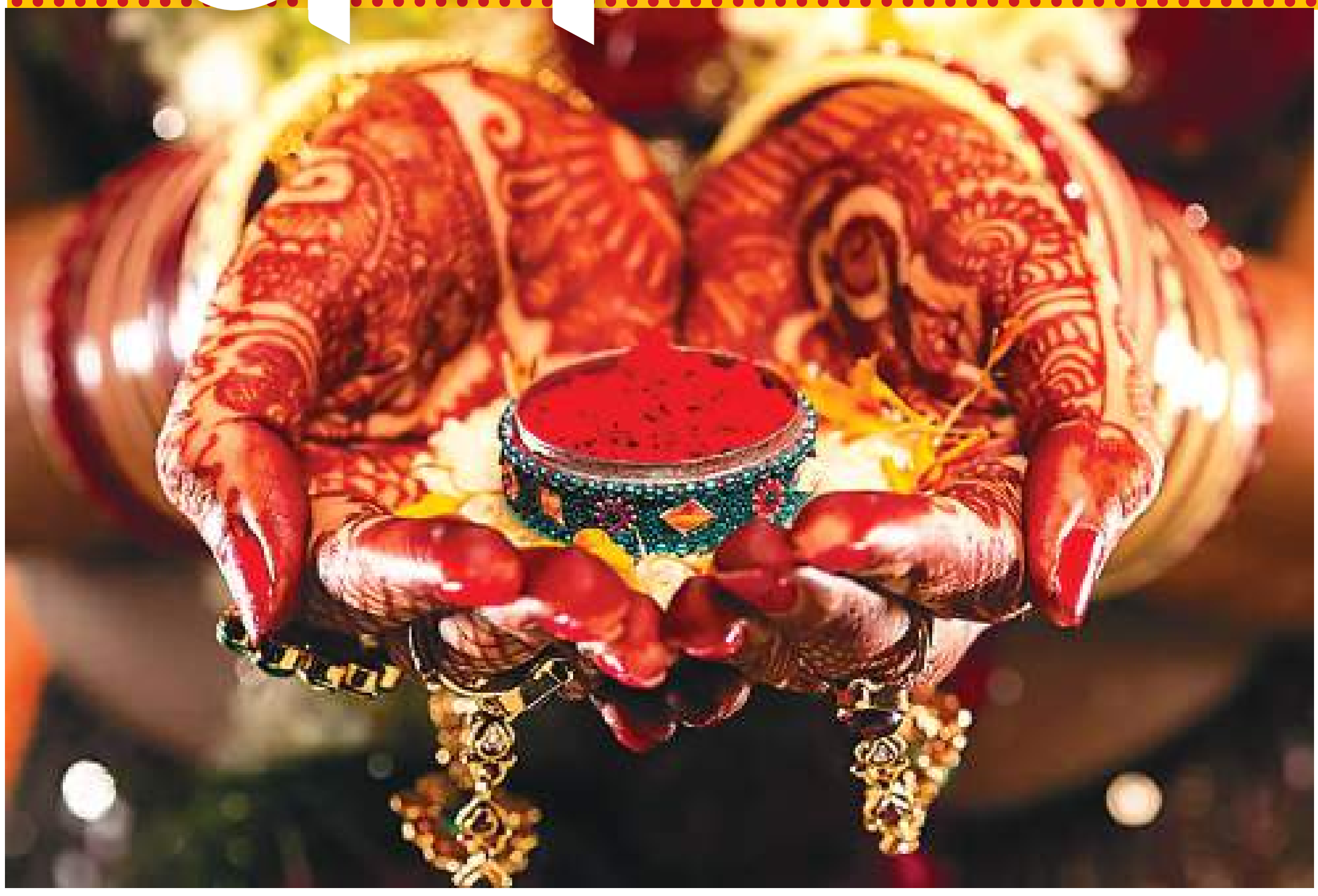

गृहस्थ जीवन में आध्यात्मिकता का आरोहण है तीजोत्सव

डॉ मयंक मुरारी
चिंतक और आध्यात्मिक लेखक

तीज पर्व में गृहस्थ जीवन की अटूट, अमिट एवं अविरल प्रेम की सुगंधित धारा बहती है. यह इंद्रियता से आध्यात्मिकता की ओर आरोहण है. सौभाग्य के समस्त प्रतीक और जीवन साथी के पारस्परिक संबंधों के साथ संवेदनशील शिल्प का निर्माण होता है, जिसके परिणामस्वरूप साधना में भी मन झूलता और तन झूमता है.

प्रकृति के साहचर्य में जीनेवालों के लिए सावन का सम्मान और भाद्रपद के प्रति भावपूर्ण दृष्टि रही है. इस हरितालिका तीज के माध्यम से भाव की कृतज्ञता देने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है. प्रकृति के साथ जीते हुए व्रत, पर्व और त्योहार हमारे समाज को सजग रखते हैं. गृहस्थ जीवन में तीज का अनुष्ठान प्रेम, श्रृंगार, लगाव और साहचर्य को प्रगाढ़ करने का अवसर है. हरितालिका तीज में तप का छंद है, कर्म का श्रृंगार है और उपवास की आर्द्रता है. इसमें प्रकृति का रंग है. संस्कृति क संग है. उपासना में स्वयं के अंदर की तरलता की खोज ही निर्जला होना है. यह ऋतु पर्व समग्रता का उत्सव है, जिसमें धरती, आकाश, प्रकृति, जीव और देव सभी शामिल होते हैं. इस पर्व में गृहस्थ जीवन की अटूट, अमिट एवं अविरल प्रेम की सुगंधित धारा बहती है. यह इंद्रियता से आध्यात्मिकता की ओर आरोहण है. सौभाग्य के समस्त प्रतीक और जीवन साथी के पारस्परिक संबंधों के साथ संवेदनशील शिल्प का निर्माण होता है, जिसके परिणामस्वरूप साधना में भी मन झूलता और तन झूमता है.

▪ **निर्जला समय में जीवन रस की खोज**

भौतिक श्रृंगार के प्रतीकों की हार्दिकता के साथ जब तन-मन की आंतरिकता का मिलन होता है, तब जीवन में अनुराग की बारिश होती है. इसकी स्मृति ही इसकी सुंदरता है. यही हार्दिकता हमारे निर्जला समय में भी जीवन के रस की खोज कर लेती है. एक बार जब रस का अस्वाद मिल जाता है तो जीवन भर गृहस्थ व्रतधारी हो जाता है. एक बार का संकल्प ही साधना सिद्धि का मार्ग प्रशस्त कर देता है. असीम आशा, अनंत अनुभूति और अथाह आकांक्षा की आकृति भाद्रपद के तीखी धूप में भी चमकता है. यह चमक शाम को शिव-शक्ति की उस आकृति में भी परिलक्षित होता है, जिनको पहले गृहस्थ होने के रूप में समर्पित होता है.

▪ **मंगल के ये रूप**

भक्ति और प्रेम के इस अनुष्ठान में मंगल के कई रूप दिखते हैं- केला के पत्ता, नैवेद्य, मिट्टी और गोबर से शिव-शक्ति का विग्रह निर्माण, दीपक, रोली, कलश, कुमकुम, दूर्वा, अक्षत, हल्दी, फल. ये अनुराग के रूप हैं, जो आंतरिकता में रस का निर्माण करते हैं. दांपत्य में प्रेम और प्रेम के संग दांपत्य का रस. अपने प्रिय के लिए अर्घ्य का अर्पण प्रकृति और पुरुष के साहचर्य का प्रकटीकरण है. यह अर्घ्य ही जीवन में सृजन को प्रेरित करता है. तरलता के बिना हरियाली का सृजन संभव नहीं है. हरीतिमा के लिए अर्घ्य हरेक पल जरूरी है.

समर्पण, हार्दिकता और आध्यात्मिकता का पाठ

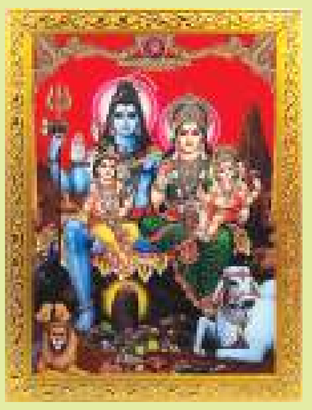

हरितालिक का सघन भाव पति-पत्नी के रूप में गृहस्थ जीवन को अर्पित है. यह हरियाली पूरे भारतवर्ष में कजरी तीज, तीज, हरितालिका आदि विविध रूपों में प्रकट होती है. इसके साथ ही शक्ति, उपासना, श्रृंगार, अलंकार, भक्ति, साधना के कर्मकांड से एक मांगलिक वृत का निर्माण किया जाता है. यह वृत ही स्त्री और पुरुष के बीच सघन प्रेम की सीमा निर्धारित करता है. इस सीमा में पूर्ण समर्पण के भाव से हार्दिकता और आध्यात्मिकता का पाठ सीखा जाता है, जो परंपरा के तहत एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होता है. जीवन सुंदरता से भरा है. इसमें वर्षा ऋतु लास्य का निर्माण करती है. यह लास्य अपनी मुस्कान में तीज के रूप में प्रकट होती है. महादेव तांडव के देव है तो पार्वती लास्य की महादेवी है. ऐसे में लास्य के स्वर का आचमन ही तीज है.

आज निर्जला व्रत रख कर महिलाएं मांगेंगी सदा सुहागन होने का वरदान

आचार्य अजय मिश्रा

भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद शुक्ल तृतीया तिथि को रखा जाता है. इस दिन सुहागन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए निर्जला उपवास रखती हैं. कुछ जगहों पर कुंवारी कन्याएं भी इच्छित व योग्य वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत करती हैं. इस व्रत का एक बार संकल्प लेने के बाद इसे आजीवन रखना पड़ता है. आइए व्रत के मुहूर्त, विधि-विधान, कथा आदि के बारे में जानकारी हासिल करें-

हरितालिका तीज की तिथि

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 5 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 21 मिनट पर प्रारंभ होगी. इस तिथि का समापन 06 सितंबर को दोपहर 03 बजकर 21 मिनट पर समाप्त होगा. उदिया तिथि के चलते हरतालिका तीज का व्रत 06 सितंबर को ही रखा जाएगा.

शुभ मुहूर्त

प्रातःकाल और प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विशेष कल्याणकारी होती है. इस समय महिलाओं को विधिवत श्रृंगार कर पूजा, उपासना और प्रार्थना करनी चाहिए. इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 02 से सुबह 08 बजकर 33 मिनट तक है.

शाम की पूजा गोधूलि मुहूर्त में शुभ मानी जाती है. दृक पंचांग के अनुसार, 6 सितंबर को 06:36 पी एम से 06:59 पी एम तक गोधूलि मुहूर्त रहेगा.

ऐसे करें व्रत

हरतालिका तीज के दिन सुबह स्नानादि के बाद संभव हो तो नए वस्त्र पहनें, अन्यथा रेशमी या अखरा वस्त्र (जिसे पहन कर कभी अन्न आदि ग्रहण नहीं किया हो) पहनें. इस दिन सुहागनों को संपूर्ण श्रृंगार करना चाहिए. इसके बाद व्रत का संकल्प लें. यह व्रत निर्जला होता है, लेकिन शारीरिक अवस्था अनुकूल नहीं होने पर फलाहार भी किया जा सकता है. शुभ मुहूर्त में भगवान शिव और पार्वती की एक साथ उपासना करें. मां पार्वती को सौभाग्य का सारा सामान अर्पित करें. उनसे अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए प्रार्थना करें. इस दिन क्रोध नहीं करें, दिन में शयन नहीं करें.

शाम को ऐसे करें पूजा

शाम के समय प्रदोष काल में पुनः स्नान कर श्रृंगार करें. सबसे पहले चौकी सजाएं. चौकी के चारों-ओर केले के पत्तों को कलावे से बांध दें. साफ कपड़ा बिछाकर कलश की स्थापना करें. गणेश जी को प्रणाम करें. इस पूजन में आमतौर पर मिट्टी या रेत या दोनों के मिश्रण से शिव परिवार बनाकर पूजा की जाती है. प्रभु का जलाभिषेक करें. 16 श्रृंगार का सामान, अगरबत्ती, धूप, दीप, शुद्ध घी, पान, कपूर, सुपारी, नारियल, चंदन, फल, फूल के साथ आम, केला, बेल व शमी के पत्ते से पूजा करें. भगवान शिव को भगवान को बेलपत्र, गंगाजल ,ऋतुफल, घर का बनाया हुआ पकवान, पीले वस्त्र और पीले फूल अर्पित करें. माता पार्वती को साड़ी और श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें. महिलाएं माता पार्वती को विशेषकर बिछिया जरूर अर्पित करें. फिर विवाहिता स्त्रियां अपनी सास को सौभाग्य की वस्तुं देकर उनसे आशीर्वाद लें. हरतालिका तीज व्रत की कथा का पाठ करें. फिर आरती के बाद श्रद्धा के साथ भोग लगाकर क्षमा-याचना करें. रात्रि जागरण करें और इस दौरान भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें.

हरतालिका तीज व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, हिमालय राज के परिवार में मां सती ने पुनः शरीर धारण करके मां पार्वती के रूप में जन्म लिया. हिमालय राज ने मां पार्वती की शादी जगत के पालनहार भगवान विष्णु से कराने का निर्णय कर लिया था. परंतु मां पार्वती पूर्व जन्म के प्रभाव की वजह से मन में ही महादेव को अपने पति के रूप में स्वीकार कर चुकी थीं. लेकिन माता सती की मृत्यु के बाद भगवान शिव तपस्या में लीन थे, जिसकी वजह से वह तपस्वी बन गए थे. उधर पिता के निर्णय से उत्पन्न असमंजस की स्थिति के बीच मां पार्वती जी की सखियों ने उनका हरण कर लिया. मां पार्वती को हिमालय की कंदराओं में छिपा दिया. इसके बाद मां पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठिन तपस्या की. उनकी तपस्या को देख महादेव प्रसन्न हुए और मां पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया.

क्षमा वीरस्य भूषणम्

क्षमा का गुण मानव जीवन की आधारशिला है. जिसके जीवन में क्षमा है, वही व्यक्ति ऋजुता और महानता को प्राप्त कर सकता है. भगवान महावीर ने क्षमा मांगने वाले से अधिक क्षमा करने वाले को महान बताया है.

सरिता सुराणा

समस्त जैन धर्मावलंबी भाद्रपद मास में पर्युषण पर्व मनाते हैं. श्वेताम्बर सम्प्रदाय के अनुयायी भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि से लेकर शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तक आठ दिन पर्युषण पर्व की आराधना करते हैं. आगम वाणी के अनुसार चातुर्मास प्रारम्भ होने के उनचासवें दिन सम्वत्सरी महापर्व मनाने का विधान है. तिथि घटने-बढ़ने के कारण एक-दो दिन आगे-पीछे हो सकता है. दिगम्बर सम्प्रदाय वाले भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से प्रारम्भ करके 'दसलक्षण पर्व' मनाते हैं. यह दस दिन तक चलता है.

खाद्य संयम, वाणी संयम, परिग्रह संयम के आठ दिन

जैन धर्म में पर्युषण पर्व का विशेष महत्व है. पर्युषण पर्व मनाने का मुख्य उद्देश्य आत्मा की आराधना करना है. वर्षाकाल में चार महीने साधु-साध्वियां स्थिरवास करते हैं. चातुर्मास में श्रावक-श्राविकाएं प्रवचन, जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान और मौन आदि धार्मिक क्रियाओं में अपना अधिकांश समय व्यतीत करते हैं. इन आठ दिनों में खाद्य संयम, वाणी संयम, परिग्रह संयम का ध्यान रखने के साथ-साथ रात्रि भोजन और जमीकन्द और सचित्त चीजें खाने का त्याग रखा जाता है. आगम वाणी के स्वाध्याय और श्रवण का विशेष लाभ लिया जाता है. अधिक से अधिक सामायिक और पौषध करने का लक्ष्य रखा जाता है. इन दिनों में उपवास, बेला, तेला, अठाई और मासखमण तप जैसी तपस्याएं की जाती हैं. इनमें चारों आहार और सूर्यास्त के पश्चात् पानी का सेवन वर्जित है. सूर्यास्त के पश्चात् प्रतिदिन प्रतिक्रमण करके दिन भर में हुई भूलों के लिए क्षमायाचना की जाती है. आठवें दिन सम्वत्सरी महापर्व की आराधना की जाती है. इस दिन सभी जैन धर्मावलंबी चौविहार उपवास और पौषध करते हैं.

क्षमापना पर्व

नौवें दिन क्षमापना पर्व मनाया जाता है. क्षमा भाव के बारे में भगवान महावीर ने कहा है-"क्षमा वीरस्य भूषणं" अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण होता है. भगवान महावीर ने क्षमायाचना का सूत्र दिया-

"खामेमि सव्वेजीवे, सव्वे जीवा खमंतु मे।
मित्ती मे सव्वभूएषु, वेरं मज्झ न केणई।।"

अर्थात् मैं सभी जीवों से क्षमायाचना करता/करती हूं. सभी जीव मुझे क्षमा करें. मेरा सबके प्रति मैत्री भाव है, किसी से कोई वैर-विरोध नहीं है. इस एक सूत्र वाक्य के द्वारा आप समस्त जीवों को क्षमा प्रदान करके उन्हें अभयदान देते हैं. अभयदान सबसे बड़ा दान है.

इन सबसे क्षमायाचना

जैन धर्म की मान्यतानुसार इस पृथ्वी पर चौरासी लाख जीव योनियां पाई जाती हैं. सात लाख पृथ्वीकाय, सात लाख अप्काय, सात लाख तेजस्काय, सात लाख वायुकाय, दस लाख प्रत्येक वनस्पतिकाय, चौदह लाख साधारण वनस्पतिकाय, दो लाख द्वीन्द्रिय, दो लाख त्रीन्द्रिय, दो लाख चतुरिन्द्रिय, चार लाख नारकी, चार लाख देवता, चार लाख तिर्यंच पंचेन्द्रिय, चौदह लाख

मनुष्य की जाति- चार गति, चौरासी लाख जीव योनि पर राग-द्वेष आया हो तो तस्स मिच्छामि दुक्कड़ं. क्षमापना पर्व के दिन इन सबसे क्षमायाचना की जाती है.

क्षमा का मार्ग अतुलनीय

क्षमा का गुण मानव जीवन की आधारशिला है. जिसके जीवन में क्षमा है, वही व्यक्ति ऋजुता और महानता को प्राप्त कर सकता है. तभी तो रहीम दास जी ने कहा है-

'क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात।
का रहीम हरि को घट्यो, जो भृगु मारी लात।।'

क्षमा हमें झुकने की प्रेरणा देती है और विनम्र बनाती है.

क्षमा का मार्ग अतुलनीय होता है एवं क्षमा का बल सबसे बड़ा है. यदि इसका सही ढंग से, सही जगह पर प्रयोग किया जाए तो निश्चित ही क्षमा में अपार शक्ति निहित है. क्षमा हमें हमारे पापों से दूर करके मोक्ष का मार्ग दिखाती है. यह पर्व हमें सहनशीलता से रहने की प्रेरणा देता है. क्रोध पर विजय प्राप्त करना और क्रोध आने पर अपने विवेक से उस पर काबू पाकर उससे उत्पन्न होने वाले दुष्परिणामों के बारे में सोचना ही सबसे अच्छा तरीका है.

रामचरितमानस का यह प्रसंग

भगवान महावीर ने क्षमा मांगने वाले से अधिक क्षमा करने वाले को महान बताया है. क्षमा देने वाले का स्थान सबसे ऊंचा होता है. केवल जैन धर्म में ही नहीं अपितु अन्य धर्मों में भी क्षमा का बहुत महत्व है. रामचरितमानस के सुंदरकांड में भगवान श्रीराम लंका जाने के लिए समुद्र से मार्ग की मांग कर रहे थे लेकिन तीन दिन बीत जाने पर भी समुद्र ने कोई जवाब नहीं दिया. तब क्रोध में आकर श्रीराम ने धनुष बाण उठा लिए और समुद्र को सुखाने के लिए प्रत्यंचा पर बाण का संधान किया. तब भयभीत होकर समुद्र उनके चरणों में गिर पड़ा और बोला-

'सभय सिन्धु गहि पद प्रभु केरे।
क्षमहु नाथ सब अवगुन मेरे।।'

और श्रीराम ने उसे तुरंत ही क्षमा कर दिया. इसी प्रकार श्रीकृष्ण ने शिशुपाल के 99 अपराधों को क्षमा कर दिया था लेकिन चेतावनी देने के बाद भी वह नहीं माना तब उसका वध किया था. ऐसी क्षमा शक्तिशालियों का आभूषण कहलाती है. तभी तो कहा गया है-

"क्षमा बलं अशक्तानां, शक्तानां भूषणम् क्षमा।
क्षमा वशीकृते लोके, क्षमया किम न साधयति।।"

अर्थात् क्षमा कमजोरों की ताकत और शक्तिशालियों का आभूषण है. सारा संसार क्षमा से वश में किया जा सकता है. इससे सभी कार्य सिद्ध हो सकते हैं. अतः कहा जा सकता है कि वर्तमान समय में समस्त संसार पर विश्व युद्ध का जो खतरा मंडरा रहा है, उसका एकमात्र समाधान सिर्फ क्षमा है.

गलतियों से सीख लें और आगे बढ़ें

क्षमा का तात्पर्य सिर्फ बड़ों से ही क्षमा मांगना नहीं है, अपनी गलती होने पर बड़ों और छोटों, सभी से क्षमा मांगना ही इस पर्व का उद्देश्य है. यह पर्व हमें यह शिक्षा देता है क़ि आपकी भावना अच्छी है तो दैनिक व्यवहार में होने वाली छोटी-मोटी त्रुटियों को अनदेखा करें. उनसे सीख लेकर फिर कोई नई गलती न करें. क्षमा करने से आप दोहरा लाभ लेते हैं-एक तो सामने वाले को आत्मग्लानि भाव से मुक्त करते हैं, दूसरे दिलों की दूरियों को दूर कर सहज वातावरण का निर्माण करके उसके दिल में फिर से अपने लिए एक अच्छी जगह बना लेते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज से पहले बढ़ी टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की टेंशन

दलीप ट्रॉफी में फेल हुए यशस्वी-पंत समेत चार स्टार खिलाड़ी

एजेंसी। नयी दिल्ली

इंडिया वर्सेस बांग्लादेश टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होने जा रहा है, मगर सीरीज के शुरू होने से पहले भारतीय स्टार प्लेयर्स ने कप्तान रोहित शर्मा समेत टीम इंडिया की टेंशन बढ़ा दी है। दरअसल, इंडिया वर्सेस बांग्लादेश टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी में हाथ आजमा रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से पहले भारतीय खिलाड़ियों के पास प्रैक्टिस के लिए यह अहम टूर्नामेंट होने वाला है। मगर दलीप ट्रॉफी के पहले ही राउंड में भारतीय स्टार खिलाड़ियों को फेल होता देख रोहित शर्मा टेंशन में होंगे। यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत से लेकर श्रेयस अय्यर तक कई खिलाड़ी इस दौरान फेल हुए।

फाइल फोटो.

यशस्वी जायसवाल : इंडिया बी के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंडिया ए के खिलाफ पहली पारी में 59 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से मात्र 30 ही रन बना पाए। उन्हें दाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने पवेलियन की राह दिखाई।

सरफराज अहमद : इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने वाले सरफराज खान भी इस दौरान फेल हुए। सरफराज भी इंडिया बी का हिस्सा हैं और वह इंडिया ए के खिलाफ 35 गेंदों पर 9 ही रन बना पाए। उन्हेंआवेश खान ने बोल्ड किया। सरफराज खान की टीम इंडिया में जगह थोड़ी खतरे में है क्योंकि ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे सीनियर खिलाड़ी टीम में वापसी के लिए तैयार है। अगर सरफराज को बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में जगह बनानी है तो इन मौकों का फायदा उठाना होगा।

ऋषभ पंत : इंडिया बी के एक और बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी टीम और भारतीय फैंस को निराश किया। कार एक्सीडेंट के बाद पंत ने टी20 और वनडे टीम में तो जगह बना ली है, मगर टेस्ट में उनकी अभी वापसी बाकी है। पंत इंडिया ए के खिलाफ 10 गेंदों पर 1 चौके की मदद से 7 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आकाशदीप ने पवेलियन की राह दिखाई। रोहित शर्मा और भारतीय खेमा चाहेगा कि पंत बांग्लादेश सीरीज से पहले फॉर्म में वापसी करे।

श्रेयस अय्यर : टेस्ट टीम में वापसी करने की कोशिश कर रहे दाएं हाथ के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी दलीप ट्रॉफी की पहली पारी में फेल हुए। वह इंडिया डी के कप्तान हैं। अय्यर 9 के निजी स्कोर पर विजय कुमार का शिकार बने। अय्यर को अगर टीम इंडिया में वापसी करनी है तो उनके लिए दलीप ट्रॉफी में रन बनाना काफी जरूरी है।

घरेलू क्रिकेट खेलना हमारे लिए बेहद जरूरी: ऋषभ पंत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने गुरुवार को दलीप ट्रॉफी के शुरु होने के साथ नए सत्र की शुरुआत के लिए घरेलू क्रिकेट में शीर्ष क्रिकेटरों की भागीदारी का समर्थन किया. टूर्नामेंट में इंडिया बी के लिए खेल रहे पंत ने लगभग दो साल बाद लाल गेंद से क्रिकेट खेलने का उत्साह साझा किया. उन्होंने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच दिसंबर 2022 में (बांग्लादेश के खिलाफ) खेला था. पंत ने कहा, "मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक अद्भुत एहसास है, क्योंकि दो साल पहले जब मैं दुर्घटना का शिकार हुआ था, तो मैं हमेशा सोचता था कि मैं भारत के लिए फिर से कब खेल पाऊंगा. पिछले छह महीनों में, मैंने आईपीएल खेला, और हमने विश्व कप भी जीता. यह बहुत अच्छा एहसास है क्योंकि मैंने बचपन से ही विश्व कप जीतने का सपना देखा था. अब मैं फिर से रेड बॉल क्रिकेट में वापसी कर रहा हूं और दो साल से अधिक समय के बाद दलीप ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेलूंगा.

ब्रीफ खबरें

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ की घोषणा

नई दिल्ली। आईसीसी ने गुरुवार को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवाड्र्स के लिए पुरुष और महिला उम्मीदवारों की घोषणा की. जिसमें आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों का नाम शामिल है. दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स और श्रीलंका के ऑलराउंडर दुनिथ वेल्लालागे को पुरुषों के पुरस्कार के लिए चुना गया है, जबकि महिलाओं में श्रीलंका की बल्लेबाज हर्षिता समरविक्रमा, आयरलैंड की ऑलराउंडर ओर्ला प्रेंडरगैस्ट और आयरलैंड की सलामी बल्लेबाज गैबी लुईस को चुना गया है. महाराज, जो अप्रैल 2022 में पहले जीतने के बाद दूसरे प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड की दौड़ में हैं,

रोनाल्डो व मेसी का नाम नहीं एमबाप्पे, हालैंड मुख्य आकर्षण

नई दिल्ली । बैलन डी''ओर 2024 सूची में दो दशकों में पहली बार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी का नाम नहीं है. पुरस्कार के लिए नामांकितों की सूची बुधवार को घोषित की गई. दूसरी ओर, काइलियन एमबाप्पे और एरलिंग हालैंड इंग्लैंड के प्रतिभाशाली खिलाड़ी जूड बेलिंगहैम के साथ सूची के मुख्य आकर्षण हैं, जबकि स्पेन की विजयी 2024 यूरोपीय चैम्पियनशिप के दो युवा सितारे लैमिन यामल व निको विलियम्स भी सूची में शामिल हैं. मेसी और रोनाल्डो इस पुरस्कार के दो सबसे सफल विजेता हैं.

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन चार अक्टूबर से

मुंबई । प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन, 4 अक्टूबर से शुरु हो रहा है और इसका समापन 20 अक्टूबर 2024 को होगा. इस सीजन में देश के सभी हिस्सों से 6 टीमों में कुल 180 आर्म-रेसलर्स शामिल होंगे, जो प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए पुरुष, महिला और विकलांग श्रेणियों में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे. प्रो पंजा लीग, जिसकी सह-स्थापना बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता परवीन डबास और प्रीति झंगियानी ने की है और जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज सुनील शेट्टी भागीदार हैं, ने 2023 में पहले सीजन से पहले रैंकिंग टूर्नामेंट के दो संस्करण, कई मेगा मैच और कई प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए, जो 32 मिलियन अद्वितीय दर्शकों के साथ एक बड़ी सफलता साबित हुई. . सीजन 2 को लेकर प्रो पंजा लीग के सह-मालिक परवीन डबास ने कहा, पहले सीजन ने साबित कर दिया कि अगर सही तरीके से पेश किया जाए तो पंजा के खेल के लिए बहुत सारे दर्शक हैं .

पुरुष क्लब थ्रो एफ51 में अमित कुमार नहीं दिखा पाए कमाल

पेरिस में धरमबीर ने स्वर्ण व प्रणव सूरमा ने जीता रजत

एजेंसी। पेरिस

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय दल का शानदार प्रदर्शन जारी है. बुधवार को पुरुषों की क्लब थ्रो एफ 51 स्पर्धा में धरमबीर ने स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने 34.92 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पेरिस में तिरंगा लहराया. वहीं, उनके साथी प्रणव सूरमा ने 34.59 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया. हालांकि, भारत के अमित कुमार इस स्पर्धा में 10वें स्थान पर रहे. यह पहली बार है जब भारत ने पैरालंपिक में क्लब थ्रो इवेंट में पदक जीता है. सर्बिया के जेल्को दिमित्रिजेविक ने 34.18 के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता.

अमित नहीं दिखा पाए कमाल : पुरुषों की क्लब थ्रो एफ 51 स्पर्धा के फाइनल में अमित कुमार कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए. वह पहले प्रयास में विफल रहे जबकि दूसरा थ्रो 21.49 का रहा. तीसरा थ्रो उनका एक बार फिर अमान्य रहा जबकि चौथे प्रयास में उन्होंने 23.96 की दूरी तय की. पांचवां और छठा थ्रो भी अमान्य रहा.

अंक तालिका में 13वें स्थान पर पहुंचा भारत : पेरिस पैरालंपिक में अब भारत के 24 पदक हो गए हैं. इनमें पांच स्वर्ण, नौ रजत और 10 कांस्य शामिल हैं. इसी के साथ भारत पैरालंपिक की पदक तालिका में 13वें स्थान पर पहुंच गया है. पदकों की यह संख्या अब तक की सर्वश्रेष्ठ है. टोक्यो 2020 पैरालंपिक में भारत ने 19 पदक जीते थे. भारत इस साल 25 पार के लक्ष्य के साथ उतरा है. वहीं, भारत ने एक पैरालंपिक खेलों में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का नया रिकॉर्ड कायम किया है.

धरमबीर ने भारत को दिलाया पांचवां सोना

फाइनल में धरमबीर की शुरुआत अच्छी नहीं हुई. लगातार चार थ्रो उनके अमान्य करार दिए गए. हालांकि, पांचवी बार उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 34.92 का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया. इसके बाद छठे प्रयास में उन्होंने 31.59 का थ्रो किया. धरमबीर ने भारत को पेरिस पैरालंपिक में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया है. इससे पहले बुधवार को तीरंदाज हरविंदर सिंह ने स्वर्ण जीता पदक था. धरमबीर के स्वर्ण के साथ भारत ने टोक्यो में हासिल किए गए अपने सर्वश्रेष्ठ पांच स्वर्ण पदकों की बराबरी भी कर ली.

सूरमा ने जीता रजत

सूरमा की शुरुआत शानदार हुई. उन्होंने शुरुआती दोनों थ्रो 34.59 और 34.19 के किए. हालांकि, तीसरा प्रयास में वह सफल नहीं हुए. भारतीय एथलीट का चौथा थ्रो 34.50 का रहा जबकि पांचवां थ्रो 33.90 का किया. वहीं, छठे प्रयास में उन्होंने 33.70 मीटर की दूरी तय की. प्रणव ने पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीता.

जानिक सिनर.

सिनर ने मेदवेदेव को हराया, ड्रेपर पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में

एजेंसी। न्यूयॉर्क

वर्ल्ड नंबर 1 जानिक सिनर ने बुधवार देर रात 2021 के चैंपियन दानिल मेदवेदेव को हराकर अपने पहले यूएस ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया. इटालियन ने दो घंटे, 39 मिनट में 6-2, 1-6, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की. वह कोराडो बाराजुट्टी (1977) और माटेओ बेरेटिनी (2019) के बाद ओपन एरा में यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले तीसरे इतालवी खिलाड़ी बन गए. इटालियन अब चौथा सक्रिय खिलाड़ी है जो सभी चार ग्रैंड स्लैम में सेमीफाइनल में पहुंचा है. वह उस विशिष्ट सूची में नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मारिन सिलिच के साथ शामिल हो गए हैं. ड्रा में बचे एकमात्र प्रमुख चैंपियन, सिनर का अंतिम चार में 25वीं वरीयता प्राप्त ब्रिटिश खिलाड़ी जैक ड्रेपर से मुकाबला होगा.

सिनसिनाटी में अपनी जीत के बाद सीज़न के अंतिम प्रमुख स्थान पर पहुंचकर, इटालियन नौ मैचों की जीत की लय में हैं. 22 वर्षीय ड्रेपर ने बुधवार शाम को 10वीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई एलेक्स डी मिनौर को 6-3, 7-5, 6-2 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया. ड्रेपर, जो न्यूयॉर्क में बिना कोई सेट गंवाए सेमीफाइनल में पहुंचने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं, ने अपने पहले प्रमुख क्वार्टरफाइनल में डी मिनौर के खिलाफ अर्जित 20 ब्रेक प्वाइंट में से छह को भुनाया. एटीपी आंकड़ों के अनुसार, ग्रेग रुसेदस्की (1997), टिम हेनमैन (2004) और मरे (2008, 2011-12) के बाद ओपन युग में यूएस ओपन में पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले वह कुल मिलाकर चौथे ब्रिटिश खिलाड़ी हैं. इसके अलावा, 2012 में मरे के खिताब जीतने के बाद वह यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले ब्रिटिश व्यक्ति बन गए.

सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर बेताब तेज गेंदबाज प्रिंस यादव

एजेंसी। नयी दिल्ली

पुरानी दिल्ली 6 के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव, जिन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, टूर्नामेंट के सेमीफाइल को लेकर काफी उत्साहित हैं. पुरानी दिल्ली 6 ने सोमवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 33 रन से हराकर लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. पुरानी दिल्ली 6 के लिए यादव ने सबसे शानदार गेंदबाजी की और उन्होंने तीन विकेट लिए, जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू का विकेट भी शामिल था. मैच के सबसे किफायती गेंदबाज यादव ने कहा कि वह जानते हैं कि मैदान पर उन्हें क्या करना है, क्योंकि उन्होंने ऐसी परिस्थितियों का कई बार सामना किया है. उन्होंने कहा, यह मुश्किल नहीं था क्योंकि मैंने हमेशा ओस में गेंदबाजी का बहुत अभ्यास किया है. मैंने हमेशा अपनी टीम के लिए मुश्किल ओवर फेंके हैं. मैं अपना 100 प्रतिशत देने के बारे में सोच रहा था क्योंकि हमें मैच जीतना था ताकि हम क्वालीफाइंग के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर न रहें. पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो मैच जीतकर डीपीएल में वापसी की. यह पहली बार था जब पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो मैच जीते और इससे उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने में मदद मिली. यादव ने कहा, हमें अपने टीम के मालिक और सहयोगी स्टाफ से अच्छा समर्थन मिला है, यहां तक कि कोचों ने भी हमारी मदद की है. सभी ने माहौल को बहुत हल्का और शांत रखा, जिससे हमें खिलाड़ियों के रूप में आगे बढ़ने का मौका मिला. मैं सेमीफाइनल के लिए बहुत उत्साहित हूं और उससे भी ज्यादा मैं मैच जीतने के लिए उत्सुक हूं. पुरानी दिल्ली 6 अब टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में खेलेगी, जो शुक्रवार को खेला जाएगा.

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए ग्रेटर नोएडा पहुंची न्यूजीलैंड की टीम

ग्रेटर नोएडा : अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी एकमात्र टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की टीम गुरुवार को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा पहुंची. यह मैच 9 से 13 सितंबर तक खेला जाएगा. यह ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड पर खेला जाएगा. न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउथी, स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन, उप कप्तान टॉम लैथम और टीम के अन्य सदस्य गुरुवार सुबह नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हुए. स्टार अफ़गान ऑलराउंडर राशिद खान पीठ की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से बाहर हो गए हैं. जुलाई की शुरुआत में, राशिद को अफगानिस्तान के घरेलू टी20 टूर्नामेंट, स्पीन घर टाइगर्स (एसजीटी) के लिए शपागीज़ा क्रिकेट लीग (एससीएल) में खेलते समय चोट लग गई थी. ब्लैक कैप्स पांच स्पिन-गेंदबाज़ी विकल्पों के साथ भारत पहुंची है. स्पिन विभाग में मिशेल सेंटनर, एजाज पटेल, रचिन रवींद्र, माइकल ब्रेसवेल और ग्लेन फिलिप्स हैं.

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए अफगानिस्तान की टीमः हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, बहीर शाह महबूब, इकराम अलीखिल (विकेट कीपर), शाहिदुल्लाह कमाल, गुलबदीन नायब, अफसर जजई (विकेट कीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, जियाउर्रहमान अकबर, शम्सुर्रहमान, कैस अहमद, जहीर खान, निजात मसूद, फरीद अहमद मलिक, नवीद जादरान, खलील अहमद, यामा अरब.

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड की टीमः टिम साउथी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम (उप कप्तान), डेरिल मिशेल, विल ओ''रुरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, केन विलियमसन, विल यंग.

कप्तान जोस बटलर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर

एजेंसियां ।लंदन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम के व्हाइट बॉल कप्तान जोस बटलर चोटिल हो गए हैं. बटलर दाहिनी पिंडली की चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं. ऐसा माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से भी वह बाहर हो सकते हैं. इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि बटलर की अनुपस्थिति में 28 वर्षीय फिल साल्ट टी20 टीम की कमान संभालेंगे. दाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने अब तक 31 टी20 मैचों में 165.11 की शानदार स्ट्राइक रेट से 885 रन बनाए हैं. इसी के साथ ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टी20 टीम में बटलर की जगह शामिल किया गया है. इसके अलावा बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को कवर के तौर पर वनडे टीम में शामिल किया गया है.

इंग्लैंड टी20 टीम : फिल साल्ट (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, सैम करन, जोश हल, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसले, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, रीस टॉपले, जॉन टर्नर.

इंग्लैंड वनडे टीम : जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, जोश हल, विल जैक्स, मैथ्यू पॉट्स, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जेमी स्मिथ, रीस टॉपले, जॉन टर्नर.

रिकॉर्ड कैरेबियन प्रीमियर लीग में हुई आईपीएल के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

सीपीएल में शिमरन हेटमायर के रचा अनोखा इतिहास

- एक ही मैच में लगे 42 छक्के

एजेंसी। नई दिल्ली

कैरेबियन प्रीमियर लीग सीपीएल) 2024 का 7वां मैच सेंट किट्स एंड ने विस पैट्रियट्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच सेंट किट्स के वार्नर पार्क बैसेटेरे में खेला गया था. इस मैच में छक्कों के साथ-सात रिकॉर्ड की बरसात हुई. दोनों टीमों ने मिलाकर इस मैच में कुल 42 छक्के लगाए और आईपीएल के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की. इसके अलावा शिमरन हेटमायर ने 11 छक्कों की मदद से 91 रनों की तूफानी पारी के साथ इतिहास रचा.

एक टी 20 मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का वर्ल्ड रिकॉर्ड : आईपीएल 2024 में केकेआर वर्सेस पंजाब किंग्स मैच के दौरान एक टी-20 मुकाबले में सबसेअधिक छक्के जड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना था. उस दौरान दोनों टीमों ने मिलकर 42 बार गेंद को सीधा बाउंड्री के पार पहुंचाया था. अब सेंट किट्स एंड ने विस पैट्रियट्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स की टीम ने सीपीएल में ये कारनामा कर आईपीएल के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने इस मैच में 23 छक्के लगाए, वहीं गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने 19 बार गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाया.

हेटमायर ने 39 गेंदों पर 91 बनाये : गुयाना अमेजन वॉरियर्स के शिमरन हेटमायर ने इस मैच में बिना कोई चौका लगाए 11 बार गेंद को सीधा बाउंड्री के पार पहुंचाया.इसी के साथ उनके नाम टी20 क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड जुड़ गया है. वह टी-20 क्रिकेट के इतिहास में बिना चौका लगाए 10 या इससेअधिक छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने हैं. उन्होंने अपनी इस पारी में 39 गेंदों का सामना करते हुए 233.33 के स्ट्राइक रेट से 91 रनों की धुआंधार पारी खेली.

एक नजर रिकार्ड पर

- केकेआर वर्सेस पंजाब किंग्स (2024)– 42 छक्के
- सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स वर्सेस गुयाना अमेजन वॉरियर्स (2024)– 42 छक्के
- आरसीबी वर्सेस सनराइजर्स हैदराबाद (2024)– 38 छक्के
- सनराइजर्स हैदराबाद वर्सेस मुंबई इंडियंस (2024)– 38 छक्के
- सेंट किट्स एंडएं नेविस पैट्रियट्स वर्सेस जमैका तल्लावाहस (2019)– 37 छक्के

29 सितंबर को बेंगलुरु में बीसीसीआई की होगी एजीएम, संघों को भेजा गया नोटिस

एजेंसी। नयी दिल्ली

- सचिव का चुनाव नहीं
- कई अन्य मुद्दों पर होगी चर्चा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक यानी एजीएम बेंगलुरु में 29 सितंबर को होने वाली है. गुरुवार को एजीएम के लिए सभी राज्य क्रिकेट संघों को नोटिस भेज दिया गया है. बोर्ड की 93 वीं वार्षिक आम बैठक बेंगलुरू के फोर सीजन्स होटल में आयोजित की जाएगी. इसी के साथ शहर में हाई परफॉरमेंस सेंटर का उद्घाटन भी होना है. एजीएम नोटिस की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसके एजेंडे में बोर्ड सचिव के लिए चुनाव का उल्लेख नहीं है. जय शाह मौजूदा समय में बीसीसीआई के सचिव हैं और वे एक दिसंबर से आईसीसी के चेयरमैन की गद्दी संभालने वाले हैं तो ऐसे में वह पद खाली हो जाएगा, लेकिन बोर्ड के लिए फिलहाल वह एजेंडा नहीं है. बीसीसीआई की ये एजीएम बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी के गृहनगर बेंगलुरू में हो रही है. ऐसे में यह संकेत मिलता है कि पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इस बैठक में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. यहां तक कि आईसीसी में बोर्ड के प्रतिनिधि के रूप में बिन्नी की नियुक्ति की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता.

एजेंडे में आईपीएल पर खासा ध्यान होगा, क्योंकि इस साल मेगा ऑक्शन भी आयोजित होना है और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में आम निकाय के दो प्रतिनिधियों का चुनाव भी होना है. इसके अलावा आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में भारतीय क्रिकेटर्स एसोसिएशन से एक प्रतिनिधि को शामिल करना, वार्षिक बजट को अपनाना, लोकपाल और एथिक्स ऑफिसर की नियुक्ति करना शामिल है. एजीएम को अंपायर समिति की भी नियुक्ति करनी है.

ब्रीफ खबरें

शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

पटना । बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को सफल बनाने के लिए बिहार मद्य निषेध उत्पाद विभाग की टीम लगातार प्रयासरत है. माफियाओं और कारोबारियों के नेक्सस को पूरी तरह से ध्वस्त करने को लेकर कार्रवाई जारी है. इसी कड़ी में मद्य निषेध उत्पाद विभाग की पटना टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए यूपी राज्य से अवैध शराब की खेप को लाने की मिली सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 लग्जरी वाहनों में हजारों लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, वाहन सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है.

केंद्रीय मंत्री ने की अभियान की शुरुआत

गया । गया जिले में भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान 2024 की शुरुआत की. इस मौके पर गया संग्रहालय आगमन पर जिला अध्यक्ष चिंटू शर्मा, पूर्व सांसद रामजी मांझी, पूर्व विधायक श्यामदेव पासवान, पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, सदस्य प्रभारी जुगेश राम, संतोष सिंह, क्षितिज, मोहन सिंह, बन्ना सिंह, करुणा सिंह सहित भारी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूलों का हार पहनाकर स्वागत किया. इस मौके पर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए गया जिले में 20 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है.

शिक्षक दिवस पर 41 शिक्षकों को मिला अवार्ड

पटना । डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर यानी शिक्षक दिवस पर गुरुवार को 41 शिक्षक-शिक्षिकाओं को राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया. सम्मान समारोह का आयोजन पटना स्थित श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में किया गया. बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव सिद्धार्थ मौजूद रहे. उन्होंने शिक्षकों को और ज्यादा बेहतर करने और अन्य शिक्षकों को उनसे प्रेरणा लेने की बात कही. इस दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं के चेहरे खिल उठे.

गांव में फैला डायरिया, एक बच्चे की मौत, 36 बीमार, टीम पहुंची

संवाददाता । नालंदा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा के रहुई प्रखंड में स्थित उतरनामा गांव इन दिनों एक गंभीर स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है. गांव के वार्ड नंबर 10 के महादलित टोला में डायरिया फैल गया है, जिससे एक 4 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई है और तीन दर्जन से अधिक (करीब 36) लोग इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं. गांव की कुल आबादी 250 लोगों के करीब है. स्थानीय निवासी रंजीत रविदास ने बताया कि उनके परिवार के तीन सदस्य, दो बेटियां और एक साली डायरिया से पीड़ित है. जीतू रविदास के 4 वर्षीय बेटे रेशव कुमार उर्फ भोला की इस बीमारी के कारण मौत हो गई है. इसके अलावा सोनम कुमारी (7), ज्योति कुमारी (5), आशिक कुमार (3), बालाजी (13), अंकुश कुमार (4) और सुरुचि कुमारी (18) भी डायरिया से ग्रसित हैं. अधिकांश लोग निजी क्लीनिकों में उपचार करा रहे हैं, जबकि कुछ मरीजों का इलाज बिहार शरीफ सदर अस्पताल में चल रहा है.

स्टाफ ने किया दुर्व्यवहार : डायरिया से जान गंवाने वाले बच्चे की चाची विभा देवी ने रहुई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि जब वे अपने बीमार बच्चे को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे तो वहां के स्टाफ ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें भगा दिया. इस कारण बच्चे का समय पर इलाज नहीं मिल पाया और उसकी मौत हो गई.

ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया

स्थानीय निवासियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिलने के बाद एक टीम गांव पहुंची थी, लेकिन उन्होंने न तो पूरे गांव का सर्वेक्षण किया और न ही ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया. यह स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही को दर्शाता है. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र भी संचालित है, हालांकि यह अधिकांश दिन बंद रहता है. जिसके कारण उन्हें मामूली समस्याओं के लिए भी रहुई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या बिहार शरीफ सदर अस्पताल जान पड़ता है. रहुई स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि गांव में एक मेडिकल टीम भेजी जा रही है. क्षेत्र के निवासियों को स्वच्छता बनाए रखने, उबला हुआ पानी पीने और किसी भी संदिग्ध लक्षण के मामले में तुरंत चिकित्सा सहायता लेने की सलाह दी जा रही है.

जमुई में ट्रेन से कटकर बांका की महिला की मौत

जमुई । जमुई जिले के सिमुलतला थाना क्षेत्र के टेलवा बाजार हॉल्ट के पास ट्रेन से कटकर एक महिला की मौत हो गई. घटना बुधवार की बताई जा रही है. बता दें कि मृतक महिला की पहचान नहीं हो पाई थी. बुधवार देर शाम महिला की पहचान हुई जिसके बाद गुरुवार सुबह महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया. मृतक महिला की पहचान बांका जिले के आनंदपुर ओपी थाना क्षेत्र के मोथडीह गांव के घुलटन यादव की 26 वर्षीय पत्नी फुलवा देवी के रूप में की गई है. घटना टेलवा और सिमुलतला के आउटर सिंगल पोल नंबर 346/32 के पास की बताई जा रही है. इस घटना के बारे में मृतका के ससुर बाबू लाल यादव का कहना है कि बुधवार को ही वो घर से आधार कार्ड लेकर बैंक से पैसा निकालने जाने की बात कहकर निकली थी.

बेगूसराय : ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को मारी टक्कर

हादसे में सोना कारोबारी की हुई मौत, साथी घायल, भर्ती

संवाददाता । बेगूसराय

बेगूसराय में एक सड़क हादसे में सोना कारोबारी की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है. घायल युवक का इलाज बेगूसराय के सदर अस्पताल में चल रहा है. बताया जा रहा है कि दोनों युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे, इस दौरान जीरो माइल के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी.

हादसे में जान गंवाने वाले सोना कारोबारी की पहचान गोले कुमार के रूप में हुई है वह नगर थाना क्षेत्र के मियां चक गाछी टोला का रहने वाला था. छोटू कुमार ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि बाइक सवार दोनों युवक जीरो माइल से बेगूसराय लौट रहे थे, तभी जीरो माइल के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया. हादसे में गोलू कुमार की मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है.

गोलू कुमार की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, सदर अस्पताल में सैकड़ों लोगों की भीड़ लग गई. गोलू परिवार पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी, उसकी कमाई से ही घर खर्च चलता था. उसकी मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है. हादसे की सूचना पर सदर अस्पताल पहुंची नगर थाना पुलिस पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुटी हुई है. नगर थाना अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बताया कि जीरो माइल के पास सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हुई है, जबकि दूसरा युवक घायल है. हादसे की जांच की जा रही है.

सहरसा में सोना कारोबारी की करंट लगने से मौत

सहरसा । सहरसा में 36 साल के स्वर्ण व्यवसायी पंकज सोनी की करंट लगने से गुरुवार को मौत हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. व्यवसायी की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. जानकारी के अनुसार, मारूफगंज में रहने वाले स्वर्ण व्यवसायी पंकज सोनी के घर में अचानक करंट आने लगा था. ऐसे में वह छत पर करंट आने का कारण जानने के लिए गया थे, इस दौरान वह इसकी चपेट में आ गया. मौके पर परिवार के सदस्यों ने पंकज को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक अपने पीछे पत्नी, आठ साल का पुत्र और एक तीन साल की पुत्री सहित पूरा परिवार छोड़ गया है.

इथेनॉल से फुल टैंकर गया में पलटा

क्रेन से उठाने के दौरान लगी भीषण आग

संवाददाता । गया

गया में एक बड़ा हादसा होने से टल गया. गया-डोभी मुख्य सड़क मार्ग (एनएच-83) पर टेकुना फार्म के समीप बीते बुधवार की देर रात इथेनॉल से फुल टैंकर अचानक पलट गया. पलटने के समय टैंकर सुरक्षित था लेकिन जैसे ही उसे उठाने के लिए क्रेन को लाया गया तो बिजली के तार के संपर्क में आने से भीषण आग लग गई. घटना के बाद टैंकर चालक फरार हो गया. उधर, देखते ही देखते आग ने भयावह रूप ले लिया. इस घटना में आग ने एक क्रेन को भी अपनी चपेट में ले लिया. इतना ही नहीं बल्कि अगलगी की इस घटना में सड़क के किनारे स्थित कई दुकानें जलकर राख हो गईं. आग इतनी भयावह थी कि कुछ देर के लिए एनएच-83 पर आवागमन ठप हो गया. आग की लपटें कुछ दूर तक दिख रही थीं. इस दौरान आसपास के कुछ लोगों की भीड़ जुट गई.

मौके पर अफरा-तफरी मच गया : मौके पर मौजूद लोगों ने आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी. मौके पर गया और बोधगया से फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची. इसके बाद कड़ी मशक्कत करते हुए फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया. एक बड़ा हादसा जरूर टल गया लेकिन इस घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरातफरी जरूर मच गई थी.

सुपौल में कपड़ा उतार कर प्रेमी-प्रेमिका को पीटा

सुपौल । प्रेम-प्रसंग के विरोध में गांव के ही मनचलों ने एक नाबालिग लड़की और एक युवक को ना सिर्फ पकड़कर पीटा बल्कि दोनों के कपड़े तक उतार दिए. वीडियो बनाकर वायरल कर दिया. पूरा मामला सुपौल के करजाईन थाना क्षेत्र का है. हालांकि वीडियो कब का है इसका पता नहीं चला है लेकिन इस मामले में बीते बुधवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है.बताया गया कि लड़की की उम्र 16 साल के करीब है जबकि युवक की 19 साल के आसपास का है. ये दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते थे.

पांच धुर जमीन के लिए युवक को पीट-पीटकर मार डाला

संवाददाता । पटना

भोजपुर के सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरहट्टा कला गांव में एक युवक की भूमि विवाद में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है. युवक दिव्यांग था. सिर्फ पांच धुर जमीन के लिए विवाद शुरू हुआ और बात इस हद तक पहुंच गई कि एक व्यक्ति की जान चली गई. घटना बीते बुधवार की है. मृतक की पहचान सिकरहट्टा कला गांव निवासी पवन कुमार के रूप में की गई है. घटना के बाद परिजनों ने इसकी सूचना सिकरहट्टा थाने को दी. परिजनों ने पटीदार पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है. मृतक पवन कुमार की भाभी नीतू देवी ने बताया कि पटीदार से पांच धुर की गली की जमीन को लेकर कुछ दिनों से विवाद चल रहा है. इसको लेकर हमेशा झगड़ा और गाली-गलौज होता था. बुधवार को पटीदार जबरन उनकी जमीन पर गिट्टी और बालू गिराने के लिए कहने लगे. इसी का उनके देवर ने विरोध किया था तो उनकी पिटाई कर दी गई.

कारोबार

चांदी सस्ती, सोने के भाव में भी गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है. हालांकि चांदी गुरुवार को 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक टूट गया है. सर्राफा बाजार की गुरुवार की गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,900 रुपये से लेकर 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना भी गुरुवार को 66,830 रुपये से लेकर 66,6800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है.

रणवीर सिंह ने शराब में किया बड़ा निवेश

मुंबई । व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाॅइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स ने बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को पार्टनर बनाया है. कंपनी ने इसके बारे में शेयर बाजारों को एक नियामकीय फाइलिंग में जानकारी दी है. कंपनी ने अपनी फाइलिंग में बताया है कि वह रणवीर सिंह के साथ मिलकर एक जॉइंट वेंचर बना रही है. जॉइंट वेंचर में एलाॅइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स की 80% हिस्सेदारी होगी. बाकी 20% हिस्सेदारी सिंह की कंपनी ओह फाइव ओह टैलेंट एलएलपी के पास होगी.

कच्चा तेल 73 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में गिरावट जारी है. ब्रेंट क्रूड का भाव 73 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. देश में आज सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.26 डॉलर यानी 0.36 फीसदी की गिरावट के साथ 72.96 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है. वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रूड 0.27 डॉलर यानी 0.39 फीसदी फिसलकर 69.47 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है.

रिलायंस के बोर्ड ने बोनस शेयर देने की मंजूरी दी, एक साल में 24.55% बढ़ा स्टॉक

शेयरहोल्डर्स को एक के बदले एक शेयर मिलेगा

एजेंसी । मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज के बोर्ड ने गुरुवार को शेयरधारकों को 1:1 के रेश्यो में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी है. 1:1 रेश्यो का मतलब है कि एलिजिबल शेयरहोल्डर्स को रिलायंस इंडस्ट्रीज का एक के बदले एक शेयर मिलेगा. पात्र शेयरधारकों का पता लगाने के लिए कंपनी जल्द रिकार्ड डेट की घोषणा करेगी. 1980, 1983, 1997, 2009 और 2017 के बाद यह छठी बार होगा जब कंपनी की ओर से अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी होंगे.

बोनस इश्यू की रिकॉर्ड डेट अभी निर्धारित नहीं की गई है. रिलायंस ने 29 अगस्त को अपनी एजीएम से पहले मीटिंग का ऐलान किया था. कंपनियां मुख्य रूप से अपने स्टॉक को रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए ज्यादा एक्सेसिबल बनाने के लिए बोनस शेयर जारी करती हैं, खासकर जब शेयर की कीमत काफी बढ़ जाती है. 2024 में अब तक रिलायंस के शेयर 17% बढ़ चुके हैं और 3,000 के निशान से ऊपर कारोबार कर रहे हैं.

एक साल में 24% बढ़ा शेयर : कंपनी के शेयर में गुरुवार को 1.26% की गिरावट रही. ये 38 रुपए गिरकर 2991 रुपए पर बंद हुआ. एक साल में रिलायंस का शेयर 23.41% चढ़ा है. वहीं बीते 6 महीने में शेयर लगभग फ्लैट रहा है. एक महीने में शेयर में करीब 4% की तेजी आई है. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 29 अगस्त को अपनी 47वीं एनुअल जनरल मीटिंग में जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर का ऐलान किया था. कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बताया था कि इसमें जियो यूजर्स को 100 जीबी तक का फ्री क्लाउड स्टोरेज मिलेगा.

एक महीने पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे. कंपनी को इस तिमाही में 15,138 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है. सालाना आधार पर मुनाफे में 5.45% की कमी आई है. एक साल पहले की इसी तिमाही में मुनाफा 16,011 करोड़ रुपए रहा था. वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की आय (रेवेन्यू) 2,36,217 करोड़ रुपए रही. एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 2,10,831 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था. यानी, सालाना आधार पर इसमें 12.04% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

गाडगिल का आईपीओ 10 सितंबर को आएगा

मुंबई । पीएन गाडगिल ज्वेलर्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ 10 सितंबर को ओपन होगा. निवेशक 12 सितंबर तक इस आईपीओ के लिए बोली लगा सकेंगे. 17 सितंबर को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे. इस इश्यू के जरिए टोटल 1,100 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है. इसके लिए कंपनी 850 करोड़ के 17,708,334 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है. वहीं कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए 250 करोड़ के 5,208,333 शेयर बेच रहे हैं.

स्टार हेल्थ इंश्योरेंस बनी ब्रेल लिपि में देश की पहली कंपनी

एजेंसी । मुंबई

देश की सबसे बड़ी खुदरा स्वास्थ्य बीमा कंपनी, स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (स्टार हेल्थ इंश्योरेंस) ने गुरुवार को उद्योग में पहली बार ब्रेल लिपि में एक बीमा पॉलिसी लॉन्च करने की घोषणा की. यह पॉलिसी नेत्रहीन लोगों तक अपने स्वास्थ्य तथा वित्त संबंधी मामलों पर स्वतंत्र निर्णय लेने में सहायक साबित होगी. यह जानकारी स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ आनंद रॉय ने दी. रॉय के अनुसार यह पॉलिसी देश में मौजूद 34 मिलियन दृष्टिबाधित/दृष्टिहीन लोगों को आय सृजन के अवसरों के साथ आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक होगी. यह समाज के वंचित, हाशिए पर पड़े वर्ग को प्रशिक्षण और कौशल प्रदान कर उन्हें कंपनी के साथ स्वास्थ्य बीमा एजेंट बनने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है. रॉय ने कहा, हमें ब्रेल लिपि में 'स्पेशल केयर गोल्ड' पॉलिसी लॉन्च करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है. यह समाज के सभी वर्गों में स्वास्थ्य बीमा तक समान पहुंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है.

ऑल-न्यू स्कोडा मोंटे कार्लो :बुकिंग्स पर शानदार छूट

संवाददाता । जमशेदपुर/रांची

स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में ऑल-न्यू स्लाविया मोंर्ट कार्लो संस्करण लांच किया है. स्पोर्ट्स थीम को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी ने कुशाक और स्लाविया में ऑल-न्यू स्पोर्टलाइन रेंज भी लॉन्च की है. स्कोडा ऑटो ने इन कारों की खरीद के लिए जबर्दस्त ऑफर की घोषणा की. इस तरह कंपनी ने भारतीय उपभोक्ताओं को आकर्षक मूल्य पर अपनी पसंदीदा कार तलाश करने के विकल्पों को बढ़ाया है. स्कोडा ऑटो इंडिया के बैंड डायरेक्टर पेट्र जनेबा ने कहा, मोंटे कार्लो बैज का ग्राहकों के साथ एक मजबूत संबंध है. ग्लोबल एनसीएपी से फुल 5 स्टार रेटिंग के साथ सुरक्षित बनाती है.

सेंसेक्स 151 अंक व निफ्टी 53 अंक गिरकर हुआ बंद

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट देखने को मिली. सेंसेक्स 151 अंक की गिरावट के साथ 82,201 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, निफ्टी में भी 53 अंक की गिरावट रही, ये 25,145 के स्तर पर बंद हुआ. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में तेजी रही. निफ्टी के 50 शेयरों में से 33 में गिरावट और 17 में तेजी रही. सिप्ला निफ्टी का टॉप लूजर रहा. वहीं श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ गुरुवार से ओपन हो गया है. निवेशक 9 सितंबर तक इस आईपीओ के लिए बोली लगा सकेंगे. 12 सितंबर को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे.

मुंबईः अभिनेत्री अनन्या पांडे, निर्देशक करण जौहर और अन्य लोग मुंबई में वेब सीरीज कॉल मी बे के प्रीमियर में शामिल होने के लिए फोटो खिंचवाते हुए. (फोटोः आईएएनएस)

सख्त कदम देश के अधिकांश हिस्सों में खुदरा में 60 रुपये प्रति किलो के भाव बिक रहा प्याज

अब 35 रुपये प्रति किलो की दर से मिलेगा प्याज : जोशी

एजेंसी । नई दिल्ली

त्योहारी सीजन में प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाया है. केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने बुधवार को यहां आयोजित कार्यक्रम में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज बेचने वाली मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर इसकी शुरुआत की. केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री ने यहां बिक्री के लिए तैनात भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की खुदरा बिक्री की शुरुआत की है. इस समय देश के अधिकांश हिस्सों में प्याज खुदरा में 60 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिक रहा है.

प्रहलाद वेंकटेश जोशी ने इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि रबी फसल से हमारे पास 4.7 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक उपलब्ध है. उन्होंने कहा कि खाद्य महंगाई को नियंत्रण में रखना भारत सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि मूल्य स्थिरीकरण उपायों के माध्यम से कई प्रत्यक्ष हस्तक्षेपों ने हाल के महीनों में मुद्रास्फीति दर को कम करने में अहम भूमिका निभाई है.

जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में शुरू किए गए मूल्य स्थिरीकरण कोष का उद्देश्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने पर बाजार में हस्तक्षेप करना है. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्याज की खुदरा बिक्री से देशभर के उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी. मंत्री ने कहा कि बफर से प्याज का लक्षित निपटान खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और स्थिर मूल्य व्यवस्था बनाए रखने के केंद्र सरकार के प्रयासों का एक अभिन्न अंग है. उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस कार्यक्रम के साथ ही सरकारी बफर स्टॉक से प्याज की मात्रा को लक्षित तरीके से जारी करने की शुरुआत हुई है, ताकि उपभोक्ताओं को यह आवश्यक सब्जी सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराई जा सके. मंत्रालय ने कहा कि प्याज की खुदरा बिक्री एनसीसीएफ और नैफेड के आउटलेट और मोबाइल वैन, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और प्रमुख उपभोग केंद्रों, केंद्रीय भंडार और सफल के आउटलेट के जरिए की जा रही है. मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में गुरुवार से प्याज का खुदरा वितरण शुरू हो रहा है.

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास बोले-

देश बदलावों के लिए तैयार, भारत सतत वृद्धि के पथ पर अग्रसर

एजेंसी । मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कहा कि देश सतत वृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी चालक गति पकड़ रहे हैं. इन बदलावों के लिए देश तैयार है. दास ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के संयुक्त रूप से आयोजित सालाना एफआईबीएसी 2024 सम्मेलन में यह बात कही. आरबीआई गवर्नर ने उद्घाटन भाषण में कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों तथा बाजारों में व्यापक बदलाव हो रहे हैं, देश इन बदलावों के लिए तैयार है.

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रिजर्व बैंक ने 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के लिए अपने विकास दर के अनुमान को संशोधित करके अब इसे 7 फीसदी पर रखा है. वहीं, दो दिन पहले विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास के अनुमान को बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया है.

न्यूज अपडेट

बिल्डिंग में काम के दौरान दो की मौत

मुंबई। मुंबई के मलाड क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया. नवजीवन एसआरए प्रोजेक्ट की निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम के दौरान पांच मजदूर नीचे गिर गए, जिनमें से दो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. निर्माणाधीन बिल्डिंग में हुए हादसे में पांच मजदूर नीचे गिर गए थे. उनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है.

कोस्ट गार्ड का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

अहमदाबाद। भारतीय कोस्ट गार्ड का एक एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर एमके-3 मिशन के दौरान समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. विमान का फ्रेम नंबर सीजी 863 है और वह एक मेडिकल इवैक्यूएशन मिशन पर था. हेलीकॉप्टर 2 सितंबर की रात मोटर टैंकर हरि लीला से गंभीर रूप से घायल चालक दल के सदस्य को एयरलिफ्ट करने के लिए एक आपातकालीन मिशन पर गया था.

ठक-ठक गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने ठक-ठक गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है. यह बदमाश गुलेल के जरिए गाड़ियों का शीशा तोड़कर उसमें रखे महंगे और कीमती सामान चुराते थे. इस गैंग ने एनसीआर में कई वारदात को अंजाम दिया है. यह दोनों बदमाश वांछित थे और पुलिस उनकी तलाश कर रही थी. बुधवार की रात पुलिस ने मुठभेड़ में इन्हें गिरफ्तार किया है.

वायएसआर कांग्रेस नेता गिरफ्तार

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश पुलिस ने तेलुगू देशम पार्टी के कार्यालय में साल 2021 में हुए तोड़फोड़ मामले में पूर्व सांसद और वायएसआर कांग्रेस के नेता नंदीगम सुरेश को गिरफ्तार कर गुंटूर जिले के मंगलगिरि ले जाया गया. इसी जिले में पूर्व सांसद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी. हाईकोर्ट द्वारा अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद पूर्व सांसद को गिरफ्तार किया गया.

तौकीर रजा ने की योगी की तारीफ

लखनऊ। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने सीएम योगी की तारीफ की है. उन्होंने कहा, 'अयोध्या में कुछ लोग टोपी पहनकर एक मंदिर में गोमांस डालने जा रहे थे. उस वक्त सीएम योगी चाहते तो उन्हें मुस्लिम दिखाकर कार्रवाई कर सकते थे. लेकिन, उन्होंने इस मामले से पर्दा उठाया और बताया कि मंदिर में गोमांस की घटना में हिंदू शामिल थे.'

गाजा में बच्चों को लगा पोलियो टीका

संयुक्त राष्ट्र। तीन दिवसीय पोलियो टीकाकरण अभियान के पहले चरण में गाजा पट्टी के 1,87,000 बच्चों को पोलियो टीका लगाया गया. टीका लगाए गए सभी बच्चे 10 साल से कम उम्र के थे. यूएन ऑफिस फॉर द कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमन अफेयर्स (ओसीएचए) ने बुधवार को कहा कि अब यह अभियान गुरुवार से तीन दिनों के लिए गाजा के दक्षिणी क्षेत्र में शुरू होगा.

दो बसें टकराईं, दो छात्रों की हुई मौत

रायचूर। कर्नाटक के रायचूर में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो छात्रों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए. घायल छात्रों में तीन के पैर कट गये हैं. हादसा सुबह 9:30 से 10:00 बजे के बीच एक स्कूल बस के कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस से टकराने से हुई. पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना केएसआरटीसी बस चालक की लापरवाही के कारण हुई है.

भाजपा ने सदस्यता में रचा इतिहास

नयी दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के संयोजक विनोद तावड़े ने दावा किया है कि पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान ने इतिहास रचते हुए महज 3 दिन में ही 1 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. विनोद तावड़े ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'मात्र 3 दिनों में ही 1 करोड़ से अधिक सदस्य जुड़े हैं, जो कि अपने आप में एक कीर्तिमान है.'

गाजियाबाद में दुकानों में लगी आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के शालीमार गार्डन इलाके में एक बिल्डिंग के नीचे बनी कई दुकानों में गुरुवार को अचानक आग लग गई. फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. बताया जा रहा है कि इन दुकानों में आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है. इसमें एक दुकान पेंट्स की भी थी. इसमें कुछ जानवरों को आग लगने के कारण नुकसान हुआ है.

आरजी कर केस में मिला नया सुराग

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की जांच कर रहे सीबीआई को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज मिला है. दस्तावेज के अनुसार, पूर्व प्राचार्य संदीप घोष ने पीड़िता का शव बरामद होने के एक दिन बाद राज्य के पीडब्ल्यूडी को घटना स्थल के आस-पास के क्षेत्रों में मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए थे.

सोलर एनर्जी पर रास्ता दिखा रहा भारत

नयी दिल्ली। भारत ने सोलर एनर्जी सेक्टर में काफी सफलता प्राप्त की है और ग्लोबल साउथ को एक रास्ता दिखाया, जिस पर चलकर कई विकासशील देश सोलर एनर्जी के क्षेत्र में बढ़त हासिल कर सकते हैं. अफ्रीका 50 के सीईओ एलेन एबोबिसे ने यहां कहा कि "इंटरनेशनल सोलर फेस्टिवल" एडवांस सोलर पार्टनरशिप बनाने और जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए अच्छा प्लेटफॉर्म है.

सांगली में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने बड़ी जनसभा को संबोधित किया, कहा-प्रधानमंत्री ने किया शिवाजी महाराज का अपमान

मोदी सिर्फ छत्रपति से नहीं, महाराष्ट्र के हर व्यक्ति से माफी मांगें

एजेंसी। सांगली

महाराष्ट्र के सांगली में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को बड़ी जनसभा को संबोधित किया. इस रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि यहां कुछ दिन पहले छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति टूट गई. इसके बाद नरेंद्र मोदी ने कहा- मैं शिवाजी महाराज से माफी मांगता हूं. माफी मांगने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं. राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहला कारण हो सकता है कि इस मूर्ति का कांट्रैक्ट बिना मेरिट वाले आरएसएस के किसी व्यक्ति को दे दिया. दूसरी गलती हो सकती है कि मूर्ति के बनने में भ्रष्टाचार हुआ चोरी हुई. तीसरा कारण हो सकता है कि शिवाजी महाराज की मूर्ति बनाई, लेकिन ये ध्यान नहीं दिया कि वो खड़ी रहे. राहुल ने आगे कहा कि मोदी ने शिवाजी महाराज का अपमान किया है. उन्हें सिर्फ शिवाजी महाराज से नहीं, महाराष्ट्र के हर व्यक्ति से माफी मांगनी चाहिए.

कांग्रेस नेता ने कहा- पतंगराव की मूर्ति 50-70 साल बाद भी यहां रहेगी

छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने पर राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपको गारंटी देता हूं कि कदम जी (दिवंगत कांग्रेस मंत्री पतंगराव कदम) की मूर्ति 50-70 साल बाद भी यहां रहेगी. क्योंकि इसको बनाने में भ्रष्टाचार नहीं हुआ है. गांधी ने कहा कि आप लोगों को डीएनए में हमारी विचारधारा है और लड़ाई विचारधारा की है, जो आप हिंदुस्तान में देख रहे हैं ये केवल राजनीति नहीं है. पहले राजनीति चलती थी, आज हिंदुस्तान में विचारधाराओं का युद्ध चल रहा है. जहां एक ओर कांग्रेस पार्टी और दूसरी तरफ भाजपा है. हम सामाजिक विकास चाहते हैं, हम सबको जोड़ कर साथ आगे बढ़ना चाहते हैं और वो लोग चाहते हैं कि चुने हुए लोगों को ही फायदा मिले. इसी बात की लड़ाई हमारे बीच में है और आपको ये पूरे देश में दिखेगा.

मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी गुरुवार को नांदेड़ में दिवंगत डॉ पतंगराव कदम की प्रतिमा के उद्घाटन के मौके पर पहुंचे.

कोने-कोने में भाजपा फैला रही है नफरत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगे कहा कि देश के कोने-कोने में बीजेपी नफरत फैला रही है. ये नई चीज नहीं है, ये सदियों से यही कर रहे हैं. विचारधारा की यह लड़ाई पुरानी है. राहुल गांधी ने कहा कि आज ये लड़ाई बीजेपी और कांग्रेस के बीच है. इससे पहले यही लड़ाई शिवाजी महाराज और फुले जी ने लड़ी थी. अगर आप छत्रपति शिवाजी महाराज, शाहू जी महाराज, फुले जी, आंबेडकर जी को पढ़ेंगे, तो पता चलेगा कि इन सभी की विचारधारा और कांग्रेस की विचारधारा एक जैसी है.

पुतिन ने दिए यूक्रेन के साथ बातचीत के संकेत, तीन देशों पर जताया भरोसा

भारत हो सकता है अच्छा मध्यस्थ

एजेंसी। मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत उनके और यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका में हो सकता है. पुतिन ने गुरुवार को यूक्रेन से बातचीत का संकेत देते हुए भारत के अलावा चीन और ब्राजील का नाम लिया है, जो यूक्रेन के साथ संभावित शांति वार्ता में मध्यस्थ के रूप में अच्छा काम कर सकते हैं. पुतिन ने इस दौरान कहा कि युद्ध के शुरुआती हफ्तों में इस्तांबुल में वार्ता में रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों के बीच एक प्रारंभिक समझौता हुआ था, लेकिन ये कभी लागू नहीं किया जा सका. अगर फिर से शांति पर बातचीत होती है, तो इसी समझौते को वार्ता के आधार के तौर पर शामिल किया जा सकता है.

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ बातचीत शुरू करने की इच्छा दिखाते हुए कहा कि चीन, भारत और ब्राजील अच्छी भूमिका निभा सकते हैं. पुतिन ने हालांकि इस दौरान यूक्रेन पर गुस्सा भी दिखाया और कहा कि यूक्रेनी सेना की कुर्स्क में घुसपैठ का उद्देश्य डोनबास में रूसी बढ़त को धीमा करना था, लेकिन वह इसमें फेल रहा क्योंकि इसके लिए कीव ने बाकी मोर्चे पर अपनी सेना को कमजोर कर लिया. पुतिन ने व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुए कहा कि यूक्रेन ने ट्रेंड यूनिट्स को रूस में स्थानांतरित करके खुद को कमजोर कर लिया है और रूस को पूर्वी यूक्रेन में हमला तेज करने की अनुमति दे दी है.

पीएम मोदी ने हाल ही में किया है रूस और यूक्रेन का दौरा : भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते महीनों में रूस और यूक्रेन दोनों देशों का दौरा किया है. रूस और भारत के संबंध बहुत पुराने रहे हैं. वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी मोदी के निजी संबंध अच्छे माने जाते हैं. रूस और यूक्रेन की यात्रा के दौरान भारत की ओर से भी ये कहा गया था कि वह शांति की किसी भी पहल में भूमिका निभाने के लिए तैयार है. अब रूसी राष्ट्रपति की ओर से भी मध्यस्थ के लिए जिन तीन देशों पर भरोसा जताया गया है, उनमें चीन और ब्राजील के साथ भारत का नाम है. राष्ट्रपति पुतिन का ये बयान ऐसे समय आया है, जब यूक्रेन सेना की कुर्स्क में घुसपैठ की वजह से रूस में गुस्सा है. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूसी संप्रभु क्षेत्र पर सबसे बड़े विदेशी हमले में 6 अगस्त को हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने ड्रोन, भारी हथियारों और कुछ पश्चिमी निर्मित तोपखाने की मदद से रूसी सीमा में घुसपैठ की थी. इसके बाद से यूक्रेन ने लगातार इस क्षेत्र में अपना नियंत्रण बनाकर रखा है.

रूस के नए परमाणु सिद्धांत को प्रभावित करेंगी पश्चिमी कार्रवाइयां : क्रेमलिन

मॉस्को। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव का कहना है कि रूस अपने परमाणु सिद्धांत में बदलाव करते समय, अमेरिका और उसके मित्र देशों के कदमों पर गौर करेगा. खासकर तब जब वे बातचीत से इनकार कर रहे हैं. समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बुधवार को व्लादिवोस्तोक में आयोजित पूर्वी आर्थिक मंच में प्रवक्ता ने कहा, "रूस अपने परमाणु सिद्धांत में बदलाव कर रहा है. वह नए तरीके से सोच रहा है जो वर्तमान समय और पश्चिमी देशों की कार्रवाइयों के अनुसार होगा." उन्होंने कहा कि इन कार्रवाइयों में पश्चिमी देशों द्वारा रूस के साथ बातचीत करने से इनकार करना, रूसी हितों और सुरक्षा पर हमला तथा यूक्रेन को भड़काने में उनकी भूमिका शामिल है. पेस्कोव ने कहा, "इसके परिणाम तो होंगे ही. मॉस्को में इसे ध्यान में रखकर ही प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है." रूस ने हाल ही में कहा है कि वह परमाणु हथियारों के उपयोग की परिस्थितियों को निर्धारित करने वाले सिद्धांत में परिवर्तन करने जा रहा है, लेकिन उसने अभी तक परिवर्तनों की डिटेल साझा नहीं की है.

रूस कर सकता है परमाणु हथियारों का उपयोग : राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से साल 2020 में जारी एक आदेश में निर्धारित मौजूदा परमाणु सिद्धांत के अनुसार, अगर कोई दुश्मन रूस पर परमाणु हमला करता है या ऐसा हमला करता है जिससे देश के अस्तित्व को खतरा हो, तो रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता है. प्रवक्ता पेस्कोव ने मीडिया को बताया, "इन बदलावों की जरूरत इसलिए है क्योंकि पश्चिमी देशों से चुनौतियां और खतरे पैदा किए हैं." उन्होंने कहा कि मॉस्को इस संभावना को ध्यान में रख रहा है कि यूक्रेन रूसी क्षेत्र में अंदर तक जाकर अमेरिका द्वारा आपूर्ति किये गये लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है.

यूक्रेन की संसद ने चार मंत्रियों को किया बर्खास्त

कीव। यूक्रेन की संसद ने चार मंत्रियों को बाहर कर दिया है. वहीं विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा बुधवार को इस्तीफा दे चुके हैं. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सांसदों ने बुधवार को यूरोपीय और यूरो-अटलांटिक एकीकरण के लिए उप प्रधान मंत्री ओल्हा स्टेफनिशिना, सामरिक उद्योग मंत्री ऑलेक्जेंडर कामिशिन, न्याय मंत्री डेनिस माल्युस्का और पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन मंत्री रुस्लान स्ट्रेलेट्स को बर्खास्त करने के लिए मतदान किया. संसद ने विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा की बर्खास्तगी पर विचार नहीं किया, जिन्होंने बुधवार को इस्तीफा दे दिया था. राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि कैबिनेट फेरबदल का उद्देश्य विभिन्न चरणों में यूक्रेन को मजबूत करना है. संसद के अध्यक्ष रुस्लान स्टेफानचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लिखा, विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने बुधवार को संसद को इस्तीफा पत्र सौंप दिया. स्टेफनचुक ने कहा कि संसद निकटतम पूर्ण सत्र में कुलेबा के आवेदन पर विचार करेगी.

जंग रोकने के लिए पुतिन की हैं ये शर्तें : रूस ने जंग रोकने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उसके मुताबिक यूक्रेन को दोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसान और जपोरिजिया इलाकों से अपने सैनिक हटाने होंगे. साथ ही यूक्रेन कभी भी नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा. हालांकि यूक्रेन ने शर्तों को मानने से इनकार कर दिया और यूक्रेन की मांग है कि रूस अपने सभी सैनिकों को यूक्रेन से वापस बुलाए.

हरियाणा : टिकट कटने पर दो नेताओं ने छोड़ी पार्टी

उम्मीदवारों के नामों की घोषणा के बीच भाजपा को दो बड़े झटके

एजेंसी। चंडीगढ़/हिसार

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान शुरू कर दिया है. इस बीच भारतीय जनता पार्टी को दो बड़े झटके लगे हैं. रतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने मौजूदा विधायक लक्ष्मण नापा का टिकट काट दिया है. इसके बाद लक्ष्मण ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. भाजपा ने पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को रतिया सीट से चुनावी मैदान में उतारा है. इस्तीफे के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा से मुलाकात के बाद लक्ष्मण के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं. वहीं हिसार से भाजपा के जिला उपाध्यक्ष तरुण जैन ने भी टिकट न मिलने पर भाजपा को अलविदा कह दिया. उन्होंने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर पार्टी से इस्तीफा देने की जानकारी दी. अब उनका अगला राजनीतिक कदम क्या होगा, इस सवाल के जवाब में तरुण जैन ने कहा, मैं अपनी टीम के लोगों के साथ बैठक करूंगा, हिसार की जनता से मिलूंगा, जो भी मार्गदर्शन होगा, उसके अनुसार आगे का फैसला लिया जाएगा. चुनाव लड़ने के लिए सहमति बनती है, तो चुनाव लड़ूंगा.

बता दें कि भाजपा ने बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए 67 उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी की. पार्टी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा से मैदान में उतारा है. इस साल मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह मुख्यमंत्री बने सैनी वर्तमान में करनाल से विधायक हैं. उम्मीदवारों की लिस्ट में आठ महिलाएं भी शामिल हैं. भाजपा के 41 विधायकों में से आधे से अधिक को फिर से टिकट दिया गया है. हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रमुख एवं पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ को बादली से मैदान में उतारा गया है, जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज अपने गढ़ अंबाला छावनी से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं. लिस्ट में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव का नाम भी शामिल है. उम्मीदवार 12 सितंबर तक अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं. नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है. चुनाव 5 अक्टूबर को एक ही चरण में होने हैं और मतगणना आठ अक्टूबर को होगी.

जेएंडके में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे नरेंद्र मोदी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जम्मू-कश्मीर में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे. भाजपा के जम्मू-कश्मीर महासचिव अशोक कौल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जम्मू संभाग में दो और कश्मीर में एक रैली को संबोधित करेंगे. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर आएंगे. वह 6 सितंबर को जम्मू में भाजपा का चुनावी घोषणापत्र जारी करेंगे. शाह शुक्रवार को पनी यात्रा के दौरान कश्मीर घाटी का भी दौरा कर सकते हैं.

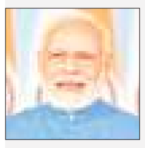

इजरायल ने लेबनान पर किए हवाई हमले, एक की मौत, पांच लोग घायल

- हिजबुल्लाह ने जवाबी कार्रवाई में उत्तरी इजरायल में कई जगहों पर दागे रॉकेट

एजेंसी। बेरूत

इजरायल ने एक बार फिर लेबनान पर हवाई हमले किए हैं. लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल ने दक्षिणी लेबनान पर हवाई हमले किए. इन हमलों में एक महिला की मौत हो गई और पांच नागरिक घायल हो गए. मंत्रालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने बुधवार को एक बयान में बताया कि इजरायली सेना ने कब्रिखा गांव पर हवाई हमला किया, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और 12 वर्षीय बच्चे सहित दो अन्य लोग घायल हो गए. मंत्रालय के मुताबिक, हौला गांव में हुए एक अन्य हमले में तीन लोग घायल हुए हैं. वहीं, हिज्बुल्लाह ने कहा कि लेबनान के दक्षिणी गांवों पर किए गए हमले के जवाब में उसने उत्तरी इजरायल में बेत हिलेल और जारित बैरकों और तोपखाने की जगहों को रॉकेट से निशाना बनाया है. लेबनानी सशस्त्र समूह ने कहा कि बुधवार दोपहर को रॉकेट से मार्ज साइट को भी निशाना बनाया है.

छह कस्बों और गांवों पर सात हवाई हमले : समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने लेबनान के सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया कि इजरायली सेना ने बुधवार दोपहर छह कस्बों और गांवों पर एक के बाद एक सात हवाई हमले किए. इसके अलावा, इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के नौ गांवों और कस्बों पर लगभग 30 गोले दागे हैं. ज्ञात हो कि 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर बड़े पैमाने पर हमले किए थे. इन हमलों के जवाब में इजरायल ने हमास के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया. इजरायली सैन्य कार्रवाई के बाद हिजबुल्लाह ने हमास के समर्थन में हमले किए.

शिक्षकों के सम्मान में देशभर में हुए कार्यक्रम

हर साल 5 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है. नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन करते छात्र. एजेंसी

इजरायली हमलों में वेस्ट बैंक में 33 लोगों की मौत

रामल्लाह। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि एक सप्ताह पहले वेस्ट बैंक (पश्चिमी तट) पर शुरू हुए इजरायली सैन्य अभियानों में 33 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 140 अन्य घायल हुए हैं. मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मृतकों में उत्तरी पश्चिमी तट जेनिन में 19, तुबास में चार और तुलकरम में सात फिलिस्तीनी शामिल हैं. वहीं दक्षिण में हेब्रोन में तीन अन्य लोग भी मारे गए हैं. फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी वफा की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना ने बुधवार को लगातार आठवें दिन जेनिन शहर और उसके शिविर के खिलाफ अपना अभियान जारी रखा. समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने वफा की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि इस अभियान से जल और बिजली नेटवर्क सहित बुनियादी ढांचे को बड़ी क्षति पहुंची है.

खुलासा कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन से जुड़े सनसनीखेज अपहरण और हत्या का मामला

रेणुका स्वामी पर अत्याचार की तस्वीरें आईं सामने

एजेंसी। बेंगलुरु

कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन से जुड़े सनसनीखेज अपहरण और हत्या मामले में पीड़ित रेणुका स्वामी पर क्रूर यातना के समय की कथित तस्वीरें गुरुवार को सामने आईं. कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में 3,991 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की. सामने आई तस्वीरों में से एक में रेणुका स्वामी को शर्टलेस और खड़े ट्रकों के सामने जमीन पर बैठकर रोते हुए देखा जा रहा है. वो डर और दर्द में कुछ कहने की कोशिश कर रहे हैं. एक दूसरी तस्वीर में रेणुका स्वामी एक ट्रक के सामने बेहोश पड़े हुए नजर आ रहे हैं. इस तस्वीर में रेणुका स्वामी बनियान और नीले रंग की जींस पहने हुए दिखाई दे रहे हैं. हालांकि, लीक हुई तस्वीरों को लेकर पुलिस ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है.

सूत्रों के मुताबिक ये तस्वीरें पुलिस विभाग ने सबूत के तौर पर इकट्ठा की थीं. ये तस्वीरें दर्शन के सहयोगी पवन, जो मामले के आरोपियों में से एक है, उनके मोबाइल फोन से मिली हैं. ये तस्वीरें पवन के मोबाइल फोन में थीं. रेणुका स्वामी की तस्वीरें लेने के बाद पवन एक पब में गया, जहां दर्शन अपने दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था. उसने दर्शन को तस्वीरें दिखाईं और बताया कि रेणुका स्वामी का अपहरण कर लिया गया है. उन्हें एक शेड में रखा गया है, जहां उसके साथ मारपीट की जा रही है. सूत्रों के अनुसार, दर्शन फिर पवित्रा गौड़ा के आवास पर गए, उन्हें उठाया और शेड में ले आए, जहां उन्होंने रेणुका स्वामी के साथ बर्बरता जारी रखी. रेणुका स्वामी के पिता काशीपति शिवनगौदर ने कहा कि घटना के बाद परिवार कठिन दौर और उथल-पुथल से गुजर रहा है.

बेहोश होने पर दिए जाते थे बिजली के झटके

सूत्रों के मुताबिक जब भी रेणुका स्वामी बेहोश हो जाते थे, तो उन्हें होश में लाने के लिए बिजली के झटके दिए जाते थे. बता दें कि दर्शन के फैन रेणुका स्वामी की निर्मम हत्या 8 जून को बेंगलुरु में हुई थी. रेणुका स्वामी को उनके गृह नगर, चित्रदुर्ग से अपहरण करके बेंगलुरु लाया गया और एक शेड में रखा गया, जहां उसे टॉर्चर करके मार डाला गया. आरोपियों ने हत्या के बाद उसके शव को नहर में फेंक दिया. यह घटना तब सामने आई जब एक निजी अपार्टमेंट के सुरक्षाकर्मियों ने शव को कुत्तों के झुंड द्वारा घसीटते हुए देखा.

विस चुनाव : शिवसेना (यूबीटी) नेता ने शरद पवार के बयान पर दी प्रतिक्रिया

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला चुनाव बाद : संजय राउत

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर शरद पवार द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, "पवार साहब बिलकुल सही कह रहे हैं. नतीजों के बाद ही मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला होगा." संजय राउत ने कहा, "जनता के मन में जो चेहरा है, जनता उसी को मुख्यमंत्री बनाएगी. पवार साहब की बात शत-प्रतिशत ठीक है. महाराष्ट्र में तीन दलों का गठबंधन है और हम महा विकास अघाड़ी का हिस्सा हैं. कौन कितनी सीट जीतता है, यह बाद में तय किया जाएगा, लेकिन हमको बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है. हमारा सबसे पहला काम है इस भ्रष्ट सरकार को हटाना और मुख्यमंत्री पद के बारे में कभी भी चर्चा कर सकते हैं."

राउत ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले में कहा, "मूर्तिकार को कल्याण से गिरफ्तार नहीं किया है, बल्कि उसने सरेंडर किया है. मैंने कहा था कि एक शक्ति है, वह उसको बचा रही है. भाजपा की शक्ति क्या है, यह तो हमारे गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस बताएंगे. उसको कौन बचा रहा था, उन्हें सब कुछ पता है. जमानत की पूरी व्यवस्था हो गई, उसके बाद उसने सरेंडर किया. इससे राउत ने बुधवार को बदलापुर यौन शोषण मामले को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)